शर्मा हार्डवेयर
SHARMA HARDWARE
Sharma Gali, SJ Road
Athgaon, Guwahati-01
98648-02947
70025-06581

E-Paper : www.goodluckpublications.com, • www.vbslive.in
हिंदी दैनिक
गुवाहाटी, नई दिल्ली, शिमला और जम्मू से एकसाथ प्रकाशित
राष्ट्र निर्माण में प्रयत्नशील

विकसित भारत समाचार

वर्ष : 10 | अंक : 196 | गुवाहाटी | बुधवार, 14 फरवरी, 2024 | मूल्य : 10 रुपए | पृष्ठ : 8 | VIKSIT BHARAT SAMACHAR | Regd. RNI No. ASSHIN/2014/56526

बार एसोसिएशन ने किसानों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की पेज 2
अब ताजमहल के साथ नहीं, राम मंदिर के साथ तस्वीर लेंगे पर्यटक : भुबन पेगू पेज 3
राज्यसभा चुनाव : सपा से जया बच्चन, रामजी लाल सुमन और आलोक रंजन... पेज 5
क्या साल 2024 रहेगा पीवी सिंधु के नाम : चोट से उबरने के बाद... पेज 7

door graph Premium Quality Hinges
S.S. Traders
Suppliers in : All kinds of Door Fittings Modular Kitchen & Accessories, etc.
D. Neog Path, Near Dona Planet ABC, G.S. Road, Guwahati - 05
97079-99344

सुप्रभात

अपने से अधिक शक्तिशाली और समान बल वाले से शत्रुता न करें।
– आचार्य चाणक्य

असम नागरिक पुरस्कार राज्य की समृद्ध प्रतिभा को दर्शाते हैं : उपराष्ट्रपति

गुवाहाटी। भारत के उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ ने असम के सर्वोच्च नागरिक सम्मान समारोह में मुख्य अतिथि के रूप में मौजूद थे। उपराष्ट्रपति ने अपने संबोधन में कहा कि असम का सर्वोच्च राज्य नागरिक पुरस्कार प्रदान करना केवल व्यक्तिगत उपलब्धि का जश्न मनाने से परे है। यह असम की समृद्ध टेपेस्ट्री, उसके लोगों और एक महान राष्ट्र की प्रगति और सांस्कृतिक विविधता में उनके अमूल्य योगदान का भी प्रतिबिंब है। मंगलवार को यहां पुरस्कार दिया गया। राज्य का सर्वोच्च नागरिक सम्मान *असम बैभव* भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश (सीजेआई) रंजन गोगोई को श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में प्रदान किया गया। विभिन्न क्षेत्रों में उपलब्धि हासिल करने वालों को *असम सौरव* प्रदान किया गया। इनमें असम सरकार के पुरातत्व, स्वदेशी और जनजातीय आस्था और संस्कृति विभाग के सांस्कृतिक विशेषज्ञ किशन चंद नौरियाल और मशहूर तैराक एल्विस अली हजारिका शामिल हैं; धावक हिमा दास और तिवा नृत्य और संगीत प्रतिपादक नदीराम देउरी। इसके अलावा, 17 अन्य उपलब्धि हासिल करने वालों को -शेष पृष्ठ दो पर

न्यूज गैलरी

विशेष अदालत ने चार माओवादियों को सुनाई उम्रकैद की सजा

नई दिल्ली (हि.स.)। राष्ट्रीय जांच एजेंसी (एनआईए) छत्तीसगढ़ की एक विशेष अदालत ने 2014 में राज्य में घात लगाकर किए गए हमले में शामिल प्रतिबंधित सीपीआई (माओवादी) के चार सदस्यों को आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। इस हमले में केंद्रीय रिजर्व पुलिस बल (सीआरपीएफ) के 11 और चार पुलिस -शेष पृष्ठ दो पर

किसानों को दिल्ली आने से रोकना दुर्भाग्यपूर्ण : कांग्रेस

नई दिल्ली (हि.स.)। कांग्रेस ने कहा कि केन्द्र सरकार किसानों को दिल्ली आने से रोककर अपनी हताशा छिपा रही है। किसान अन्नदाता है। उसे दिल्ली आने से नहीं रोका जाना चाहिए। कांग्रेस महासचिव रणदीप सिंह सुरजेवाला ने कहा कि किसानों की आवाज को दबाने के लिए भाजपा सरकार ने देश की राजधानी दिल्ली को *पुलिस छावनी* में -शेष पृष्ठ दो पर

असम का रोग है बढ़ी हुई जनसंख्या : सीएम

गुवाहाटी (हि.स.)। मुख्यमंत्री डॉ. हिमंत विश्व शर्मा ने कहा है कि असम का रोग इसकी बढ़ी हुई जनसंख्या है। उन्होंने कहा कि 3 करोड़ 60 लाख की जनसंख्या वाले राज्य असम की तुलना पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों के साथ नहीं की जा सकती है। मुख्यमंत्री आज असम विधानसभा के चालू बजट सत्र के सातवें दिन कांग्रेस विधायक भरत चंद्र नरह के सवालों का उत्तर देते हुए उपरोक्त बातें कहीं। मुख्यमंत्री ने कहा कि मेघालय की जनसंख्या 20 लाख है ऐसे में 20 लाख आबादी वाले राज्य मेघालय और 3 करोड़ 7 लाख आबादी वाले राज्य असम की कोई तुलना नहीं हो सकती है। भरत नरह ने उच्च शिक्षा के क्षेत्र में पूर्वोत्तर के अन्य राज्यों की तुलना में असम में नामांकन करवाने वाले छात्रों की प्रतिशतता कम होने की बात कही। मुख्यमंत्री ने कहा कि आंकड़े में कमी आने की वजह यह थी कि असम के 130 कॉलेज अपने डाटा अपलोड नहीं कर पाए थे। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम सरकार ने इसे गंभीरता से लेते हुए न सिर्फ 350 कॉलेज के प्रिंसिपलों कि कल बैठक बुलाई थी और उसमें आवश्यक दिशा निर्देश दिए गए थे बल्कि, इसी को ध्यान में रखते हुए सरकार ने मुख्यमंत्री निजुत मईना योजना शुरू की है। मुख्यमंत्री ने कहा कि असम के अधिक से अधिक छात्र कॉलेज में दाखिला ले सकें इसके लिए सरकार विभिन्न स्तर पर प्रयास कर रही है। सफाई के इंडेक्स में असम का देश के अंदर 20वां स्थान है तथा राज्य के रूप में गुवाहाटी शहर का 31वां स्थान रहने को लेकर कहा कि यह सरकार के लिए लाज की बात नहीं है बल्कि, यह असम और असमिया जाति के लिए लज्जा की बात है। उन्होंने कहा कि असम में एक सिटीजन मूवमेंट होने की जरूरत है। उन्होंने कहा कि इंदौर इसलिए स्वच्छ शहर है क्योंकि, लोग सुबह उठकर ही कचरा लेकर घरों से बाहर जाकर उसे निपटा आते हैं लेकिन आज भी असम के लोग कचरा उठाने के लिए पैसे देने में आनाकानी करते हैं। मुख्यमंत्री ने कहा कि लोकसभा चुनाव बीत जाने के बाद गुवाहाटी के हर वार्ड में घूमेंगे और लोगों को स्वच्छता के प्रति जागरूक करेंगे। साथ ही उन्होंने यह भी कहा कि राष्ट्रव्यापी स्वच्छता सर्वेक्षण में राज्य का खराब प्रदर्शन सरकार के बजाय समग्र रूप से लोगों पर प्रतिबिंबित करता है। राज्य के बजट पर चर्चा में हिस्सा लेते हुए शर्मा ने कहा कि प्रतिशत के मामले में राज्य के प्रदर्शन की तुलना अरुणाचल प्रदेश या मेघालय से नहीं की जा सकती, जिनकी आबादी असम से काफी कम है। हमारे प्रदर्शन का एक प्रतिशत हमारी जनसंख्या के बोझ पर निर्भर करता है। विपक्षी कांग्रेस के विधायक भरत चंद्र नारा ने बताया कि असम का सकल नामांकन अनुपात (जीईआर) राष्ट्रीय औसत से काफी कम है। कांग्रेस के विधायक भरत चंद्र नारा ने मुख्यमंत्री के समक्ष बोलते हुए कहा था कि हालिया सर्वेक्षण के निष्कर्षों के अनुसार असम का जीईआर 16.9 प्रतिशत है, जबकि राष्ट्रीय औसत 27.1 प्रतिशत है। उन्होंने कहा कि अधिकांश अन्य पूर्वोत्तर राज्यों का प्रतिशत असम से बेहतर है, उनमें से कुछ का प्रदर्शन राष्ट्रीय औसत से भी बेहतर है। कांग्रेस विधायक के बयान पर प्रतिक्रिया देते हुए शर्मा ने कहा कि हमें बीमारी पर हमला करना है, लक्षणों पर नहीं और हमारी -शेष पृष्ठ दो पर

रंजन गोगोई असम वैभव पुरस्कार से सम्मानित

गुवाहाटी (हि.स.)। भारत के पूर्व मुख्य न्यायाधीश और राज्यसभा सदस्य रंजन गोगोई को मंगलवार को राज्य के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार *असम वैभव* से सम्मानित किया गया। समारोह में 21 अन्य लोगों को भी *असम सौरव* और *असम गौरव* से सम्मानित किया गया। समारोह में उपराष्ट्रपति जगदीप धनखड़ भी मौजूद रहे। गुवाहाटी के श्रीमंत शंकरदेव कलाक्षेत्र में आयोजित समारोह में राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने न्याय और न्यायशास्त्र के क्षेत्र में योगदान के लिए पूर्व मुख्य न्यायाधीश और राज्यसभा सदस्य रंजन गोगोई को असम के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार असम वैभव से सम्मानित किया। इस पुरस्कार के तहत गोगोई को पांच लाख रुपए नकद और आजीवन चिकित्सा सेवा समेत अन्य सुविधाओं के साथ होलोंग पेड़ के पत्ते पर असमिया भाषा में उकेरी गई जापी और असम वैभव की छवि भी दी जाती है। इस समारोह में 21 अन्य प्रतिष्ठित लोगों को भी पुरुस्कृत किया गया। -शेष पृष्ठ दो पर

मणिपुर गोलीबारी में एक की मौत दो घायल

इंफाल (हि.स.)। मणिपुर के कांगपोकपी जिले की सीमा से लगे इंफाल पूर्वी जिले में आज दो हथियारबंद गुटों के बीच गोलीबारी में एक व्यक्ति की मौत हो गई, जबकि दो अन्य ग्रामीण स्वयंसेवक घायल हो गए। मृतक की पहचान सगोलसेम लोया के रूप में हुई। घायल अवस्था में लोया को इंफाल के एक निजी अस्पताल ले जाया गया था, जहां उसने दम तोड़ा। वहीं, दो अन्य घायलों का निजी अस्पताल में इलाज चल रह है। खबरों के -शेष पृष्ठ दो पर

राममंदिर को लेकर सवाल उठाने पर असम विस में गूंजे जय श्री राम के नारे

गुवाहाटी (हि.स.)। असम विधानसभा में उस समय जय श्री राम के नारे गूंजने लगे जब ऑल इंडिया यूनाइटेड डेमोक्रेटिक फ्रंट (एआईयूडीएफ) के विधायक अमीनुल इस्लाम सीनियर ने अयोध्या में राम मंदिर को लेकर सवाल उठाए। असम विधानसभा के बजट सत्र के सातवें दिन मंगलवार को एआईयूडीएफ के सदस्य अमीनुल इस्लाम सीनियर सदन में चर्चा के दौरान बोल रहे थे। अयोध्या के रामलला के मंदिर और उसकी प्राण प्रतिष्ठा को लेकर विधायक इस्लाम ने कहा कि अयोध्या में श्री राम से जुड़े ऐसे कई मंदिर हैं, जिनका निर्माण तत्कालीन अयोध्या के बादशाह -शेष पृष्ठ दो पर

बशीरहाट में भाजपा कार्यकर्ताओं पर पुलिस का लाठीचार्ज, आंसू गैस के गोले भी दागे

कोलकाता। पश्चिम बंगाल के बशीरहाट में संदेशखालि ब्लॉक में महिलाओं द्वारा यौन उत्पीड़न के आरोप लगाए जाने को लेकर भारतीय जनता पार्टी के प्रदर्शन से पहले बशीरहाट के पुलिस अधीक्षक कार्यालय के आसपास लागू निषेधाज्ञा का उल्लंघन करने का प्रयास करने वाले भाजपा समर्थकों और पुलिस के बीच बीच झड़प हुई। अधिकारियों ने कहा कि कानून व्यवस्था बनाए रखने के लिए दंड प्रक्रिया संहिता (सीआरपीसी) की धारा 144 के तहत सुबह छह बजे से शाम छह बजे तक निषेधाज्ञा लागू की गई है। उन्होंने बताया कि किसी भी अप्रिय घटना को रोकने के लिए बशीरहाट में एसपी कार्यालय के बाहर बड़ी संख्या में पुलिसकर्मियों को तैनात किया गया। संदेशखालि, बशीरहाट पुलिस जिले के दायरे में आता है। भाजपा की प्रदेश इकाई ने घोषणा -शेष पृष्ठ दो पर

गडकरी ने असम के लिए 382.10 करोड़ रुपए की मंजूरी दी

नई दिल्ली (हि.स.)। केंद्रीय सड़क परिवहन और राजमार्ग मंत्री नितिन गडकरी ने असम में हाल ही में निर्दिष्ट राष्ट्रीय राजमार्ग 715 पर माजुली और जोरहाट को जोड़ने वाले पैव्ड शोल्डर्स वाले एक नए 2-लेन राजमार्ग के निर्माण के लिए 382.10 करोड़ रुपए की मंजूरी दी है। इसके अतिरिक्त राष्ट्रीय राजमार्ग-715 पर एक फ्लाईओवर, पहुंच मार्ग और सर्विस रोड भी इस परियोजना में शामिल है, जिसकी कुल लंबाई 20.479 किलोमीटर है। गडकरी ने मंगलवार को एक सोशल मीडिया पोस्ट में कहा कि इन कदमों का उद्देश्यों जोरहाट और माजुली के बीच सीधा सड़क -शेष पृष्ठ दो पर

1961 के बाद आए लोगों को निर्वासित करने के सीएम के बयान पर उठे सवाल

इंफाल। 1961 के बाद राज्य में प्रवेश करने और बसने वालों की पहचान की जाएगी और उन्हें निर्वासित किया जाएगा। मणिपुर के मुख्यमंत्री एन बीरेन सिंह के इस बयान पर विशेषज्ञों ने मंगलवार को प्रतिक्रिया दी। उन्होंने इस कदम की व्यवहार्यता पर संदेह जताया है। विशेषज्ञों ने कहा कि अवैध आप्रवासियों की पहचान एक स्वागत योग्य कदम है, लेकिन उनका निर्वासन तब तक मुश्किल होगा जब तक कि संबंधित विदेशी देश उन्हें आपने वास्तविक नागरिकों के रूप में मान्यता नहीं देते। गौरतलब है कि पूर्वोत्तर राज्य पिछले साल मई से जातीय संघर्ष से हिल गया था और राज्य सरकार ने पड़ोसी देश म्यांमार के अप्रवासियों के एक वर्ग पर समस्या पैदा करने का आरोप लगाया है। सोमवार को प्रोजेक्ट बुनियाद के लॉन्च पर बोलते हुए मुख्यमंत्री ने कहा था कि जो लोग 1961 के बाद राज्य में आए और बस गए, चाहे वे किसी भी जाति और समुदाय के हों, उनकी पहचान की जाएगी और उन्हें निर्वासित -शेष पृष्ठ दो पर

इमरान खान ने गठबंधन की सरकार बनाने से किया मना

इस्लामाबाद। पाकिस्तान के जेल में बंद पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने मंगलवार को देश में किसी भी मुख्य राजनीतिक दल के साथ गठबंधन की सरकार बनाने के विचार को खारिज कर दिया और दावा किया कि काले धन को सफेद बनाने के काम में बड़े पैमाने पर लगे लोगों को सत्ता में लाने के प्रयास किए जा रहे हैं। पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ (पीटीआई) पार्टी के संस्थापक खान (71) ने रावलपिंडी की उच्च सुरक्षा वाली अडियाला जेल में संवाददाताओं से बात की। खान और उनकी पार्टी के कई सहयोगी कई मामलों में दोषसिद्धि को लेकर कई महीनों से जेल में -शेष पृष्ठ दो पर

अबु धाबी पहुंचे पीएम मोदी, गार्ड ऑफ ऑनर दिया गया, राष्ट्रपति ने गले लगाकर किया स्वागत

नई दिल्ली। यूएई स्थित पहले हिंदू मंदिर के प्राण प्रतिष्ठा समारोह में शिरकत करने के लिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी अबु धाबी पहुंच गए हैं। इस दौरान पीएम मोदी को गॉर्ड ऑफ ऑनर दिया गया। संयुक्त अरब अमीरात (यूएई) के राष्ट्रपति शेख मोहम्मद बिन जायद अल नाहयान ने पीएम मोदी को गले लगाया। गौरतलब है कि मध्य पूर्व में पारंपरिक हिंदू वास्तुकला शैली में यह पहला पाषण निर्मित मंदिर होने जा रहा है, जिसका निर्माण बीएपीएस संस्था द्वारा किया गया है। 14 फरवरी को प्राण प्रतिष्ठा समारोह का आयोजन किया जाएगा। पीएम मोदी जायद स्पोर्ट्स सिटी स्टेडियम में भारतीय प्रवासियों को संबोधित करेंगे। बता दें कि पीएम मोदी का 2015 से यूएई का यह सातवां दौरा है। पिछले आठ महीनों में यह उनका यूएई का तीसरा दौरा होगा। अबु धाबी में आज हिंदू प्रवासियों को संबोधित करने से पहले पीएम मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म एक्स पर एक पोस्ट साझा किया। उन्होंने कहा कि हमें अपने प्रवासी भारतीयों और दुनिया के साथ भारत के जुड़ाव को गहरा करने के उनके प्रयासों पर बहुत गर्व है। आज शाम, मैं अहलान मोदी कार्यक्रम में यूएई के भारतीय प्रवासियों -शेष पृष्ठ दो पर

वायु सेना का हॉक ट्रेनर विमान पश्चिम बंगाल में दुर्घटनाग्रस्त

नई दिल्ली (हि.स.)। भारतीय वायु सेना का एक हॉक ट्रेनर विमान मंगलवार को प्रशिक्षण उड़ान के दौरान पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। हादसे के बाद एयरक्राफ्ट मिदनापुर जिले एक गांव में गिरा, जहां इसे देखने के लिए सैकड़ों ग्रामीण इकट्ठा हो गए। बाद में पुलिस और वायु सेना के अधिकारियों ने इलाके को अपने घेरे में लेकर जांच शुरू की है। दुर्घटना से ठीक पहले ट्रेनर और प्रशिक्षु पायलट सुरक्षित बाहर निकल गए। दुर्घटना के कारण का पता लगाने के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी का गठन किया गया है। इस दुर्घटना में किसी की जान या नागरिक संपत्ति को नुकसान नहीं हुआ है। भारतीय वायु सेना ने एक बयान में बताया -शेष पृष्ठ दो पर

CLASSIFIED

For all kinds of classified advertisements please contact

97070-14771
86382-00107

MURTI AVAILABLE

Available all kinds of Marble & White Metal Murties, Ganesh Laxmi, Radha Krishna, Bishnu-Laxmi, Hanuman, Maa Durga, Saraswati, Shivling, Nandi etc. **ARTCLE WORLD,** S-29, 2nd Floor, Shoppers Point, Fancy Bazar, Guwahati-01, **Ph. : 94350-48866, 94018-06952**

एससी पहुंचा दिल्ली चलो मार्च

बार एसोसिएशन ने किसानों के खिलाफ कार्रवाई की मांग की

नई दिल्ली। सुप्रीम कोर्ट बार एसोसिएशन (एससीबीए) ने मंगलवार को प्रधान न्यायाधीश डी. वाई. चंद्रचूड़ से अनुरोध किया कि वे *उपद्रव* और अशांति फैलाने तथा नागरिकों के दैनिक जीवन में परेशानी पैदा करने के इरादे से जबरन दिल्ली में प्रवेश करने की कोशिश करने वाले किसानों के खिलाफ कार्रवाई करें। पंजाब के किसानों ने अपनी फसलों के लिए न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानूनी गारंटी सहित अपनी मांगों पर जोर देने के लिए *दिल्ली चलो* अभियान शुरू किया। इससे पहले किसानों के प्रतिनिधियों और सरकार का प्रतिनिधित्व कर रहे दो केंद्रीय मंत्रियों के बीच सोमवार देर रात हुई बैठक बेनतीजा रही थी। आंदोलनकारी किसान अंबाला-शंभू, खनौरी-जींद और डबवाली सीमाओं से दिल्ली जाने की योजना बना रहे हैं। प्रधान न्यायाधीश को लिखे एक पत्र में एससीबीए अध्यक्ष आदिश सी. अग्रवाल ने उनसे यह सुनिश्चित करने के लिए आवश्यक निर्देश जारी करने का भी आग्रह किया कि आंदोलन की वजह से बाधित यातायात सुचारू होने तक, कोई भी अदालत किसी भी मामले की सुनवाई के दौरान अधिवक्ताओं की गैर-मौजूदगी के कारण प्रतिकूल आदेश पारित न करे। अग्रवाल ने कहा कि मैं आपसे आग्रह करता हूं कि उपद्रव फैलाने और नागरिकों के दैनिक जीवन में परेशानी पैदा करने के लिए जबरन दिल्ली में प्रवेश करने की कोशिश करने वाले दोषी किसानों के खिलाफ स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करें। वरिष्ठ अधिवक्ता ने कहा कि भले ही आंदोलनकारी किसानों की मांगें वास्तविक हों, लेकिन उन्हें आम जनता को कठिनाई में डालने का अधिकार नहीं है। उन्होंने कहा कि यह सही समय है जब शीर्ष अदालत को स्वत: संज्ञान लेते हुए कार्रवाई करनी चाहिए और यह सुनिश्चित करना चाहिए कि ये किसान कोई उपद्रव न करें और आम जनता को असुविधा न पहुंचाएं। पत्र में कहा गया है कि यह संदेह है कि आम चुनाव से कुछ महीने पहले होने वाला यह विरोध *राजनीति से प्रेरित* है। इसमें कहा गया है कि विरोध करने के अधिकार को आम नागरिकों के सामान्य रूप से जीवन जीने के अधिकार में बाधा डालने की अनुमति नहीं दी जानी चाहिए। पत्र के अनुसार कि कल रात की वार्ता में सुझाए गए केंद्र सरकार के प्रस्ताव को स्वीकार न करके, तथाकथित किसान नेताओं ने केवल दिल्ली, हरियाणा, पंजाब, उत्तर प्रदेश, राजस्थान, उत्तराखंड, जम्मू-कश्मीर और हिमाचल प्रदेश के लोगों के लिए समस्याएं पैदा करने के वास्ते राष्ट्रीय राजधानी कूच करने का फैसला किया है। अगर वे अब भी प्रदर्शन को लेकर अड़े हैं, तो उन्हें अपने मूल स्थानों पर विरोध करना चाहिए। इसमें कहा गया है कि शीर्ष अदालत, दिल्ली उच्च न्यायालय, विभिन्न आयोगों, न्यायाधिकरणों और जिला अदालतों में प्रैक्टिस करने वाले वकीलों को अदालती कार्यवाही में भाग लेने की कोशिश में भारी कठिनाइयों का सामना करना पड़ेगा। पत्र में 2021-2022 में किसान आंदोलन का जिक्र किया गया है, जिस दौरान पड़ोसी राज्यों के साथ लगती दिल्ली की सीमाओं के तीन स्थानों पर मुख्य सड़कें कई महीनों तक अवरुद्ध रहीं, जिससे आम जनता को कठिनाई हुई थी। संयुक्त किसान मोर्चा (गैर-राजनीतिक) और किसान मजदूर मोर्चा ने घोषणा की है कि 200 से अधिक किसान संघ अपनी मांगें मंजूर किए जाने को लेकर केंद्र पर दबाव बनाने के लिए दिल्ली जाएंगे।

भारत अब खुद विकसित करेगा जासूसी विमान, जल्द मिलेगी सरकार की मंजूरी

नई दिल्ली (हि.स.)। दुश्मन के संचार तंत्र पर कड़ी नजर रखने और लंबी दूरी के निगरानी अभियानों को अंजाम देने के लिए भारत अब खुद तीन नए जासूसी विमान विकसित करेगा। इन जासूसी विमानों को सिग्नल इंटेलिजेंस और संचार जैमिंग सिस्टम विमान के रूप में भी जाना जाता है। यह परियोजना स्वदेशी रूप से संचालित की जाएगी और इसके अधिकांश उपकरण भारत में ही बनाए जाएंगे। इन जासूसी विमानों का प्रस्ताव पूरी तरह तैयार है और जल्द ही सरकार से मंजूरी मिलने की संभावना है। रक्षा मंत्रालय के एक वरिष्ठ अधिकारी ने बताया कि इस तरह के विमान की लंबे समय से जरूरत महसूस की जा रही थी लेकिन अब इस परियोजना को अंतिम रूप दे दिया गया है। रक्षा अनुसंधान और विकास प्रयोगशाला (डीआरडीएल) भारतीय वायु सेना के सहयोग से एयरबस-319 श्रेणी के विमान का उपयोग करके इस परियोजना का नेतृत्व कर रही है। सरकार से मंजूरी मिलने के बाद प्लेटफॉर्म के अधिग्रहण के लिए संबंधित एजेंसियां विमान निर्माताओं को निविदा जारी करेंगी। इन जासूसी विमानों के लिए प्रस्ताव पूरी तरह तैयार है और जल्द ही सरकार से मंजूरी मिलने की संभावना है। उन्होंने बताया कि भारत तीन नए जासूसी विमानों को विकसित करने के साथ अपनी रक्षा क्षमताएं बढ़ाने के कगार पर है। इन उन्नत विमानों को सिग्नल इंटेलिजेंस और संचार जैमिंग सिस्टम विमान के रूप में भी जाना जाता है। ऐसे जासूसी विमानों की लंबे समय से चली आ रही आवश्यकता अब अंतिम दौर में पहुंच गई है। सेंटर फॉर एयरबोर्न स्टडीज इस पहल की देखरेख कर रहा है और एयरबोर्न अर्ली वार्निंग एंड कंट्रोल सिस्टम सहित विभिन्न परियोजनाओं पर काम किया जा रहा है। दरअसल, भारत ने 3 जासूसी विमान विकसित करने की इस परियोजना पर वैश्विक निर्माताओं के साथ डे? दशक पहले काम शुरू किया था। भारत ने 2009 में विमान परियोजना के लिए एम्ब्रेयर और इजराइल एयरोस्पेस इंडस्ट्रीज को शॉर्टलिस्ट किया था लेकिन ऑफसेट नीति का खुलासा न किए जाने से यह परियोजना रद्द कर दी गई। इसके तीन साल बाद वायु सेना ने इन विमानों के विकास और खरीद के लिए नया अनुरोध जारी किया। इसके बाद 2017 में अनुमानित 570 मिलियन डॉलर में सात जासूसी विमानों के अधिग्रहण के लिए एक नया अनुरोध प्रस्ताव जारी किया गया था लेकिन परियोजना परवान नहीं चढ़ पाई।

অসম লোকসেৱা আয়োগ
ASSAM PUBLIC SERVICE COMMISSION
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-781022.

No. 34PSC/CON/Exam-17/2023-2024 a

NOTIFICATION

The Assam Public Service Commission hereby declares today, the 13th February, 2024, the result of the Screening Test (OMR based) for the post of Research Officer (RRSC) in the Directorate of Historical and Antiquarian Studies, Assam under Indigenous and Tribal Faith and Culture Department (Advt. No. 09/2023 Dtd. 30/03/2023) conducted by the Commission on 12/12/2023. Candidates bearing the following Roll Numbers will have to appear for Interview. The date(s) of Interview will be notified shortly.

Roll Numbers of candidates to be appeared in the Interview are stated below (horizontally):

10017	10056	10062	10069	10090

N.B.: The Commission wiil not be responsible for any typing/printing mistakes.

Principal Controller of Examinations,
Assam Public Service Commission,
Jawaharnagar, Khanapara, Guwahati-22

-- Janasanyog /D/17657/23

मां ने पीट-पीटकर तीन वर्षीय बेटे की हत्या की, गिरफ्तार

मोरीगांव (हिंस)। मोरीगांव के मोइनागुड़ी गांव में एक महिला ने अपने तीन साल के बेटे रूपक ज्योति बोरदोलोई की डंडे से पीट-पीटकर हत्या कर दी। पुलिस ने आरोपी मां को गिरफ्तार कर लिया है। आरोपी मानसिक रूप से बीमार बताई जा रही है। पुलिस ने मंगलवार को बताया है कि आरोपी महिला ऋतमणि कोंवर ने सोमवार को अपने बच्चे रूपक ज्योति बोरदोलोई की पीट-पीट कर हत्या कर दी और उसके शव को बोरे में डालकर बिस्तर में छिपा दिया था। आज जब परिजनों को इसकी जानकारी हुई तो उन्होंने पुलिस को सूचना दी। पुलिस ने मौके पर पहुंचकर शव को अपने कब्जे में लेकर आरोपी महिला को गिरफ्तार कर लिया है। परिजनों ने दावा किया है कि हत्या की आरोपी महिला ऋतमणि कोंवर मानसिक रूप से बीमार है।

मंगलदै जिला जेल में कैदियों के लिए चेस और कैरम का प्रशिक्षण

दरंग (हिंस)। दरंग जिला मुख्यालय मंगलदै जिला जेल में कैदियों के लिए *जेल से गौरव तक* शीर्षक नामक अखिल भारतीय स्तर पर एक महीने तक चलने वाला चेस और कैरम खेल का प्रशिक्षण आरंभ हुआ है। जेल के सूत्रों ने आज बताया है कि चेस और कैरम खेल के एक महीने तक चलने वाला प्रशिक्षण 12 जनवरी से 11 मार्च तक, अखिल भारतीय स्तर पर किया जा रहा है। इंडियन ऑयल ने अपनी सामाजिक जिम्मेदारियों के मद्देनजर पहली बार मंगलदै जिला जेल में कैदियों के लिए *जेल से गौरव तक* विषय पर एक प्रशिक्षण कार्यशाला को शुरू किया है। खेल के माध्यम से मंगलदै जिला जेल में कैदियों और किशोरों के जीवन में सकारात्मक बदलाव को ध्यान में रखते हुए इसका आयोजन किया गया है। खेल सही अर्थों में इंसान के जीवन में अनुशासन, टीम वर्क और दृढ़ता के माध्यम से सकारात्मक बदलाव लाएगा। दरंग जिला आयुक्त ने कहा कि मंगलदै जिला जेल के कैदियों को इंडियन ऑयल की ऐसी रचनात्मक पहल से बहुत लाभ होगा। जेल के अंदर आयोजित प्रशिक्षण शिविर का उद्घाटन जिला आयुक्त मुनींद्र नाथ नागटे ने किया। उल्लेखनीय है कि ऑयल इंडिया ने अखिल भारतीय स्तर पर 23 जिला जेलों में कैदियों के बीच प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया है, जिसमें असम के एकमात्र मंगलदै जिला जेल में यह प्रशिक्षण शिविर आयोजित किया जा रहा है। खेल प्रशिक्षण शिविर में मंगलदै जेल के लगभग 20 कैदी हिस्सा ले रहे हैं।

डंपर की चपेट में आने से स्कूटी सवार छात्रा की मौत

शिवसागर (हिंस)। जिले के नाजिरा के लक्षीजान बिहुबर तिनाली इलाके में डंपर की चपेट में आने से स्कूटी सवार छात्रा की मौत हो गयी। पुलिस ने केस दर्ज कर डंपर और उसके ड्राइवर की तलाश शुरू कर दी है। पुलिस ने बताया है कि सातवीं कक्षा की छात्रा प्रीति पानिकर अपनी स्कूटी से बिहुबर बागीचा से मेकीपुर की ओर जा रही थी। लक्षीजान बिहुबर तिनाली इलाके में एक डंपर ने स्कूटी सवार प्रीति को टक्कर मार दी। जिससे स्कूटी सवार छात्रा प्रीति की मौके पर ही मौत हो गई।

पृष्ठ एक का शेष

असम नागरिक पुरस्कार...

असम गौरव पुरस्कार से सम्मानित किया गया। असम के राज्यपाल गुलाब चंद कटारिया ने समारोह में पुरस्कार प्रदान किए, जिसमें असम के मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा भी मौजूद थे। उपराष्ट्रपति ने कहा कि आज के पुरस्कार, असम बैभव, असम सौरव और असम गौरव, विभिन्न क्षेत्रों में उत्कृष्ट योगदान की स्वीकृति का प्रतीक हैं। मैं कभी सोच भी नहीं सकता था कि क्षेत्र इतने विविध होंगे कि प्राप्तकर्ता समाज के सभी वर्गों में फैल जाएंगे। जिन लोगों को सम्मानित किया जा रहा है वे वे लोग हैं जो वास्तव में इसके हकदार हैं, उन्हें खोजा गया है और सम्मानित किया गया है। सरकार को बधाई। धनखड़ ने कहा कि इस साल, असम बैभव को योग्य रूप से पूर्व सीजेआई और सर्वोच्च न्यायिक पद पर आसीन होने वाले पूर्वोत्तर के पहले न्यायाधीश रंजन गोगोई को दिया जा रहा है। उन्होंने कहा कि पूर्व सीजेआई और राज्यसभा के मनोनीत सदस्य के रूप में, न्यायमूर्ति गोगोई ने ईमानदारी, ज्ञान और न्याय के प्रति प्रतिबद्धता के उच्चतम मानकों का उदाहरण दिया है। उनका योगदान केवल अदालत कक्ष तक ही सीमित नहीं है, बल्कि विधायी क्षेत्र तक फैला हुआ है, जहां वह हमारे राष्ट्र की भलाई में योगदान देना जारी रखते हैं।

असम का रोग...

बीमारी जनसंख्या है। स्वच्छ सर्वेक्षण 2024 में खराब प्रदर्शन को लेकर राज्य और उसके शहरों, खासकर सबसे बड़े शहर गुवाहाटी की आलोचना पर सीएम ने कहा कि इसे संबोधित करने के लिए एक उचित नागरिक भागीदारी की जरूरत है।

रंजन गोगोई असम ...

इनमें चार को असम सौरभ और 17 को असम गौरव से सम्मानित किया गया। उल्लेखनीय है कि रंजन गोगोई पूर्वोत्तर भारत से देश के पहले मुख्य न्यायाधीश थे। मुख्य न्यायाधीश के रूप में उनकी भूमिका अति विशिष्ट रही और उन्होंने वर्ष 2019 में अयोध्या के राम मंदिर को लेकर ऐतिहासिक फैसला सुनाया था, जिसके बाद अयोध्या में राम मंदिर निर्माण का मार्ग प्रशस्त हुआ। सेवानिवृत्ति के बाद रंजन गोगोई को राज्यसभा के लिए नामित किया गया था। दरअसल, असम सरकार के सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार का तीसरा संस्करण है। सबसे पहले उद्योगपति रतन टाटा और उसके बाद पत्रकार तपन सैकिया को सर्वोच्च नागरिक पुरस्कार असम वैभव से पुरुस्कृत किया गया था।

मणिपुर गोलीबारी में ...

अनुसार कांगपोकपी जिले की सीमा से लगे इंफाल पूर्व के खमेनलोक और शांतिपुर इलाके में हुई यह गोलीबारी खबर लिखे जाने तक जारी है। सुरक्षा बल हालात पर काबू पाने की कोशिश कर रहे हैं। सूत्रों ने बताया कि पहाड़ी इलाके में रह रहकर गोलीबारी हो रही है। सुरक्षा बलों की भारी तैनाती पूरे इलाके में कर दी गई है। उल्लेखनीय है कि इंफाल पूर्व और कांगपोकपी के पहाड़ी जिले के बीच के इलाकों में गोलीबारी हो रही है।

राममंदिर को लेकर ...

हुसैन अली खान ने करवाए थे। इस्लाम ने कहा कि जिस श्री राम मंदिर को लेकर 500 वर्ष की बातें कही जाती हैं, असल में वहां राम का जन्म हुआ था, इसको लेकर कोई ठोस प्रमाण नहीं है। विधायक इस्लाम के इस वक्तव्य के बाद सदन में सत्ता पक्ष के सदस्यों ने अपने स्थानों पर उठकर जोर-जोर से जय श्री राम का नारा लगाना शुरू कर दिया। जिससे सदन में एक बार उत्तेजक माहौल बन गया। अध्यक्ष ने सत्ता पक्ष के सदस्यों को शांत कराकर विधायक इस्लाम से बयान को वापस लेने को कहा। क्योंकि, यह वक्तव्य सुप्रीम कोर्ट के आदेश पर सवालिया निशान लगाता है। इस पर सदन में काफी देर तक माहौल गर्म रहा। इस्लाम के वक्तव्य से आखिरकार विवादास्पद शब्दों को हटा दिया गया। सदन में एआईयूडीएफ के सदस्य इस्लाम ने कहा कि वह असम की जनता को बताना चाहते हैं कि देश के 264 मंदिरों को भूमि हस्तांतरण करने का फरमान औरंगजेब के समय में जारी किया गया था। इस पर भी सत्तापक्ष भाजपा के विधायक शोर मचाने लगे। विधायक इस्लाम ने इस बजट को अयोध्यायोनुमुखी करार देते हुए कहा कि असम सरकार उत्तर प्रदेश की सरकार योगी आदित्यनाथ के नक्शे कदम पर चलते हुए बजट बनाने की कोशिश की गई है। उन्होंने कहा कि इस बजट में मुख्यमंत्री के भाषण के संकलन पर रुपए खर्च करने की बात कही गई है। यह भाजपा के प्रचार का भाषण है। उन्होंने कहा कि बाढ़ और अकाल की वजह से भूमिहीन हुए लोगों के पुनर्वास को लेकर इस बजट में कोई चर्चा ही नहीं की गई है। सरकार ने पांच हजार हेक्टेयर भूमि को अतिक्रमण मुक्त करने की बात जरूर कही है। उन्होंने कहा कि छह जनजातियों को जनजाति का दर्जा देने को लेकर भी इसमें कोई बात नहीं की गई है। सरकार ने कीर्तन वंदन की उपेक्षा करके सिर्फ राम नाम को आगे बढ़ाया है। अमीनुल इस्लाम ने कहा कि सरकार ने बजट में गरीबों को और अधिक गरीब बनाने के लिए कार्य किया है। उन्होंने आरोप लगाया कि मनरेगा में असम में 50 फीसदी धन भी खर्च नहीं किए गए। अपने संबोधन में जहां अमीनुल इस्लाम ने सरकार को घेरने की कोशिश की, वहीं राम और कृष्णा भक्तों के बीच में एक गहरा मतभेद पैदा करने की भी कोशिशें की।

बशीरहाट में भाजपा...

की थी कि उसके नेता उत्तर 24 परगना जिले के संदेशखालि की स्थिति के विरोध में मंगलवार को एसपी कार्यालय का घेराव करेंगे। भाजपा प्रदेश अध्यक्ष सुकांत मजूमदार की अगुवाई में एसपी कार्यालय की तरफ बढ़ते हुए दोपहर को प्रदर्शनकारियों ने बैरिकेड तोड़ने का प्रयास किया। बैरिकेड तोड़ने के बाद पुलिस ने पहले तो भाजपा समर्थकों को शांत करने की कोशिश की। लेकिन, भाजपा कार्यकर्ता अड़े रहे, जिसके बाद पुलिस ने उन्हें तितर-बितर करने के लिए लाठीचार्ज किया। मजूमदार ने दावा किया कि बंगाल में अराजक स्थिति है। राज्य सरकार सच्चाई छिपाने की कोशिश कर रही है। सत्तारूढ़ तृणमूल कांग्रेस ने भाजपा पर राज्य का माहौल खराब करने की कोशिश करने का आरोप लगाया। तृणमूल कांग्रेस प्रवक्ता कुणाल घोष ने कहा कि पुलिस स्थिति को बनाए रखने के लिए सब कुछ कर रही है लेकिन भाजपा माहौल खराब करना चाहती है। संदेशखालि में महिलाएं तृणमूल कांग्रेस के नेता शाहजहां शेख और उसके सहयोगियों द्वारा किए गए कथित अत्याचारों को लेकर पिछले कुछ दिनों से आंदोलन कर रही हैं। प्रदर्शनकारियों का आरोप है कि शेख और उसके *गिरोह* ने क्षेत्र में महिलाओं का यौन उत्पीड़न करने के अलावा जमीन के बड़े हिस्से पर बलपूर्वक कब्जा कर लिया है। शेख पिछले महीने राशन घोटाले की जांच के सिलसिले में संदेशखालि में उसके घर पर छापा मारने गई प्रवर्तन निदेशालय (ईडी) की टीम पर भीड़ द्वारा किए गए हमले के बाद से फरार हैं।

गडकरी ने असम के ...

संपर्क स्थापित करना है। अभी तक इस तरह का कोई भी सीधा सड़क संपर्क नहीं था और सीधा संपर्क स्थापित हो जाने के बाद इस समस्या का निदान हो जाएगा। उन्होंने कहा कि वर्तमान में यहां के निवासी ब्रह्मपुत्र नदी को पार करने के लिए नावों पर निर्भर रहते हैं, जिससे खासकर बाढ़ के दौरान सुरक्षा संबंधी चिंताएं उत्पन्न होती हैं। गडकरी ने कहा कि संपर्क सड़कों और माजुली पुल के निर्माण से निरंतर कनेक्टिविटी सुनिश्चित होगी, जिससे स्थानीय आबादी की सामाजिक-आर्थिक स्थिति में उल्लेखनीय सुधार होगा और पर्यटन को बढ़ावा मिलेगा। उन्होंने आगे कहा कि यह रणनीतिक बुनियादी ढांचा निवेश सड़क उपयोगकर्ताओं के लिए यात्रा के समय और वाहन परिचालन लागत को कम करने के लिए तैयार है।

1961 के बाद ...

किया जाएगा। मुख्यमंत्री का यह बयान जून 2022 में मणिपुर कैबिनेट द्वारा *इनर लाइन परमिट* के प्रभावी कार्यान्वयन के लिए राज्य के निवासियों की मूल स्थिति निर्धारित करने के लिए 1961 को आधार वर्ष के रूप में अपनाने के प्रस्ताव को मंजूरी देने के बाद आया है। राजनीतिक विश्लेषक प्रदीप फंजौबम ने कहा कि अवैध अप्रवासियों को निर्वासित करने के लिए, संबंधित विदेशी देश को उन्हें अपने वास्तविक नागरिक के रूप में स्वीकार करना होगा। यदि विदेशी देश अप्रवासियों को अपने नागरिक के रूप में मान्यता नहीं देता है, तो उन्हें कैसे निर्वासित किया जाएगा। फोरम फॉर रिस्टोरेशन ऑफ पीस के संयोजक अशांग काशर ने कहा कि निर्वासन अकेले मणिपुर सरकार द्वारा नहीं किया जा सकता है। अप्रवासियों की पहचान महत्वपूर्ण है। जिन लोगों की पहचान अवैध अप्रवासी के रूप में की जाएगी, उनके पास मूल निवासियों को मिलने वाले अधिकार नहीं होने चाहिए। उदाहरण के लिए, उनके पास मतदान का अधिकार नहीं होना चाहिए।

इमरान खान ने ...

बंद हैं। पाकिस्तान में आठ फरवरी को हुए चुनाव में निर्दलीय उम्मीदवारों ने 266 सदस्यीय असेंबली में 101 सीटें जीती जिसमें से अधिकतर पीटीआई द्वारा समर्थित उम्मीदवार थे। अन्य पूर्व प्रधानमंत्री नवाज शरीफ की पार्टी पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) ने 75 सीटें जीती और पूर्व विदेश मंत्री बिलावल भुट्टो जरदारी की पाकिस्तान पीपुल्स पार्टी (पीपीपी) ने 54 सीटों पर जीत हासिल की। देश में गठबंधन सरकार अपरिहार्य प्रतीत होती है क्योंकि नेशनल असेंबली में किसी भी एक पार्टी को बहुमत नहीं मिला है। पाकिस्तान में त्रिशंकु संसद की स्थिति बन सकती है। शरीफ की पीएमएल-एन और पीपीपी के बीच दो दिनों से बातचीत चल रही है। वहीं, निर्दलीय उम्मीदवारों को अपने पाले में लाने के लिए प्रयास चल रहे हैं और माना जा रहा है कि यह काम आसानी से हो जाएगा। खान ने कहा कि पीएमएल-एन, पीपीपी और मुत्तहिदा कौमी मूवमेंट (एमक्यूएम) के साथ कोई बातचीत नहीं होगी लेकिन उन्होंने अन्य सभी पार्टियों और समूहों से संपर्क करने की इच्छा जताई है। उन्होंने कहा कि पीएमएल-एन, पीपीपी और एमक्यूएम के साथ कोई गठबंधन नहीं हो सकता है। उन्होंने पीटीआई के सूचना सचिव रऊफ हसन को इन तीन पार्टियों को छोड़कर सभी पार्टियों को एक साथ लाने का निर्देश दिया है। खान ने यह भी आरोप लगाया कि चुनावों में धांधली हुई है और कहा कि इससे देश में अस्थिरता बढ़ेगी तथा अर्थव्यवस्था पर नकारात्मक प्रभाव पड़ेगा। उन्होंने कहा कि कि स्वतंत्र और पारदर्शी चुनाव ही इसका एकमात्र समाधान है। उन्होंने आरोप लगाया कि देश के इतिहास में ऐसी चुनावी धोखाधड़ी कभी नहीं हुई। खान ने आरोप लगाया कि धन शोधन करने वाले गुट को सत्ता में लाने का प्रयास किया जा रहा है। शरीफ का परिवार देश में धन शोधन का सबसे बड़ा आरोपी है। उन्होंने कहा कि देश की सबसे बड़ी समस्या डॉलर है और आरोप लगाया कि शरीफ परिवार विदेश में डॉलर भेजता है। जियो न्यूज पोर्टल ने खान के आरोप के हवाले से कहा कि जिन लोगों को (शासन में) लाया गया है, वे धन शोधन के सबसे बड़े आरोपी हैं। पीटीआई के संस्थापक ने दावा किया कि नवाज शरीफ और उनकी बेटी मरियम नवाज दोनों चुनाव हार गए और कहा कि हम चुनाव परिणामों को चुनौती देने वाली पहली पार्टी हैं। हम चुनाव नतीजों के खिलाफ उच्चतम न्यायालय का भी दरवाजा खटखटाएंगे। क्रिकेटर से नेता बने खान ने कहा कि जब नवाज शरीफ ने अपना संवाददाता सम्मेलन स्थगित किया तो उन्हें पता था कि उनकी पार्टी चुनाव हार गई है। खान से जब से पूछा गया कि क्या उनकी पार्टी सूबे या केंद्र में सरकार बनायेगी तो उन्होंने कहा कि उनकी पार्टी पहले चुनाव नतीजों को चुनौती देगी।

अबु धाबी पहुंचे ...

से मिलने के लिए उत्सुक हूं। इस यादगार क्षण में अवश्य शामिल हों। बता दें कि 14 फरवरी को उद्घाटन से पहले बीएपीएस हिंदू मंदिर की एक झलक सोशल मीडिया पर पस्तुत की गई है। पीएम मोदी के दौरे से पहले आई रिपोर्ट के मुताबिक आयोजक खराब मौसम के कारण थोड़े परेशान हैं, लेकिन प्रधानमंत्री की अगवानी को लेकर इनके उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। आयोजकों ने बताया कि संयुक्त अरब अमीरात में खराब मौसम के बावजूद यहां रहने वाले भारतीय समुदाय के लोगों के उत्साह में कोई कमी नहीं आई है। 2,500 से अधिक लोगों ने भारी बारिश के बावजूद फुल ग्राउंड रिहर्सल की। आयोजन में सहयोग करने वाले वॉलेंटियर्स ने ब्रीफिंग में भी भाग लिया। 2,500 से अधिक लोगों ने भारी बारिश के बावजूद फुल ग्राउंड रिहर्सल की ।आयोजन में सहयोग करने वाले वॉलेंटियर्स ने ब्रीफिंग में भी भाग लिया। गौरतलब है कि संयुक्त अरब अमीरात में लगभग 3.5 मिलियन लोग प्रवासी भारतीय समुदाय के हैं। सबसे बड़ा समुदाय होने के साथ-साथ भारतीय पूरे देश की आबादी में लगभग 35 प्रतिशत हैं। पीएम मोदी के आगमन के बाद अबु धाबी के स्टेडिम में कार्यक्रम के मुख्य आकर्षण में 700 से अधिक सांस्कृतिक कलाकार परफॉर्म करेंगे। भारतीय कलाओं की विविधता का जीवंत चित्रण होगा। दोनों देशों की समावेशी संस्कृति की झलक भी देखी जा सकेगी। मंदिर अबू धाबी में *अल वाकबा* नाम की जगह पर 20,000 वर्ग मीटर की जमीन पर बना है। हाइवे से सटा अल वाकबा अबू धाबी से तकरीबन 30 मिनट की दूरी पर है। बता दें भारतीय दूतावास के आंकड़ों के मुताबिक, यूएई में तकरीबन 26 लाख भारतीय रहते हैं, जो वहां की आबादी का लगभग 30 फीसदी हिस्सा है। मंदिर में नक्काशी के माध्यम से प्रामाणिक प्राचीन कला और वास्तुकला को पुनर्जीवित किया गया है। मंदिर प्रबंधन के एक प्रवक्ता अशोक कोटेचा ने बताया कि मास्टर प्लान के डिजाइन को 2020 की शुरुआत में पूरा किया गया था। ऐतिहासिक मंदिर का काम समुदाय के समर्थन, भारत और यूएई के नेतृत्व से आगे बढ़ रहा है। बता दें यूएई सरकार ने अबू धाबी में मंदिर बनाने के लिए 20,000 वर्ग मीटर जमीन दी थी। यूएई सरकार ने साल 2015 में उस वक्त ऐलान किया था, जब प्रधानमंत्री मोदी दो दिवसीय दौरे पर वहां गए थे। संयुक्त अरब अमीरात की राजधानी अबूधाबी में पहले हिंदू मंदिर बनकर तैयार हो गया है। मंदिर निर्माण में इको-फ्रेंडली तरीके पर जोर दिया जा रहा है। बता दें कि पीएम नरेंद्र मोदी ने 2018 में दुबई के दौरे पर वहां के ओपेरा हाउस से वीडियो कॉन्फ्रेंसिंग के जरिए बोचासनवासी अक्षर पुरुषोत्तम स्वामीनारायण संस्था ने मंदिर की आधारशिला रखी थी।

वायु सेना का ...

कि प्रशिक्षण उड़ान के दौरान 13 फरवरी की दोपहर 3 बजे के आसपास एक हॉक ट्रेनर विमान पश्चिम बंगाल के कलाईकुंडा इलाके में दुर्घटनाग्रस्त हो गया। इस दुर्घटना में किसी जान-माल के नुकसान की सूचना नहीं है। दोनों पायलट समय पर विमान से कूद गए और सुरक्षित हैं। हादसे के बाद एयरक्राफ्ट मिदनापुर जिले एक गांव में गिरा, जहां इसे देखने के लिए सैकड़ों ग्रामीण इकट्ठा हो गए। पुलिस और वायु सेना के अधिकारियों ने इलाके को अपने घेरे में लेकर जांच शुरू की है। वायुसेना के पूर्वी कमांड ने कहा है कि इस दुर्घटना की जांच के लिए कोर्ट ऑफ इंक्वायरी के आदेश दिए गए हैं, जिसमें हादसे की वजह खोजी जाएगी। वायु सेना के मुताबिक यह एक ट्रेनर जेट है, जिसे 23 फरवरी, 2008 को लड़ाकू पायलटों को प्रशिक्षण देने के लिए भारत के हवाई बेड़े में शामिल किया गया था। इसे ब्रिटिश कंपनी बीएई सिस्टम्स ने निर्मित किया है और नवंबर 2007 से 2008 के बीच 24 ट्रेनर जेट भारत को सप्लाई किए गए। इसके बाद 2008 से 2011 के बीच एचएएल ने 42 और एयरक्राफ्ट देश में बनाए। इस समय वायु सेना के पास 123, नौसेना के पास 17 ट्रेनर जेट हैं। इसी तरह के 20 और एयरक्राफ्ट खरीदने की बातचीत चल रही है। इसका उपयोग भारतीय वायु सेना सहित दुनिया भर की 14 वायु सेनाएं करती हैं। भारत में इसकी फ्लीट कर्नाटक की राजधानी बेंगलुरु से करीब 700 किमी. दूर बीदर एयरफोर्स स्टेशन में तैनात है। भारतीय वायु सेना के हॉक एडवांस्ड जेट ट्रेनर का यह तीसरा हादसा है। पहली दुर्घटना 29 अप्रैल, 2008 को बीदर एयरफोर्स स्टेशन पर हुई थी। इसके बाद 3 जून, 2015 को पश्चिम बंगाल-ओडिशा की सीमा के पास बहराघोड़ा के पास दूसरा जेट ट्रेनर क्रैश हुआ था। इसकी लंबाई 40.9 फीट, विंगस्पैन 32.7 फीट और ऊंचाई 13.1 फीट है। इसका वजन 4480 किलो है और यह पूरी तैयारी के साथ 9100 किलो वजन लेकर उड़ सकता है। हॉक की अधिकतम गति 1028 किलोमीटर प्रति घंटा है और यह एक बार में 2520 किलोमीटर तक उड़कर अधिकतम 13,565 फीट की ऊंचाई तक जा सकता है। ट्रेनिंग के अलावा जरूरत पड़ने पर इसका उपयोग युद्ध में भी किया जा सकता है, क्योंकि इसमें 30 मिमी. की तोप भी लगी है।

विशेष अदालत ने चार ...

कर्मियों सहित 16 लोग मारे गए थे। एनआईए के एक प्रवक्ता ने मंगलवार को बताया कि इस मामले में जगदलपुर की अदालत ने राज्य के बस्तर और सुकमा जिलों के महादेव नाग, कवासी जोगा, दयाराम बघेल और मनीराम माड़ियि को दोषी ठहराया। एनआईए के एक अधिकारी के मुताबिक ये माओवादी वरिष्ठ सीपीआई (माओवादी) नेताओं की देखरेख और निर्देशों के तहत काम करने वाले एक *गैरकानूनी संघ* के सदस्य थे। मार्च 2014 में सुकमा जिले के तहकवाड़ा इलाके में 100 सशस्त्र माओवादियों ने एक संयुक्त सड़क उद्घाटन दल पर घात लगाकर हमला किया था, जिसमें 11 सीआरपीएफ कर्मी, चार राज्य पुलिस कर्मी और एक नागरिक की मौत हो गई थी। एनआईए के मुताबिक जांच से पता चला है कि आरोपितों ने हमले के लिए *जन मिलिशिया,* स्थानीय ग्रामीणों और *संगम* सदस्यों को भी संगठित किया था। उन्होंने प्रतिबंधित संगठन के अन्य सदस्यों के साथ मिलकर घात लगाकर किए गए हमले का नेतृत्व किया। इस दौरान आईईडी विस्फोट किया और सुरक्षा कर्मियों पर गोलीबारी की। हमलावरों ने सुरक्षाकर्मियों की हत्या कर दी और उनके हथियार लूट लिए। यह मामला तोंगपाल पुलिस स्टेशन में भारतीय दंड संहिता, शस्त्र अधिनियम, विस्फोटक पदार्थ अधिनियम और गैरकानूनी गतिविधियां (रोकथाम) अधिनियम के तहत दर्ज किया गया था। एनआईए ने 28 मार्च, 2014 को मामले को दोबारा दर्ज करने के बाद इसकी जांच अपने हाथ में ले ली थी और 18 अगस्त, 2015 को 11 आरोपितों के खिलाफ आरोपपत्र दायर किया था।

किसानों को दिल्ली...

तब्दील कर दिया है, जैसे किसी दुश्मन ने दिल्ली की सत्ता पर हमला बोल दिया हो। सुरजेवाला ने कहा कि किसान बुनियादी मुद्दों को लेकर कूच किए हैं। 18 जुलाई, 2022 को तीन काले कानून वापस लेने के बाद मोदी सरकार ने किसानों से न्यूनतम समर्थन मूल्य (एमएसपी) के लिए कानून बनाने का वादा किया था लेकिन सरकार भूल गई। उन्होंने कहा कि कांग्रेस मोदी सरकार से पूछना चाहती है कि क्या देश के अन्नदाता न्याय मांगने दिल्ली नहीं आ सकते? क्या सरकार मानती है कि किसान दिल्ली की सत्ता पर कब्जा करना चाहते हैं? देश के अन्नदाता प्रधानमंत्री और देश की सरकार से न्याय न मांगे, तो कहां जाएं? जब किसान आंदोलन पूरी तरह शांतिप्रिय है तो फिर किसान की राह में कीलें और कंटीली तारें क्यों? क्या मोदी सरकार को देश की मिट्टी का दर्द और आत्महत्या करते अन्नदाताओं की वेदना सुनाई नहीं देती?

अब ताजमहल के साथ नहीं, राम मंदिर के साथ तस्वीर लेंगे पर्यटक : भुबन पेगू

गुवाहाटी (हिंस)। भाजपा विधायक भुबन पेगू ने कहा है कि पहले देश-विदेश के जो पर्यटक दिल्ली में जाते थे, ताजमहल के साथ अपनी तस्वीरें खींचकर भारत की निशानी के रूप में ले जाते थे। यह हमारे लिए शर्म की बात थी, क्योंकि ताजमहल एक बादशाह के प्रेम की निशानी मात्र है। जबकि, अब प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने अयोध्या में भव्य राम मंदिर, विश्व स्तरीय रेलवे स्टेशन, विश्व स्तरीय हवाई अड्डा आदि का निर्माण कराकर भारत को गौरवान्वित कर दिया है। अब पर्यटक भारत की निशानी के रूप में राम मंदिर के साथ अपनी तस्वीर खिंचवाएंगे। भाजपा विधायक ने आज विधानसभा के चालू बजट सत्र के सातवें दिन विपक्षी विधायकों के आरोपों को खारिज करते हुए कहा कि आज प्रत्येक महीने की 10 तारीख को महिलाओं के खाते में

पैसे मिल जाते हैं। एक से बढ़कर एक चौड़ी सड़कें बनाई गई हैं। कंक्रीट पुल बनाए गए हैं। सड़कों की हालत अच्छी हो गई है। 498 करोड़ रुपए की लागत से कामाख्या कॉरिडोर बन रहा है। दीपर बिल में 100 करोड़ रुपए खर्च करके 30 किलोमीटर साइकलिंग ट्रैक के साथ ही अत्याधुनिक सुविधा तैयार करने पर एक सौ करोड़ रुपए खर्च किए जाने हैं। उन्होंने कहा कि 3 हजार 500 करोड़ रुपए की लागत से गुवाहाटी मेडिकल कॉलेज का निर्माण, 350 करोड़ रुपए लागत से नेहरू स्टेडियम, चंद्रपुर में एक वर्ल्ड क्लास स्टेडियम, 311 करोड़ रुपए चिड़ियाखाना पर खर्च हो रहे हैं। विश्वविद्यालय, स्कूल, कॉलेज आदि में निर्माण कार्य आदि अपने आप में विकास की बड़ी कहानी कहती है। विधायक पेगू ने विपक्षी विधायकों द्वारा की जा रही बजट की आलोचना के संदर्भ में आज कहा कि असम के बजट की तुलना अमरीका और जापान के बजट से नहीं किया जा सकती है। हमारी सरकार टैक्स के पैसे से लोगों को खाना, दवा, शिक्षा, घर, रोजगार आदि देने की चेष्टा करती है। उन्होंने कहा कि आयुष्मान भारत के जरिए सभी को स्वास्थ्य सुविधा उपलब्ध करवाने की व्यवस्था की जा रही है। उन्होंने कहा कि विपक्षी सदस्य आजादी के 75 वर्ष बाद भी देश की इस स्थिति को लेकर चाहे सरकार की जितनी ही आलोचना करें, लेकिन सच्चाई यह है कि इन 75 वर्षों में से 65 वर्ष उन्हीं लोगों ने शासन किया था। यही वजह है कि आज देश इस स्थिति में है। विधायक ने कहा कि आज लोगों को जमीन का पट्टा, मेडिकल कॉलेज या राशन कार्ड के लिए आंदोलन करने की जरूरत नहीं होती है। आज गैंडे की हत्या को रोकने के लिए आंदोलन नहीं हो रहा है। सरकार ने समाधान की यात्रा शुरू की है, जिसका लाभ सभी को मिलेगा। विधायक पेगू ने अपने संबोधन में जहां विपक्षी दलों की जमकर निंदा की, वहीं मौजूदा सरकार द्वारा किए जा रहे विकास एवं जन कल्याणकारी कार्यों की विस्तार पूर्वक चर्चा की।

सड़क हादसे में बहन की मौत, भाई घायल

नगांव (हिंस)। नगांव जिले के बटद्रवा को जोड़ने वाली सड़क पर खलीहामारी में मंगलवार को एक तेज रफ्तार डंपर ने बाइक सवार भाई व बहन को टक्कर मार दी। दुर्घटना बहन की मौत हो गई और भाई गंभीर रूप से घायल हो गया। घायल को अस्पताल में भर्ती कराया गया है। जानकारी के मुताबिक बटद्रवा के मिर्जा खान अपनी बहन उमे खान के साथ बाइक से धिंग के टुकटुकी से सामागुड़ी के शलमारी जा रहे थे। तभी रास्ते में नगांव-बटद्रवा-धिंग को जोड़ने वाली सड़क के निर्माण में शामिल एक डंपर ने उनकी बाइक को टक्कर मार दी। हादसे के बाद डंपर समेत चालक फरार हो गया। इस दुर्घटना में बहन उमे खान की मौत हो गई और भाई मिर्जा घायल हो गया। पुलिस ने घायल को अस्पताल में भर्ती कराया है। पुलिस ने केस दर्ज कर शव को पोस्टमार्टम के लिए भेज दिया है।

गोसाईगांव में यूपीपीएल ने रैली कर दिखाई ताकत

कोकराझाड़ (हिंस)। लोकसभा चुनाव की आहट होते ही परिषदीय क्षेत्र बोडोलैंड टेरिटोरियल काउंसिल (बीटीसी) की सत्तारूढ़ पार्टी यूनाइटेड पीपुल्स पार्टी लिबरल (यूपीपीएल) ने अपनी राजनीतिक गतिविधियां बढ़ा दी हैं। मंगलवार को यूपीपीएल ने गोसाईगांव सदर शहर में एक जनसभा कर अपनी शक्ति का प्रदर्शन किया। इस रैली में बड़ी संख्या में लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। बीटीसी प्रमुख और यूपीपीएल प्रमुख प्रमोद बोडो ने पार्टी में शामिल नए सदस्यों का स्वागत करते हुए कहा कि यूपीपीएल के गठन का मुख्य उद्देश्य बीटीआर क्षेत्र में शांति स्थापित करना था और पिछले तीन वर्ष में पार्टी शांति स्थापित करने में सफल रही है। उन्होंने मुख्य विपक्षी पार्टी पर राजनीतिक हमला करते हुए कहा कि बोड़ो पीपुल्स फ्रंट (बीपीएफ) 17 वर्ष तक शासन करने के बाद भी बोडोलैंड का विकास नहीं कर सकी। अब बीटीआर में एकता और शांति स्थापित हो गई है। उन्होंने बीपीएफ की आलोचना करते हुए कहा कि बीपीएफ पिछले 17 वर्षों तक बीटीसी पर शासन करने के बावजूद सभी मोर्चों पर विफल रही है। पिछले 17 साल की तुलना में तीन साल के शासन के दौरान यूपीपीएल ने शिक्षा के सभी पहलुओं में आगे बढ़ी है और लोग प्रधानमंत्री आवास योजना के तहत घर पाने में सक्षम हुए हैं। प्रमोद बोड़ो ने कहा कि बीटीसी में फिर से अशांति का माहौल नहीं बनने दिया जाएगा। उन्होंने कहा कि लोग उन लोगों का विरोध करने के लिए बाहर आएंगे, जिन्होंने उगाही के लिए धमकी दी है। उन्होंने दावा किया कि आगामी लोकसभा चुनाव में यूपीपीएल की जीत तय है।

असम ने काजी नेमू को घोषित किया अपना राज्य फल

गुवाहाटी। असम सरकार ने मंगलवार को काजी नेमू (खट्टे नींबू) को राज्य फल घोषित कर दिया। काजी नेमू अपनी अनूठी सुगंध और स्वास्थ्य लाभों के लिए जाना जाता है और इसे भौगोलिक संकेत (जीआई) टैग प्राप्त है। कृषि मंत्री अतुल बोरा ने राज्य विधानसभा में इसकी घोषणा की। उन्होंने कहा कल कैबिनेट की बैठक में काजी नेमू को असम के राज्य फल के रूप में मंजूरी दे दी गई है। यह हमारी सरकार का एक प्रशंसनीय निर्णय है। बोरा ने बताया कि इस फल को 2016 में जीआई टैग मिला था। इसे राज्य में

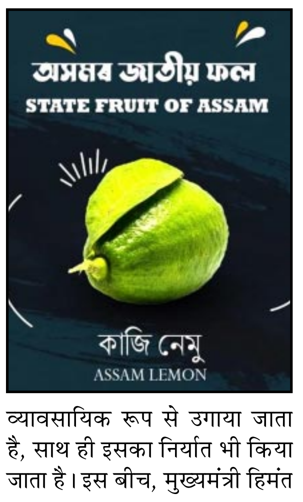

व्यावसायिक रूप से उगाया जाता है, साथ ही इसका निर्यात भी किया जाता है। इस बीच, मुख्यमंत्री हिमंत विश्व शर्मा ने कहा कि काजी नेमू को राज्य फल घोषित करने के निर्णय से इस फल पर वैश्विक स्तर पर अधिक ध्यान जाएगा। उन्होंने सोशल मीडिया मंच एक्स पर लिखा कि हमारी सरकार ने काजी नेमू (साइट्रस लिमोन) को असम का राज्य फल घोषित करने का फैसला किया है। अपनी अनूठी सुगंध और एंटीऑक्सीडेंट गुणों के साथ, असम नींबू ने हमारे स्थानीय व्यंजनों को समृद्ध किया है। मुख्यमंत्री ने कहा कि इस घोषणा के साथ, यह वैश्विक फल मानचित्र पर चमकने, आत्म-निर्भरता और उत्पादन को बढ़ावा देने के लिए तैयार है।

पिछले बजट की कई योजनाएं इस बजट में भी : भरत नरह

गुवाहाटी (हिंस)। कांग्रेस विधायक भरत नरह ने आरोप लगाया है कि वित्त मंत्री द्वारा इस वर्ष के बजट में उल्लेख की गई योजनाओं में से कई योजनाओं का जिक्र पिछले बजट में भी था। लेकिन, उन योजनाओं पर कोई कार्य नहीं हुआ। भरत नरह आज असम विधानसभा के चालू बजट सत्र के सातवें दिन बजट पर हो रही सदन में चर्चा में भाग लेते हुए उपरोक्त बातें कहीं। कांग्रेस विधायक ने आरोप लगाया कि पिछले बजट में 31 नंबर पृष्ठ पर महिला उद्यमिता योजना शुरू करने की बात कही गई थी। इसमें कहा गया था कि महिलाओं के खाते में 10 हजार रुपए उद्योग शुरू करने के लिए डायरेक्ट बैंक ट्रांसफर (डीबीटी) के जरिए दिए जाएंगे। लेकिन इस योजना पर इस वर्ष एक रूपया भी खर्च नहीं किया गया। इस

योजना का नाम बदलकर इस बार लखपति बाईदेओ के नाम से शुरू किया गया है। भरत नरह ने कहा कि इस प्रकार के और भी ऐसी कई योजनाएं हैं जिन पर बीते बजट में कोई काम नहीं हुआ और इस बार फिर से उसे बजट में लाया गया है। भरत नरह ने कहा कि जोरहाट-डिब्रूगढ़ सड़क योजना 2014-15 के दौरान घोषित की गई थी। नितिन गडकरी ने आकर इसकी घोषणा की थी लेकिन इस दिशा में अब तक कोई काम नहीं हुआ। इस बार फिर से जब नितिन गडकरी गुवाहाटी में आए तो पत्रकारों द्वारा पूछे गए सवाल का हवाला देते हुए भरत नरह ने कहा कि गडकरी ने 31 मार्च, 2025 तक यह योजना संपूर्ण होने की बात कही। कांग्रेस विधायक ने अपने भाषण में स्मार्ट सिटी के गठन होने के बावजूद गुवाहाटी की गंदगी, राष्ट्रीय शिक्षा नीति के बावजूद ग्रॉस इनरोलमेंट दर में कमी, सरकार द्वारा लिए जा रहे ऋण समेत अन्य मुद्दे उठाते हुए कहा कि सरकार के बजट से अधिक सरकार पर लोन हो चुका है। इस वर्ष बजट 1,27,283 करोड़ रुपए का है जबकि 31 मार्च तक सरकार के ऊपर कर्ज 1,62,553 करोड़ रुपए तक हो जाएगा। कांग्रेस विधायक ने कहा कि सरकार जिस प्रकार से जीडीपी को बढ़ा हुआ दिखा रही है, सही मायने में वह बढ़ा हुआ नहीं है। उन्होंने कहा कि आर्थिक बढ़ोतरी यानी जीडीपी सकल घरेलू उत्पाद के तीन फैक्टर होते हैं कृषि, सेवा तथा मैन्युफैक्चरिंग। लेकिन इन तीनों में ही बढ़ोतरी नहीं हुई ऐसे में जीडीपी किस प्रकार बढ़ गई है यह रहस्य का विषय है। उन्होंने सरकार के जीडीपी के आंकड़े को विरोधाभासी बताया। उन्होंने कहा की बजट खतरे के निशान की ओर बढ़ रहा है। अपने संबोधन में उन्होंने कहा कि ऊर्जा के क्षेत्र में सरकार कुछ नहीं कर सकी है। चाहे वह सोलर एनर्जी हो या अन्य विद्युत परियोजनाएं, सभी बहुत धीमी गति से चल रही हैं। कांग्रेस विधायक ने कहा कि इस सरकार ने विकास का काम करने का जिस प्रकार मौका पाया था इसका फायदा नहीं उठाया। उन्होंने कहा कि इस सरकार के कार्यकाल में जहां राजनीतिक स्थिरता आई है, वहीं उग्रवाद नहीं है। कहीं भी आंदोलन नहीं हो रहे हैं। अपने संबोधन में कांग्रेस विधायक ने बजट के और भी कई प्रावधानों पर सवाल खड़े किए।

असम के रंगिया में शुरू हुआ तीन दिवसीय इस्तेमा दस लाख लोगों के शामिल होने की संभावना

कामरूप (हिंस)। शंकरदेव संघ के 93वें अधिवेशन के बाद मंगलवार से रंगिया में इस्लाम धर्मावलंबियों का तीन दिवसीय धार्मिक अधिवेशन *इस्तेमा* शुरू हुआ है। असम के सात जिलों और मेघालय के शिलांग जिले के 10 लाख से अधिक इस्लाम धर्मावलंबियों के इस कार्यक्रम में भाग लेने की संभावना जताई गई है। यह धार्मिक अधिवेशन 15 फरवरी तक चलेगा। दिल्ली के निजामुद्दीन के छह और असम के कई धार्मिक गुरु इस कार्यक्रम में भाग लेने वाले मुसलमानों को मजहबी तहरीर देंगे। धार्मिक नेता धर्म-विरोधी कृत्यों, असामाजिक गतिविधियों, अनैतिक कार्यों,

शराब, ड्रग्स आदि से दूर रहने के बारे में इस्लाम धर्मावलंबियों को बताएंगे। इस्तेमा के दौरान ट्रैफिक को सुचारू रूप से जारी रखने के लिए हजारों इस्तेमा स्वयंसेवकों को जिम्मेदारी दी गई है। इस्तेमा में भाग लेने वालों के लिए आवास, भोजन की भी व्यवस्था की गई है। इस्तेमा शुरू होने से पहले श्रमदान करके करीब 500 बीघा के बड़े मैदान पर पंडाल बनाए गए हैं। इस तीन दिवसीय कार्यक्रम के लिए लोगों ने लगभग 60 हजार बांस के अलावा वाहनों में भरकर चावल की व्यवस्था की है। इस धार्मिक सभा में असम के कामरूप, कामरूप (मेट्रो), मोरीगांव, दरंग, बाक्सा और मेघालय के शिलांग जिले से लगभग 10 लाख से अधिक इस्लाम धर्मावलंबियों के भाग लेने का दावा किया जा रहा है। इस्तेमा में आखिरी दिन 15 फरवरी को कम से कम 10 लाख लोगों के शामिल होने की संभावना जताई गई है।

बेबेजिया में ड्रग्स तस्करी में तीन गिरफ्तार

नगांव (हिंस)। पुलिस ने नगांव के बेबेजिया में ड्रग्स तस्करी के गिरोह का भंडाफोड़ कर तस्करी के आरोप में तीन लोगों को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने इनके पास से बड़ी मात्रा में नशीला पदार्थ भी बरामद किया है। पुलिस ने मंगलवार को बताया है कि एक सूचना के आधार पर नगांव के बेबेजिया थाना पुलिस ने मंजीत शर्मा के मकान पर छापा मार ड्रग्स तस्करी का भंडाफोड़ किया है। ड्रग्स तस्कर इस मकान को किराये पर लेकर काला कारोबार कर रहे थे। पुलिस ने यहां से ड्रग्स तस्करी के आरोप में बिजय दास, पापू बोरा और अनिर्बान डेका को गिरफ्तार किया है।

ड्रग्स तस्करी में दंपति गिरफ्तार

गुवाहाटी (हिंस)। खानापाड़ा इलाके में असम पुलिस की स्पेशल टास्क फोर्स (एसटीएफ) ने मंगलवार को दिसपुर थाना क्षेत्र के खानापाड़ा में बड़ी मात्रा में ड्रग्स बरामद की है। एसटीएफ ने यहां से तस्करी के आरोप में दंपति को गिरफ्तार किया है। पुलिस ने बताया है कि एसटीएफ ने दिसपुर थाना क्षेत्र के खानापाड़ा में छापेमारी कर ड्रग्स की तस्करी में एक महिला और एक पुरुष को गिरफ्तार किया है। गिरफ्तार लोगों की पहचान कृष्णा नाथ (28) और उसकी पत्नी बनी नाथ (28) के रूप में हुई है। दोनों गुवाहाटी के खानापाड़ी, भगवतपुर के रहने वाले बताये गए हैं। एसटीएफ ने दोनों के पास से संदिग्ध हेरोइन भरे 25 कंटेनर (वजन 35.5 ग्राम), नौ हजार दो सौ रुपए, तीन मोबाइल फोन,

एक लाइटर, एक हेडफोन आदि बरामद किया गया है। इस संबंध में पुलिस ने एक प्राथमिकी दर्ज कर दोनों से पूछताछ कर रही है।

राज्यपाल ने शापावंग यांग मनौ पोई उत्सव की दी शुभकामनाएं

इटानगर (हिंस)। अरुणाचल प्रदेश के राज्यपाल लेफ्टिनेंट जनरल (सेवानिवृत्त) केटी परनायक ने आज सिंगफो समुदाय के वार्षिक जातीय-सांस्कृतिक त्योहार शापावंग यांग मनौ पोई के अवसर पर राज्य के लोगों को हार्दिक शुभकामनाएं दीं। उन्होंने आशा व्यक्त की कि लोक नृत्य महोत्सव राज्य के प्रत्येक समुदाय के सामाजिक-सांस्कृतिक विकास को बढ़ावा देगा। अपने संदेश में, राज्यपाल ने कहा कि शापावंग यांग मनौ पोई पारंपरिक अभिव्यक्ति में समृद्ध है और प्राचीन सिंगफो लोक कथाओं के लिए एक अवसर प्रदान करता है। उत्सव के दौरान अनुष्ठानों ने हमेशा मधुर सामाजिक संबंधों और बातचीत के निर्माण में मदद की है, जिससे लोगों के बीच सद्भाव और एकता पैदा होती है। उन्होंने कहा कि मुझे पूरा भरोसा है कि यह त्योहार इस धरती के सदियों पुराने गौरवशाली लोकाचार और यादगार अच्छे पुराने गौरव को पीढ़ी-दर-पीढ़ी सौंपने की प्रक्रिया को आगे बढ़ाने में मदद करता रहेगा। राज्यपाल ने अपने संदेश में कामना की, अनुष्ठानों और नृत्यों का यह त्योहार समाज में रिश्तों के बंधन को और मजबूत करे और हमारी सांस्कृतिक विरासत के संरक्षण को सुविधाजनक बनाए।

पूसीरे चलाएगी कामाख्या और आनंद विहार के बीच स्पेशल ट्रेन

गुवाहाटी (हिंस)। पूर्वोत्तर सीमा रेल (पूसीरे) ने यात्रियों की अतिरिक्त भीड़ को कम करने के लिए कामाख्या और आनंद विहार के बीच एक स्पेशल ट्रेन चलाने का निर्णय लिया है। स्पेशल ट्रेन संख्या 02525 (कामाख्या- आनंद विहार) और ट्रेन संख्या 02526 (आनंद विहार-कामाख्या) इस वर्ष जुलाई माह तक 24 ट्रिपों के लिए चलेगी। पूसीरे के सीपीआरओ सब्यसाची दे ने मंगलवार को बताया है कि ट्रेन संख्या 02525 (कामाख्या- आनंद विहार) 16 फरवरी से 26 जुलाई तक प्रति शुक्रवार

को कामाख्या जंक्शन से 22.45 बजे रवाना होगी और प्रति रविवार को आनंद विहार टर्मिनल 8.40 बजे पहुंचेगी। इसी तरह, ट्रेन संख्या 02526 (आनंद विहार- कामाख्या) 18 फरवरी से 28 जुलाई तक प्रति रविवार को आनंद विहार टर्मिनल से 17.20 बजे रवाना होगी और प्रति मंगलवार को कामाख्या जंक्शन 3.40 बजे पहुंचेगी। उन्होंने बताया कि दोनों ट्रेनें वाया ग्वालपारा टाउन, गौरीपुर, न्यू कोचबिहार, न्यू जलपाईगुड़ी, कटिहार, खगड़िया, बरौनी, दानापुर, पंडित दीन दयाल उपाध्याय, अलीगढ़ जंक्शन होकर और विपरित दिशा में अपने-अपने गंतव्यों को चलेंगी। यह ट्रेन एक प्रथम श्रेणी एसी कोच, दो एसी-टू टीयर, पांच एसी-थ्री टीयर, पांच एसी-थ्री टीयर इकोनॉमी, चार शयनयान श्रेणी और दो साधारण सीटिंग कोच सहित एक पेंट्री कार के साथ चलेगी।

अंतर्राष्ट्रीय सीमावर्ती इलाके से पुलिस ने 1.5 करोड़ रुपए का सोना किया जब्त, एक गिरफ्तार

धुबड़ी (हिंस)। धुबड़ी जिला के गोलकगंज में पुलिस को बड़ी सफलता मिली है। पुलिस की छापेमारी में सोने के 20 बिस्कुट बरामद किए गए हैं। पुलिस सूत्रों ने आज बताया है कि सोना भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती भोगडांगा गांव निवासी सोनाउल्लाह सिकदार नामक व्यक्ति के पास से बरामद किया गया है। सूत्रों ने बताया है कि सोनाउल्लाह ई-रिक्शा लेकर भारत-बांग्लादेश सीमावर्ती नालिया से गौरीपुर जा रहा था। पुलिस ने गोलकगंज नदी पर बने कनूरी-गोलकगंज पुल पर छापा मारा। अभियान के दौरान पुलिस ने गोलकगंज पुलिस ने सोना के बिस्किट के साथ उसे पकड़ लिया। सोने की अनुमानित बाजार कीमत 1.5 करोड़ रुपए आंकी गयी है। पुलिस गिरफ्तार व्यक्ति से गहन पूछताछ कर रही है।

रंगिया में सड़क सुरक्षा जागरूकता कार्यक्रम आयोजित

रंगिया (विभास)। राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह के अवसर पर आज रंगिया में सड़क सुरक्षा जागरूकता बैठक आयोजित की गई। वर्तमान राज्य में सड़क दुर्घटनाओं ने भयानक रूप ले लिया है। सड़क दुर्घटनाओं के परिणामस्वरूप, कई लोगों ने अपने प्रियजनों को खो दिया है और कई लोग विकलांग हो गए है। ऐसे में असम सरकार का परिवहन विभाग इस तरह की दुर्घटना से बचाव के लिए लोगों के बीच जागरूकता बढ़ाने का प्रयास कर रहा है। परिवहन विभाग द्वारा राज्य के विभिन्न हिस्सों में गत 15 जनवरी से 14 फरवरी तक *राष्ट्रीय सड़क सुरक्षा माह* नामक सतर्कता बैठक का आयोजन करता रहा है। इसी कड़ी में कामरूप जिला परिवहन विभाग ने मंगलवार को रंगिया में एक जागरूकता बैठक का आयोजन किया। बैठक में जिला परिवहन अधिकारी मनोज चौधुरी, रंगिया

महकमा की सहायक आयुक्त कृतांजलि कश्यप, लोक निर्माण विभाग के अधिकारी जयंत गोस्वामी उपस्थित थे। जिन्होंने उपस्थित लोगों को सड़क सुरक्षा के नियमों का पालन करने को लेकर जानकारी दी। विशेषतौर पर जिला परिवहन अधिकारी मनोज चौधुरी ने दोपहिया वाहन चालकों से हेलमेट पहनने, चार पहिया वाहन चालकों से सीट बेल्ट लगाने और शराब पीकर वाहन नहीं चलाने की अपील की।

ADVERTISEMENT
WALK-IN-INTERVIEW

N walk in interview for filling up the following posts under the yurisdiction of the Divisional Forest Officer, Assam State Zoo Division, Guwahat) will be held in the Office of the Divistonal Forest Oflicer, Assam State Zoo, RG Baruah Road, Guwahati-781005 on 29th February. 2024 tor hinng of Biologist on contract initially for a period of 12 (twelve) months having experience in Wildlife. pathering. up-to-date information on behavioural biology and reproductive aspects of captive animals enrichment of animal enclosures. Intending candidates having requistte qualification and experience may report to the selection committee on the aforesaid date as mentioned below along with CV, relevant original documents, two numbers of recent passport photographs and a set of self-attested copies of Nevessary certificates and other testunonials.

Reporting Time : 10.30 A.M.
Venue : Office of the Divisional Forest Officer, Assam State Zoo, RG Baruah Road, Ghy

Sl No.	Name of the Post	Upper Age Limit	No. of Post	Educational Qualification	Consolidate pay per month	Date and time of Interview
1	Biologist	38 years	1	Minimum Qualification of Master's degree in Biology, Zoology, Wildlife Management, or a related field.	Rs.45406.00 per month (lumpsum basis)	29/02/2024 from 11:00 A.M. onwards

N.B.: (I) No TA/DA is admissible for attending the interview,
(II) Age relaxation will be applicable as per Govt. norms.

Divisional Forest Officer
Assam State Zoo Division
Guwahati- 05.

- Janasanyog /D/17660/23

संपादकीया

भारत की प्राण एवं प्रेरणा हैं 'श्रीराम'

यह आनंद का विषय है कि भाजपा की ओर से संसद में 'श्रीराम मंदिर के निर्माण और श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा' विषय पर प्रस्ताव लाया गया। प्रभु श्रीराम भारत की आत्मा हैं, अस्मिता हैं। भगवान राम भारत के प्राण और प्रेरणा है। इसलिए जब भी आदर्श राज्य की कल्पना की जाती है तो रामराज्य का जिक्र आता है। हालांकि यह दुःख की बात है कि भारत की प्रतिष्ठा से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण उपमाओं/आकांक्षाओं का विपक्ष के कुछ दलों/नेताओं द्वारा उपहास बनाया जाता है। जैसे, विश्वगुरु को लेकर व्यंग्य किए जाते हैं, उसी तरह कुछ दिन से रामराज्य को लेकर छींटाकसी की जा रही है। कांग्रेस भूल गई कि वह जिन महात्मा गांधी के नाम का दोहन अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए करती है, उनकी आकांक्षा भी रामराज्य की स्थापना थी। खैर, अंधविरोध में कुछ दिखता कहां है? संसद में राममंदिर से जुड़े महत्वपूर्ण घटनाक्रम पर चर्चा ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि सही अर्थों में राम किसके लिए श्रद्धा का विषय हैं और कौन अपनी तुष्टिकरण की नीति एवं वोटबैंक के भय से राम का नाम लेने से भी बचाता है। भाजपा ने एक बार फिर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को अवसर दिया था कि वे राममंदिर को लेकर की गईं अपनी गलतियों को सुधार लें। लेकिन, साफ दिखाई पड़ता है कि विपक्ष के कई दल तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति से उसी तरह चिपक गए हैं, जैसे कोई मक्खी मीठे के लालच में गुड़ की डली से चिपक जाती है और उसमें चिपककर ही अपना जीवन समाप्त कर लेती है। श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव का निमंत्रण ठुकराने के बाद मिली फजीहत से भी कांग्रेस ने सबक नहीं लिया। कांग्रेस चाहती तो संसद में ऐतिहासिक श्रीराम मंदिर के निर्माण और श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा विषय पर चर्चा में भाग लेते हुए हर्ष व्यक्त कर सकती थी। श्रीरामलला की प्राण प्रतिष्ठा को ऐतिहासिक बता सकती थी। हिंदू समाज की वर्षों की प्रतीक्षा पूरी होने पर आनंद व्यक्त कर सकती थी। कांग्रेस के नेता चाहते तो राममंदिर पर लाए गए धन्यवाद प्रस्ताव का स्वागत कर सकते थे। लेकिन कांग्रेस और उसके नेताओं ने अपनी छवि सुधारने का यह अवसर भी गंवा दिया। कांग्रेस ने तय कर लिया है कि वह वोटबैंक रूपी गुड़ की डली में चिपके रहकर ही समाप्त हो जाना चाहेगी। दुर्भाग्यपूर्ण यह भी है कि स्वयं को सेकुलर बताने वाले घोर सांप्रदायिक नेता असुद्दीन ओवैसी ने न केवल राममंदिर निर्माण का विरोध किया अपितु बाबरी मस्जिद जिंदाबाद का नारा भी संसद में लगाया। इस तरह के मुस्लिम नेता संपूर्ण मुस्लिम समुदाय को बदनाम करते हैं। आखिर ओवैसी का बाबर से क्या रिश्ता है? क्यों भारत के मुसलमान को विदेशी आक्रांता बाबर से अपना नाता जोड़ना चाहिए? जो भी व्यक्ति बाबर जैसे आक्रांताओं को अपना नायक मानता है, भारत के प्रति उसकी निष्ठा सदैव संदिग्ध रहेगी। भारत पर आक्रमण करनेवाला भारत के नागरिकों का हीरो नहीं हो सकता। संभवतः ओवैसी ने अयोध्या धाम में पहुंच रहे मुस्लिम लोगों के श्रीराम के प्रति भाव नहीं देखे हैं। भारत का मुसलमान कैसा होना चाहिए, राम के प्रति श्रद्धा प्रकट कर रहे मुस्लिमों से सीखना चाहिए। ओवैसी जैसे नेताओं को दरकिनार करने का समय आ गया है। इस तरह के लोग कभी भी भारत में शांति और सद्भाव का निर्माण नहीं होने देंगे। हम सबको एक बात अवश्य समझ लेनी चाहिए कि भगवान श्रीराम अवश्य ही हिंदू धर्म के आराध्य हैं लेकिन वास्तविक अर्थों में श्रीराम समूची दुनिया के प्रेरणा स्रोत हैं। राम के बिना भारत की कल्पना नहीं की जा सकती। इसलिए प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने कहा कि सदन में स्वतंत्रता के बाद जो महत्वपूर्ण प्रस्ताव आए हैं उनमें एक रामजन्म भूमि से संबंधित प्रस्ताव है। उन्होंने भी संकेत रूप में कहा कि इस मुद्दे पर आज भी कई दल वोटबैंक के कारण चुप हैं या चर्चा से बचने के लिए डरकर मैदान छोड़कर भाग गए हैं। बहरहाल, भाजपा को साधुवाद कि वह श्रीरामजन्मभूमि से जुड़ा प्रस्ताव संसद में लेकर आई और उस पर सार्थक चर्चा कराई।

भगवान राम भारत के प्राण और प्रेरणा है। इसलिए जब भी आदर्श राज्य की कल्पना की जाती है तो रामराज्य का जिक्र आता है। हालांकि यह दु:ख की बात है कि भारत की प्रतिष्ठा से जुड़ी सभी महत्वपूर्ण उपमाओं/आकांक्षाओं का विपक्ष के कुछ दलों/नेताओं द्वारा उपहास बनाया जाता है। जैसे, विश्वगुरु को लेकर व्यंग्य किए जाते हैं, उसी तरह कुछ दिन से रामराज्य को लेकर छींटाकसी की जा रही है। कांग्रेस भूल गई कि वह जिन महात्मा गांधी के नाम का दोहन अपने राजनीतिक स्वार्थ के लिए करती है, उनकी आकांक्षा भी रामराज्य की स्थापना थी। खैर, अंधविरोध में कुछ दिखता कहां है? संसद में राममंदिर से जुड़े महत्वपूर्ण घटनाक्रम पर चर्चा ने एक बार फिर स्पष्ट कर दिया कि सही अर्थों में राम किसके लिए श्रद्धा का विषय हैं और कौन अपनी तुष्टिकरण की नीति एवं वोटबैंक के भय से राम का नाम लेने से भी बचाता है। भाजपा ने एक बार फिर कांग्रेस सहित अन्य विपक्षी दलों को अवसर दिया था कि वे राममंदिर को लेकर की गईं अपनी गलतियों को सुधार लें। लेकिन, साफ दिखाई पड़ता है कि विपक्ष के कई दल तुष्टिकरण और वोटबैंक की राजनीति से उसी तरह चिपक गए हैं, जैसे कोई मक्खी मीठे के लालच में गुड़ की डली से चिपक जाती है और उसमें चिपककर ही अपना जीवन समाप्त कर लेती है। श्रीरामलला के प्राण प्रतिष्ठा उत्सव का निमंत्रण ठुकराने के बाद मिली फजीहत से भी कांग्रेस ने सबक नहीं लिया।

देश को आजादी मिलने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन जाएगा

यूसीसी पर उत्तराखण्ड की बड़ी एवं सार्थक पहल

ललित गर्ग

उत्तराखंड मंत्रिमंडल ने समान आचार संहिता (यूसीसी) के ड्राफ्ट बिल को मंजूरी दे दी है, इसी चार दिनों के विशेष सत्र में इसे आसानी से पारित भी कर दिया जायेगा। इस तरह देश को आजादी मिलने के बाद यूसीसी लागू करने वाला उत्तराखंड पहला राज्य बन जाएगा। इससे पहले गोवा में यह लागू है। आजादी के अमृतकाल में समानता की स्थापना के लिये इससे अपूर्व वातावरण निर्मित होगा। यह उत्तराखण्ड ही नहीं, समूचे भारत की बड़ी जरूरत है। समानता एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक लोकतांत्रिक मूल्य है। इस मूल्य की प्रतिष्ठापना के लिये समान कानून की अपेक्षा है। यूसीसी देश की राजनीति के सबसे विवादित मुद्दों में रहा है। हालांकि संविधान में भी नीति निर्देशक तत्वों के रूप में इसका उल्लेख है। इस लिहाज से राजनीति की सभी धाराएं इस बात पर एकमत रही हैं कि देश में सभी पंथों, आस्थाओं से जुड़े लोगों पर एक ही तरह के कानून लागू होने चाहिए। राष्ट्र का कोई भी व्यक्ति, वर्ग, सम्प्रदाय, जाति जब-तक कानूनी प्रावधानों के भेदभाव को झेलेगा, तब तक राष्ट्रीय एकता, एक राष्ट्र की चेतना जागरण का स्वप्न पूरा नहीं हो सकता। उत्तराखण्ड एवं गोवा के बाद असम और गुजरात जैसे राज्य भी समान आचार संहिता को लागू करने की तैयारी में हैं। भारतीय जनता पार्टी एवं नरेन्द्र मोदी सरकार यूसीसी लागू करने की मांग जोरदार तरीके से करती आ रही है और इस मुद्दे को प्रभावी ढंग से उठाया है। भारतीय न्यायपालिका की तरफ से भी बार-बार इसे लागू करने की जरूरत बताई जा रही है। ऐसे में यह माना जा सकता है कि देश में इसे लेकर जागरूकता हाल के दिनों में बढ़ी है और इसका श्रेय भाजपा को दिया जाना चाहिए।

आजादी के अमृतकाल में समानता की स्थापना के लिये इससे अपूर्व वातावरण निर्मित होगा। यह उत्तराखण्ड ही नहीं, समूचे भारत की बड़ी जरूरत है। समानता एक सार्वभौमिक, सार्वकालिक एवं सार्वदेशिक लोकतांत्रिक मूल्य है। इस मूल्य की प्रतिष्ठापना के लिये समान कानून की अपेक्षा है। यूसीसी देश की राजनीति के सबसे विवादित मुद्दों में रहा है। हालांकि संविधान में भी नीति निर्देशक तत्वों के रूप में इसका उल्लेख है।

समान नागरिक संहिता दरअसल एक देश एक कानून की अवधारणा पर आधारित है। यूनिफॉर्म सिविल कोड के अंतर्गत देश के सभी धर्मों, पंथों और समुदायों के लोगों के लिए एक ही कानून की व्यवस्था का प्रस्ताव है। भारत के विधि आयोग ने राजनीतिक रूप से अतिसंवेदनशील इस मुद्दे पर देश के तमाम धार्मिक संगठनों से सुझाव आमंत्रित किए थे। यूसीसी में संपत्ति के अधिग्रहण और संचालन, विवाह, उत्तराधिकार, तलाक और गोद लेना आदि को लेकर सभी के लिए एकसमान कानून बनाया जाना है। पिछले कुछ समय से इस पर अच्छी खासी बहस चली है। लिहाजा एक-एक करके अलग-अलग राज्यों में इसे लागू करने और वहां के अनुभव

के आधार पर आगे बढ़ने का ख्याल गलत नहीं कहा जा सकता। उम्मीद की जानी चाहिए कि उत्तराखण्ड विधानसभा में इसे पेश किए जाने और वहां बहस शुरू होने के बाद इससे जुड़े तमाम पहलुओं पर रोशनी पड़ेगी और सभी दुविधाएं, शंकाएं एवं संदेह दूर हो जाएंगे। जो अन्य राज्यों के लिये लागू करने का आधार बनेगी। भारतीय संविधान के मुताबिक भारत एक धर्म-निरपेक्ष देश है, जिसमें सभी धर्मों व संप्रदायों (जैसे – हिंदू, मुस्लिम, सिख, बौद्ध, आदि) को मानने वालों को अपने-अपने धर्म से सम्बन्धित कानून बनाने का अधिकार है। भारत में दो प्रकार के पर्सनल लॉ हैं। पहला है हिंदू मैरिज एक्ट 1956 जो कि हिंदू, सिख, जैन व अन्य संप्रदायों पर लागू होता है। दूसरा, मुस्लिम धर्म को मानने वालों के लिए लागू होने वाला मुस्लिम पर्सनल लॉ। ऐसे में जबकि मुस्लिमों को छोड़कर अन्य सभी धर्मों व संप्रदायों के लिए भारतीय संविधान के प्रावधानों के तहत बनाया गया हिंदू मैरिज एक्ट 1956 लागू है तो मुस्लिम धर्म के लिए भी समान कानून लागू होने की बात की जा रही है, जो प्रासंगिक होने के साथ नये बन रहे भारत की अपेक्षा है। अभी मीडिया में छन-छन कर जो सूचनाएं आ रही हैं, उनके मुताबिक शादी, तलाक, अडॉप्शन से जुड़े कानूनों में एकरूपता के जो प्रावधान हैं, वे यूसीसी की मूल अवधारणा के अनुरूप ही हैं। बहरहाल, उत्तराखण्ड राज्य सरकार की यह एक बड़ी पहल है और इस पर अमल की प्रक्रिया ही नहीं, इसके नतीजों पर भी पूरे देश की नजरें रहेंगी। आज जबकि भारत विश्वगुरु बनने की ओर अग्रसर है, जी-20 देशों की अध्यक्षता प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी के नेतृत्व में भारत कर चुका है, भारत की अहिंसा एवं योग को दुनिया ने स्वीकारा है, विश्व योग दिवस एवं विश्व अहिंसा दिवस जैसे आयोजनों की संरचना हुई है। इन सब सकारात्मक स्थितियों को देखते हुए भारत की कानून विषयक विसंगतियों को दूर करना अपेक्षित है। क्योंकि विश्व के कई देशों में समान नागरिक संहिता का पालन होता है। इन देशों में पाकिस्तान, बांग्लादेश, मलेशिया, तुर्किये, इंडोनेशिया, सूडान, मिस्र, अमेरिका, आयरलैंड, आदि शामिल हैं। इन सभी देशों में सभी धर्मों के लिए एकसमान कानून है और किसी धर्म या समुदाय विशेष के लिए अलग कानून नहीं हैं। लेकिन भारत में राजनीतिक फायदे के लिए तुष्टिकरण का ऐसा खेल खेला गया, जो विविधता में एकता एवं वसुधैव कुटुम्बकम के दर्शन को तार-तार कर रहा है। निजी कानूनों के कारण कहीं-कहीं विसंगति के हालात भी पैदा हो रहे हैं। सामुदायिक घटनाओं को भी राजनीतिक दृष्टि से देखा जाता है, घटना को देखने का यह नजरिया वास्तव में वर्ग भेद को बढ़ावा देने वाला है।

देश का मुस्लिम भी समाज का एक हिस्सा है, जिसे इसी रूप में प्रस्तुत करने की परिपाटी चलन में आ जाए तो भेद करने वाले विचारों पर लगाम लगाई जा सकती है। लेकिन हमारे देश के कुछ राजनीतिक दलों ने मुसलमानों को ऐसे भ्रम में रखने के लिए प्रेरित किया कि वह भी ऐसा ही चिंतन करने लगा, जबकि सच्चाई यह है कि आज के मुसलमान बाहर से नहीं आए, वे भारत के ही हैं। परिस्थितियों के चलते उनके पूर्वज मुसलमान बन गए। वे सभी स्वभाव से आज भी भारतीय हैं और विचार से सनातनी हैं, लेकिन देश के राजनैतिक दल अपने राजनीतिक लाभ एवं वोट बैंक के चलते मुसलमानों के इस सनातनी भाव को प्रकट करने का अवसर नहीं दे रहे। मुस्लिम पर्सनल लॉ में अनेक विसंगतियां हैं, जैसे शादीशुदा मुस्लिम पुरुष अपनी पत्नी को महज तीन बार तलाक कहकर तलाक दे सकता था। इसके दुरुपयोग के चलते सरकार ने इसके खिलाफ कानून बनाकर जुलाई 2019 में इसे खत्म कर दिया है। तीन तलाक बिल पास होने के बाद प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने कहा था कि सदियों से तीन तलाक की कुप्रथा से पीड़ित मुस्लिम महिलाओं को न्याय मिला है।

वर्तमान में हम देख रहे हैं कि कुछ लोग समान नागरिक कानून का विरोध कर रहे हैं, जबकि मुस्लिम समाज की महिलाएं इस कानून के समर्थन करने के लिए आगे आ रही हैं। 1985 में शाहबानो केस के बाद यूनिफॉर्म सिविल कोड का मामला सुर्खियों में आया था। सुप्रीम कोर्ट ने तलाक के बाद शाहबानो के पूर्व पति को गुजारा भत्ता देने का आदेश दिया था।

दृष्टि कोण

आतंक की फैक्ट्री पाकिस्तान ने अपने दिखावटी लोकतंत्र को भी धमाका करके उड़ा दिया है

अजब देश पाकिस्तान में इस समय गजब हो रहा है। पहले चुनाव टाले जाते रहे और अब चुनाव परिणाम टाले जा रहे हैं। चुनाव परिणामों को अचानक से पलट दिया जा रहा है। अंतिम चुनाव परिणामों की घोषणा में हो रही देरी के लिए कभी संचार सेवाओं में खराबी का बहाना बनाया जा रहा है तो कभी किसी और तकनीकी कारण का हवाला दिया जा रहा है। खास बात यह है कि सारी कारगुजारियों पर पर्दा डालने के लिए कभी पाकिस्तान के राष्ट्रपति से बयान दिलवा कर लोगों को भरमाने का प्रयास किया जा रहा है तो कभी खुद सेनाध्यक्ष बयान जारी कर देश में चल रही चुनावी धांधली से लोगों का ध्यान बंटाने की कोशिश कर रहे हैं। लेकिन पब्लिक सब जानती है इसलिए वह सेना और नेताओं के बयानों से आश्वस्त होकर घर बैठने की बजाय सड़कों पर उतर कर हंगामा कर रही है। पाकिस्तानी मीडिया की तमाम रिपोर्टें दर्शा रही हैं कि जनादेश को पलटने और जबरन नवाज शरीफ को प्रधानमंत्री पद पर बैठाने का जो खेल चल रहा है उससे अवाम बिल्कुल खुश नहीं है। लोग कह रहे हैं कि जब सेना को ही प्रधानमंत्री का सलेक्शन करना था तो यह इलेक्शन क्यों करवाये गये? लोग सवाल कर रहे हैं कि जब जनादेश का कोई मतलब ही नहीं है तो पहले ही आर्थिक दुश्वारियां झेल रहे देश पर चुनावी खर्च के रूप में और आर्थिक बोझ क्यों बढ़ाया गया? पाकिस्तानी मीडिया की रिपोर्टें तो यहां तक कह रही हैं कि सेना में भी कुछ

लोग अब इमरान खान को ही दोबारा कमान सौंपने के पक्ष में हैं। इस तरह की भी रिपोर्टें सामने आ रही हैं कि विदेशों में भी जहां-जहां पाकिस्तानी रहते हैं वह वहां पर इमरान खान के समर्थन में रैलियां निकाल रहे हैं। पाकिस्तान में भी कोने-कोने में बच्चों से लेकर बूढ़े तक इमरान खान के पक्ष में नारेबाजी करते देखे जा सकते हैं। पाकिस्तान में इस वक्त जो सूरत ए हालात हैं वह दर्शा रहे हैं कि यदि सेना ने पब्लिक की ओर अनदेशी की तो देश को गृह युद्ध की ओर बढ़ने से रोकना मुश्किल हो जायेगा। पाकिस्तानी सेना को समझना होगा कि इस बार जनता ने किसी पार्टी के समर्थन में या किसी के विरोध में मत देने की बजाय सेना के विरोध में वोट डाला है इसलिए टीवी स्क्रीनों पर मतगणना के रुझानों और परिणामों को देख कर लोग नाराज हो रहे हैं और चुनाव अधिकारियों के खिलाफ भी जनता सड़कों पर नजर आ रही है। पाकिस्तान में सोशल मीडिया पर लोग लिख रहे हैं कि हमने सुना था कि 1970 में जनादेश का चीरहरण हुआ था लेकिन अब देख भी लिया कि कैसे जनादेश को पलटा जाता है। जनता कह रही है कि सरकार चुनने का अधिकार उसका है और उसकी पसंद का सम्मान किया जाना चाहिए, उसके फैसले को पलटा नहीं जाना चाहिए। इस बीच, पाकिस्तान में चुनाव के नाम पर हुई धोखेबाजी अंतरराष्ट्रीय मीडिया की सुर्खियों में भी आ चुकी है। वहां के हालात को देखते हुए अमेरिका, ब्रिटेन और यूरोपीय संघ समेत तमाम देशों ने मांग की है कि चुनाव में अनियमितताओं और धोखाधड़ी के मामलों की जांच की जाये। इस बीच, सभी प्रमुख पार्टियां अपनी अपनी जीत का दावा भी कर रही हैं। लेकिन एक चीज स्पष्ट हो चुकी है कि नवाज शरीफ को निर्बाध रूप से प्रधानमंत्री पद पर बैठाने की पाकिस्तानी सेना की कोशिशों को तगड़ा झटका लगा है क्योंकि पाकिस्तान में नेशनल असेंबली में किसी को स्पष्ट बहुमत नहीं मिलता दिखाई दे रहा है और देश त्रिशंकु असेंबली की ओर बढ़ रहा है। जाहिर है पाकिस्तान में अब जो भी सरकार बनेगी वह गठबंधन की बनेगी। गठबंधन के लिए नवाज शरीफ ने बिलावल भुट्टो और उनके पिता आसिफ अली जरदारी से संपर्क साधा है। दूसरी ओर इमरान खान की पार्टी पीटीआई ने खुद को सबसे ज्यादा सीटें मिलने का दावा करते हुए कहा है कि वह किसी को समर्थन नहीं देगी बल्कि जो भी सरकार बनेगी उसका नेतृत्व वही करेगी। इमरान खान की पार्टी ने अपने कार्यकर्ताओं का आह्वान भी किया है कि जहां-जहां नतीजे घोषित नहीं किये जा रहे वहां के मतगणना केंद्रों के बाहर वह प्रदर्शन करें। जनता से मिले समर्थन से गद्गद् इमरान खान ने जेल में बंद होने के बावजूद नवाज शरीफ पर निशाना साध दिया है। दरअसल पाकिस्तान के पूर्व प्रधानमंत्री इमरान खान ने एआई (कृत्रिम मेधा) की मदद से एक वीडियो संदेश भेजकर आम चुनाव में जीत का दावा किया है और अपने कट्टर प्रतिद्वंद्वी नवाज शरीफ को ''मूर्ख'' व्यक्ति करार दिया है। इमरान खान का संदेश उनकी पार्टी 'पाकिस्तान तहरीक-ए-इंसाफ' (पीटीआई) ने सोशल मीडिया मंच 'एक्स' पर साझा किया। इमरान खान ने वीडियो संदेश में अपने समर्थकों को चुनाव के नतीजों को लेकर बधाई भी दी है। दूसरी ओर, पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के प्रमुख नवाज शरीफ ने घोषणा की है कि वह गठबंधन सरकार बनाने के लिए विचार-विमर्श शुरू कर रहे हैं। पाकिस्तान मुस्लिम लीग-नवाज (पीएमएल-एन) के लाहौर स्थित केंद्रीय सचिवालय में पार्टी समर्थकों को संबोधित करते हुए नवाज शरीफ ने कहा है कि उनकी पार्टी जनादेश का सम्मान करती है। किसी भी पार्टी के साथ गठबंधन नहीं करने के अपने रुख में बदलाव करते हुए नवाज शरीफ ने अब कहा है कि पाकिस्तान को मुश्किलों से बाहर निकालने के लिए सभी राजनीतिक दलों को एक साथ बैठने और सरकार बनाने की जरूरत है। उन्होंने कहा, ''हम बार-बार चुनाव नहीं करा सकते।''

कुछ अलग

ऋष्यमूक पर्वत पर क्यों रहते थे सुग्रीव, संस्कृति के पन्ने बताएंगे कहानी

किष्किंधा का राजा बाली और सुग्रीव भाई थे। एक बार दोनों में लड़ाई हो गई। बाली ने सुग्रीव को बहुत मारा। उसके बाद से सुग्रीव ने किष्किंधा नगरी छोड़ दी और बाली के डर से अपने साथियों के साथ ऋष्यमूक पर्वत पर रहने लगा, क्योंकि बाली को मतंग मुनि ने शाप दिया था कि वह ऋष्यमूक पर्वत पर पैर रखेगा, तो उसकी मृत्यु हो जाएगी। इसलिए ऋष्यमूक पर्वत सुग्रीव के लिए सुरक्षित स्थान था। मतंग के शाप की कथा दुंदुभि दैत्य से जुड़ी है। दुंदुभि को ब्रह्मा से वरदान मिला कि वह किसी भी शस्त्र से मारा नहीं जाएगा। इस पर दुंदुभि अनाचारी और निर्भय हो गया। वह लड़ने को उतावला रहता था। एक दिन युद्ध की उत्कट इच्छा लिए वह पाताल लोक से निकलकर समुद्र तट पर आ गया और उसने सागर की लहरों को ललकारा, परंतु लहरें तट पर आती-जाती रहीं। उन्हें दुंदुभि से लड़ने में रुचि नहीं थी। इसके बाद दुंदुभि, हिमालय पर्वत पर पहुंचा। उसने अपने शक्तिशली हाथों से पर्वत के किनारे चटका दिए और हिमवान को युद्ध की चुनौती दी। हिमवान ने दुंदुभि की चुनौती अस्वीकार करते हुए कहा, 'यह क्षेत्र पावन और शांत होने के कारण युद्ध के लिए सर्वथा अनुपयुक्त है।' इस तरह हिमवान ने भी दुंदुभि को अपने पर्वतीय प्रदेश से लौट जाने को कहा। सागर और पर्वत के व्यवहार से निराश दुंदुभि घूमता-भटकता आखिर किष्किंधा नरेश बाली के द्वार पर पहुंच गया। दुंदुभि ने बाली के पराक्रम के बारे में सुन रखा था। उसे लगा कि बाली युद्ध के लिए उपयुक्त प्रतिद्वंद्वी सिद्ध होगा। दुंदुभि को अचानक अपना शरीर दुर्बल लगने लगाः कहते हैं, बाली को उसके पिता इंद्रदेव ने एक स्वर्णिम माला प्रदान की थी। उसे भी वरदान था कि उस माला को पहनकर बाली जब भी किसी से युद्ध करेगा तो उसके शत्रु का आधा बल बाली के शरीर में समा जाएगा। दुंदुभि को बाली की माला के बारे में पता नहीं था। दुंदुभि ने वृक्षों को उजाड़ा, नगर की इमारतों को ध्वस्त किया और बड़ा उत्पात मचाया। जब यह समाचार बाली को मिला तो वह समझ गया कि दुंदुभि से युद्ध होना तय था। दिव्य माला पहनकर बाली जैसे ही दुंदुभि के सामने आकर खड़ा हुआ, दुंदुभि का आधा बल माला के प्रभाव से बाली के शरीर में समा गया। दुंदुभि को अचानक अपना शरीर दुर्बल लगने लगा। वह इस परिवर्तन से चकित भी था और परेशान भी, परंतु सोचने के लिए अब समय नहीं था। वह बाली से भिड़ गया।

दुंदुभि का शव ऋष्यमूक पर्वत पर जाकर गिराः बाली और दुंदुभि में घमासान युद्ध हुआ, जो कई दिनों तक चलता रहा। दोनों ही अत्यंत बलवान और पराक्रमी थे। बाली के पास दिव्य माला थी, तो दुंदुभि के पास ब्रह्मा का वरदान था। फिर भी बाली की माला अधिक प्रभावी सिद्ध हुई और आखिरकार, बाली ने अपने अद्वितीय बल का प्रयोग करते हुए दोनों हाथों से दुंदुभि को ऊपर उठाया और उसे गोल घुमाकर जोर से धरती पर पटक दिया। दुंदुभि का विशालकाय शरीर धड़ाम से धरती पर गिरा और अगले ही क्षण उसके प्राण निकल गए। परंतु दुंदुभि को मार देने के बाद भी बाली का क्रोध शांत नहीं हुआ। उसने दैत्य का शव उठाया और उसे दूर उछाल दिया। दुंदुभि का शव ऋष्यमूक पर्वत पर जाकर गिरा। संयोग से वहीं मतंग मुनि का आश्रम था। दुंदुभि के रक्त की बूंदें मुनि के आश्रम में गिरीं, तो उनका ध्यान भंग हो गया। मतंग मुनि ने दैत्य का रक्तरंजित शव जब आश्रम के सामने पड़ा देखा, तो उन्होंने आवेश में शाप देते हुए कहा, 'जिसने भी यह घृणित कार्य किया है, उसने यदि इस पर्वत पर पैर धरा, तो उसके सिर के टुकड़े हो जाएंगे और वह तत्काल मारा जाएगा!' मतंग मुनि के दिए शाप के कारण ही बाली के लिए ऋष्यमूक पर्वत पर जाना संभव नहीं रहा।

देश दुनीया से

हिमालय में कम बर्फबारी के मायने, संकट के समाधान पर कारगर काम की जरूरत

कश्मीर के बाशिंदों के लिए जीवकोपार्जन का मूल आधार है-जाड़े का मौसम। यहां जाड़े के कुल 70 दिन गिने जाते हैं। सत्तर दिन की बर्फबारी 15 दिन में सिमटने से दिसंबर और जनवरी में हुई लगभग 80-90 फीसदी कम बर्फबारी की भरपाई तो हो नहीं सकती। उसके बाद गर्मी शुरू हो जाने से जो थोड़ी-सी बर्फ पहाड़ों पर आई है, वह जल्दी ही पिघल जाएगी। अर्थात आने वाले दिनों में एक तो ग्लेशियर पर निर्भर नदियों में बाढ़ आ सकती है और फिर अप्रैल में गर्मी आने पर वहां पानी का अकाल हो सकता है।

क्या हिमालय की गोद में बसे भारत के कई राज्य, नेपाल और पाकिस्तान के गिलगित-बाल्टिस्तान क्षेत्र में देर से हुई बर्फबारी महज एक असामान्य घटना है या फिर जलवायु परिवर्तन के प्रभावों का संकेत? यह बात गौर करने की है कि बीते कुछ वर्षों में हिमालय लगातार असामान्य और चरम मौसम की चपेट में है, और इस बार बरसात ने हिमाचल प्रदेश से लेकर उत्तराखंड तक जबर्दस्त कहर ढाया था। लेकिन इस बार लगातार 45 दिन तक पहाड़ों पर बर्फ न गिरने से हिमालयी राज्य ही नहीं, शेष भारत के लिए भी संकट खड़ा हो गया है। जान लें, देर से हुई बर्फबारी से राहत तो है, पर इससे उपजे खतरे भी हैं। कश्मीर के बाशिंदों के लिए जीवकोपार्जन का मूल आधार है-जाड़े का मौसम। यहां जाड़े के कुल 70 दिन गिने जाते हैं। सत्तर दिन की बर्फबारी 15 दिन में सिमटने से दिसंबर और जनवरी में हुई लगभग 80-90 फीसदी कम बर्फबारी की भरपाई तो हो नहीं सकती। उसके बाद गर्मी शुरू हो जाने से जो थोड़ी-सी बर्फ पहाड़ों पर आई है, वह जल्दी ही पिघल जाएगी। अर्थात आने वाले दिनों में एक तो ग्लेशियर पर निर्भर नदियों में बाढ़ आ सकती है और फिर अप्रैल में गर्मी आने पर वहां पानी का अकाल हो सकता है। देश में हिमालयी क्षेत्र का फैलाव 13 राज्यों व कई केंद्रशासित प्रदेशों में है, जो करीब 2,500 किलोमीटर में फैले हुए हैं। भारत के मुकुट कहे जाने वाले हिमाच्छादित पर्वतमाला की गोदी में कोई पांच करोड़ लोग सदियों से रह रहे हैं। जलवायु परिवर्तन की मार से सर्वाधिक प्रभावित उत्तराखंड के पहाड़ जैसे अब अपना संयम खो रहे हैं। देश को सदानीरा गंगा-यमुना जैसी नदियां देने वाले पहाड़ के करीब 12 हजार प्राकृतिक स्रोत या तो सूख चुके हैं या फिर सूखने के कगार पर हैं। इस सर्दी में हिमालय, हिंदू-कुश और काराकोरम में बर्फबारी की असामान्य अनुपस्थिति के चलते गर्म तापमान रहा है। जलवायु संकट के प्रतीक ये बदलाव पर्वतीय समुदायों और हिंदू-कुश हिमालयी क्षेत्र में जल सुरक्षा के लिए महत्वपूर्ण खतरा पैदा करते हैं। यह समझना होगा कि सर्दियों में कम बर्फबारी का कारण अल नीनो नहीं है। अल नीनो के कारण केवल गर्मी और मानसून की बारिश प्रभावित होती है। गौरतलब है कि पहाड़ों पर रहने वाले लोग आजीविका के लिए प्राकृतिक संसाधनों पर ही निर्भर हैं। वे अपना निर्वाह खेती और पशुधन पालन से करते हैं। लगभग बर्फ रहित या देर से सर्दी का प्रभाव उन लोगों के लिए विनाशकारी हो सकता है। पूरे हिमालयी क्षेत्र में कम बर्फबारी और अनियमित बारिश से पानी और कृषि वानिकी सहित प्रतिकूल पारिस्थितिक प्रभाव पड़ने की आशंका है। अगर तापमान जल्द ही बढ़ जाता है, तो देर से होने वाली बर्फबारी और भी अधिक त्रासद होगी। गर्मी से यदि ग्लेशियर अधिक पिघले, तो आने वाले दिनों में पहाड़ी राज्यों में स्थापित सैंकड़ों मेगा वाट की जल विद्युत परियोजनाओं पर भी संकट आ सकता है। लंबे समय तक सूखे के कारण झेलम और अन्य नदियों का

जल स्तर अभी से नकारात्मक सीमा में है। देश की संपन्न अर्थव्यवस्था का आधार खेती है, जो बगैर सिंचाई के हो नहीं सकती। इसके लिए अनिवार्य है कि नदियों में जल-धारा अविरल रहे, लेकिन नदियों में जल लाने की जिम्मेदारी तो उन बर्फ के पहाड़ों की है, जो गर्मी होने पर धीरे-धीरे पिघलकर देश को पानीदार बनाते हैं। साफ है कि आने वाले दिनों में न केवल कश्मीर या हिमाचल, बल्कि पूरे देश में जल संकट खड़ा होगा। ऐसे में, सवाल यह उठता है कि इस अनियमित मौसम से कैसे बचा जाए? ग्लोबल वार्मिंग या अल नीनो को दोष देने से पहले हमें ऐसे स्थानीय कारकों पर विचार करना होगा, जिससे प्रकृति कूपित है। जून, 2022 में गोविंद बल्लभ पंत राष्ट्रीय हिमालयी पर्यावरण संस्थान द्वारा जारी रिपोर्ट 'एनवायरनमेंटल असेसमेंट ऑफ टूरिज्म इन द इंडियन हिमालयन रीजन' में कड़े शब्दों में कहा गया था कि हिमालयी क्षेत्र में बढ़ते पर्यटन के चलते हिल स्टेशनों पर दबाव बढ़ रहा है। साथ ही पर्यटन के लिए जिस तरह से इस क्षेत्र में भूमि उपयोग में बदलाव आ रहा है, वह अपने-आप में एक बड़ी समस्या है। जंगलों का बढ़ता विनाश भी इस क्षेत्र के इकोसिस्टम पर व्यापक असर डाल रहा है। इस रिपोर्ट में हिमाचल प्रदेश में पर्यटकों के वाहनों और इसके लिए बन रही सड़कों के कारण वन्यजीवों के आवास नष्ट होने और जैव विविधता पर विपरीत असर पड़ने की बात भी कही गई थी।

आप का नजरीया

नए साल वाले संकल्पों से राहत देती है 'छोटी सी' फरवरी

कुछ लोगों के लिए फरवरी नीरस हो सकता है, लेकिन इस महीने के साथ दो बातें तो तय हैं। एक तो यह छोटा होता है, और दूसरा यह जनवरी नहीं है। जनवरी हर साल की शुरुआत में जिन दबावों को लेकर आती है, फरवरी उनसे राहत देती है। दरअसल, नए साल की शुरुआत के अति-उत्साह में हम जिन ऊट-पटांग संकल्पों को ले चुके होते हैं और जनवरी के अंत तक जिन्हें त्यागने के बारे में सोच रहे होते हैं, फरवरी का आगमन मौन रूप से उनकी पुष्टि कर देता है। अगर आप अपने संकल्पों में प्रगति नहीं कर पा रहे हैं, तो आपको खुद के प्रति कठोर नहीं होना चाहिए। न्यूयॉर्क में लैंगोन हेल्थ संस्थान में एसोसिएट प्रोफेसर थिआ गालेघर कहती हैं, 'जिंदगी व्यवहारिक एवं नियंत्रित ढंग से चीजों को जोड़ते रहने का नाम है।' फरवरी आपको व्यावहारिकता की जमीन पर उतारती है और लक्ष्यों की ओर बढ़ने का सही तरीका बताती है। हार्वर्ड यूनिवर्सिटी में महामारी विज्ञान और जैव सांख्यिकी के प्रोफेसर टायलर जे वेंडरवेले के अनुसार, सबसे पहले तो आप यह सोचें कि क्या आपने सही संकल्प लिया

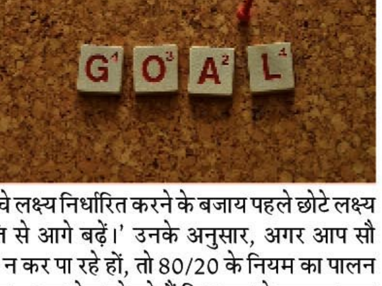

है? वह कहते हैं, 'ऊंचे लक्ष्य निर्धारित करने के बजाय पहले छोटे लक्ष्य बनाएं और धीमी गति से आगे बढ़ें।' उनके अनुसार, अगर आप सौ फीसदी लक्ष्य हासिल न कर पा रहे हों, तो 80/20 के नियम का पालन करें। उदाहरण के लिए, आप रोज सोचते हैं कि आज से कसरत शुरू करूंगा, लेकिन समय नहीं निकाल पाते, तो दबाव महसूस करने के बजाय सप्ताहांत की सुबह कसरत करने का नियम बनाएं। कहने का आशय है कि खुद को कड़े नियमों से न बांधें। केंट स्टेट यूनिवर्सिटी में मनोविज्ञान की प्रोफेसर एंजेला नील-बार्नेट सुझाव देती हैं कि योग, कसरत या भ्रमण संबंधी संकल्पों को पूरा करने के लिए बेहतर होगा, अगर आप कोई ऐसा मित्र या परिवार का सदस्य ढूंढें, जिसके साथ मिलकर आप ये गतिविधियां कर सकें और जो आपको लगातार प्रेरित भी कर सके। डॉ. वैंडरवेले कहते हैं कि अपने प्रियजन का साथ आपको अपने लक्ष्यों पर नियमित नजर रखने में मददगार होता है। चाहे बुधवार रात की एक कॉल हो या फिर रविवार सुबह की कॉफी, आपको अपने लक्ष्यों की ओर बढ़ने के लिए प्रोत्साहित कर सकती है। डॉ. नील बार्नेट कहते हैं कि संकल्प को पूरा करने में सबसे महत्वपूर्ण यह है कि खुद को कोसने के बजाय छोटी-छोटी जीतों का आनंद लें। जो काम आज पूरे नहीं हुए, वे कल होंगे। हर सुबह एक नई उम्मीद लेकर आती है।

बिहार असिस्टेंट प्रोफेसर के अभ्यर्थियों ने बिहार सरकार को भेजा निवेदन पत्र

पटना (हिंस)। बिहार असिस्टेंट प्रोफेसर के अभ्यर्थियों ने नियुक्ति में हो रही देरी को लेकर पुनर्गठित नई सरकार से अपील की है। अभ्यर्थियों ने नियुक्ति प्रक्रिया में आ रही बाधाओं को जल्द से जल्द दूर करने के लिए पत्र एवं मेल का सहारा लिया है। इसके लिए हजारों अभ्यर्थियों की ओर से 12 से 14 फरवरी के बीच त्रिदिवसीय अभियान के तहत अपना पत्र राज्यपाल, मुख्यमंत्री एवं शिक्षा मंत्री को भेजा जा रहा है। इसके अलावा अभ्यर्थियों ने मेल के माध्यम से भी अपनी बातों को सरकार तक पहुंचाने की कोशिश की है। बिहार असिस्टेंट अभ्यर्थी संघ के अमित कुमार ने कहा कि बिहार के विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में 2020 से नियुक्ति प्रक्रिया चल रही है, जो अभी तक पूरी नहीं हुई है। मामला कोर्ट में फंसा हुआ है, जिसके कारण अभ्यर्थियों ने निराश होकर एक बार फिर से अपनी गुहार पुनर्गठित नई सरकार से पत्र भेजकर लगाई है। अमित कुमार ने कहा कि नियुक्ति में हो रही देरी से कहीं ना कहीं सरकार भी जवाबदेह है। इसलिए पत्र एवं ईमेल के माध्यम से अभ्यर्थियों की अपील है कि सरकार उच्च न्यायालय पटना में अपने सभी दलीलों को स्पष्ट रूप से रखकर न्यायिक प्रक्रिया से जल्दी निजात दिलाए, ताकि नियुक्ति प्रक्रिया यथाशीघ्र पुन: संचालित हो सके। इस अभियान को राज्य के विभिन्न विश्वविद्यालयों एवं कॉलेजों में कार्यरत अतिथि शिक्षकों ने भी समर्थन दिया है, जिसमें समस्तीपुर के डॉ. रितु किशोर, पटना की डॉ. प्रियंवदा, सारण क डॉ. श्वेता कुमारी सहित अन्य कई अतिथि शिक्षक शामिल हैं।

राज्यसभा चुनाव : सपा से जया बच्चन, रामजी लाल सुमन और आलोक रंजन ने भरा पर्चा

लखनऊ (हिंस)। राज्यसभा चुनाव के लिए उत्तर प्रदेश से जया बच्चन, रामजी लाल सुमन और पूर्व आईएएस आलोक रंजन ने समाजवादी पार्टी के उम्मीदवार के तौर पर मंगलवार को नामांकन दाखिल किया। तीनों उम्मीदवारों ने अपना नामांकन विधानसभा परिसर स्थित कार्यालय में निर्वाचन अधिकारी ब्रजभूषण दुबे के समक्ष दाखिल किया। इस मौके पर पार्टी के राष्ट्रीय अध्यक्ष अखिलेश यादव, महासचिव शिवपाल यादव, सांसद डिंपल यादव, प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी समेत कई प्रमुख नेता मौजूद रहे। पार्टी प्रवक्ता राजेंद्र चौधरी के मुताबिक जया बच्चन, रामजीलाल सुमन और पूर्व आईएएस आलोक रंजन ने राज्यसभा उम्मीदवार के रूप में अपना नामांकन दाखिल किया। रामजी लाल सुमन पूर्व सांसद हैं और सपा संस्थापक मुलायम सिंह यादव के बेहद करीबी सहयोगियों में रहे हैं। उन्होंने कहा कि सपा के पास इतना संख्या बल है कि वह अपने तीनों उम्मीदवारों को जिता सकती है। जया बच्चन अभिनेता अमिताभ बच्चन की पत्नी हैं और पार्टी वर्ष 2004 से ही उन्हें राज्यसभा भेजती रही है। पूर्व आईएएस आलोक रंजन सपा के पिछले कार्यकाल में प्रदेश के मुख्य सचिव थे और अधिकारी वर्ग में उनकी खासी पकड़ मानी जाती है। उल्लेखनीय है कि राज्यसभा की उत्तर प्रदेश से 10 सीटें खाली हुई हैं। विधानसभा में विधायकों की संख्या के आधार पर सात सीटों पर भाजपा की जीत पक्की है, जबकि तीन सीटें सपा के खाते में जाएंगी। विधानसभा में सपा के 108 विधायक हैं और विपक्षी गठबंधन आईएनडीआईए में उसकी सहयोगी कांग्रेस के पास दो विधायक हैं। राज्यसभा में एक उम्मीदवार की जीत के लिए 37 प्रथम वरीयता के मतों की जरूरत होगी। राज्यसभा चुनाव के लिए नामांकन दाखिल करने की आखिरी तारीख 15 फरवरी है। आवश्यक होने पर मतदान 27 फरवरी को होगा और नतीजे भी उसी दिन घोषित किए जाएंगे।

हत्याकांड में सीपीआई माले के विधायक को आजीवन कारावास की सजा और जुर्माना

पटना (हिंस)। आरा के बहुचर्चित जेपी सिंह हत्याकांड मामले में सीपीआई माले के विधायक मनोज मंजिल को आजीवन कारावास की सजा हुई है। आरा कोर्ट के अपर जिला एवं सत्र न्यायाधीश सह एमपी-एमएलए विशेष कोर्ट के न्यायाधीश सत्येन्द्र सिंह ने मंगलवार को मनोज मंजिल समेत 23 आरोपितों को दोषी मानते हुए आजीवन कारावास की सजा सुनाई है। मनोज मंजिल को सजा के अलावा 10 हजार का जुर्माना भी देना होगा। जेपी सिंह की हत्या नौ साल पूर्व हुई थी। हत्या के बाद दर्ज मुकदमे पर आज सजा सुनाई गई है। भोजपुर जिला के अगिआंव (सुरक्षित) सीट से माले के विधायक मनोज मंजिल को उम्रकैद की सजा मिलने के बाद पुलिस हिरासत में ले लिया गया है। मनोज मंजिल माले के टिकट से पहली बार भोजपुर जिला के अगिआंव सीट से विधायक बने हैं लेकिन आजीवन कारावास की सजा सुनाए जाने पर उनकी विधायकी जाना तय माना जा रहा है। उल्लेखनीय है कि 2015 में अजीमाबाद थाना के बड़गांव में भाकपा माले की एक सभा चल रही थी। सभा के बीच में ही सूचना मिली कि माले कार्यकर्ता सतीश यादव की हत्या हुई है। इसके प्रतिशोध में किसान जयप्रकाश सिंह की हत्या कर दी गई। इस मामले में 2022 में मनोज मंजिल को कोर्ट से जमानत मिल गई थी। सात फरवरी को कोर्ट में मनोज मंजिल को उपस्थित होना था लेकिन वह किसी कारण से कोर्ट नहीं आ पाये। इसके बाद 13 फरवरी को तिथि तय कर उन्हें आज सजा सुनाई गई।

बलिदान की कोई कीमत नहीं, सैनिक कल्याण के लिए राज्य सरकार प्रतिबद्ध : मुख्यमंत्री

जयपुर (हिंस)। मुख्यमंत्री भजनलाल शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार किसान, युवा एवं सैनिक कल्याण के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। हमारी सरकार ने अपने पहले बजट में किसानों को देय सम्मान निधि की राशि 2 हजार रुपए बढ़ा कर 8 हजार करने एवं गेहूं के न्यूनतम समर्थन मूल्य पर प्रति क्विंटल 125 रुपए का अतिरिक्त बोनस देने जैसे महत्वपूर्ण निर्णय किए हैं। मुख्यमंत्री शर्मा मंगलवार को शाहपुरा के गोविंदपुरा (बासड़ी) में शहीद रोहिताश लांबा की मूर्ति अनावरण के अवसर पर आयोजित जनसभा को संबोधित कर रहे थे। शहीद लांबा को नमन करते हुए मुख्यमंत्री ने कहा कि पुलवामा आतंकी हमले में अपने प्राण न्यौछावर करने वाले इस बेटे को देश हमेशा याद रखेगा। मातृभूमि की रक्षा के लिए उनके बलिदान की कीमत नहीं आंकी जा सकती। वे देश व प्रदेश के युवाओं के लिए प्रेरणा के स्त्रोत है। इस अवसर पर उन्होंने गोविंदपुरा (बासड़ी) में शहीद रोहिताश लांबा के नाम पर प्राथमिक स्वास्थ्य केंद्र खोलने एवं 500 मीटर सड़क के निर्माण की घोषणा भी की। मुख्यमंत्री ने शहीद रोहिताश लांबा की मूर्ति का अनावरण एवं पट्टी का लोकार्पण भी किया। शर्मा ने कहा कि राज्य सरकार अंत्योदय के विचार को केंद्र में रखकर कल्याणकारी योजनाओं के माध्यम से आमजन को भरपूर राहत प्रदान कर रही है। हमारी सरकार प्रदेश की महिलाओं को 450 रुपए में सिलेंडर उपलब्ध करवाकर आर्थिक राहत पहुंचा रही है। साथ ही, आंगनबाड़ी कार्यकर्ताओं के मानदेय में 10 प्रतिशत की वृद्धि भी की गई है। उन्होंने कहा कि प्रदेश को गैंगवार से मुक्त करने की दिशा में राज्य सरकार सख्त कदम उठा रही है। इस संबंध में एंटी गैंगस्टर टास्कफोर्स गठित की गई है एवं जेलों का सघन निरीक्षण भी किया जा रहा है। मुख्यमंत्री ने कहा कि प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में नए भारत का उदय हुआ है। भारत सरकार जीरो टॉलरेंस की नीति अपनाते हुए आतंकवाद पर कड़े प्रहार कर रही है। 26 जनवरी, 2019 को बालाकोट एयर स्ट्राइक कर भारतीय सेना ने पाकिस्तान को मुंह तोड़ जवाब दिया था। उन्होंने कहा कि स्वामी विवेकानंद ने 1893 में भारत को विश्वगुरू बनाने का आह्वान किया था। प्रधानमंत्री श्री मोदी के मार्गदर्शन में आज देश इस पथ पर तेजी से अग्रसर है और शीघ्र ही

पंजाब के किसानों ने सिरसा के गांव पंजुआना में डाला डेरा

सिरसा (हिंस)। डबवाली के रास्ते सिरसा होकर दिल्ली जाने वाले किसानों को पुलिस ने गांव पंजुआना के पास ही रोक दिया है। सिरसा जिले के गांवों से आए किसान गांव पंजुआना में डटे हुए हैं और अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली के साथ दिल्ली जाने पर अड़े हुए हैं। मंगलवार सुबह से ही सिरसा जिले के विभिन्न गांवों के किसान अपने-अपने ट्रैक्टर-ट्रॉली लेकर डबवाली के रास्ते सिरसा में प्रवेश करने के लिए हाइवे पर आ गए थे। जैसे ही किसान हाइवे पर आगे बढ़ने लगे तो पहले से ही तैनात पुलिस कर्मियों ने बैरिकेडिंग लगाकर उन्हें रोक दिया। किसानों का नेतृत्व कर रहे बीकेयू के अध्यक्ष लखविंद्र सिंह लक्खा ने किसानों के साथ आगे बढ़ने का प्रयास किया, मगर पुलिस कर्मियों की संख्या अधिक होने की वजह से वह आगे नहीं बढ़ पाए। उसके बाद किसानों ने पंजुआना में ही अपने वाहन रोक दिए और वहां डट गए। किसानों ने मौके पर ही चाय का लंगर शुरू कर दिया। प्रधान लक्खा ने कहा कि सरकार किसानों के साथ ज्यादती कर रही है। किसान शांतिपूर्वक अपनी मांग रख रहे हैं, लेकिन सरकार रास्ता बंद करके किसानों को उकसा रही है। अभी किसान कोई बैरिकेडिंग नहीं तोड़ रहे हैं। किसान आराम से बैठे हुए हैं। आज शाम को मीटिंग होगी, उसके बाद ही कोई निर्णय लिया जाएगा। पंजुआना से आगे गांव खैरेकां के पास तथा घग्गर पुल पर पुलिस की ओर से सीमेंट के ब्लॉक्स लगाए गए हैं। कंटीली तारें बिछाई गई हैं। सड़क के बीच खाई कर दी गई है ताकि किसान अपने वाहन लेकर आगे न बढ़ पाए। समाचार लिखे जाने तक सिरसा जिला में शांति का यमथी और किसान पंजुआना में रूककर आगे के आदेश का इंतजार कर रहे थे। योजना के तहत पुलिस कर रही है काम- किसानों के दिल्ली कूच को रोकने के लिए पुलिस प्रशासन योजना के तहत काम कर रहा है। योजना के तहत जिन-जिन गांवों से किसानों को दिल्ली जाना था, उन्हें उनके गांवों में ही रोक दिया गया है। गांवों के लिंक रास्तों को भी बंद किया गया है। हाइवे पर गांव खैरेकां के पास रास्ता बंद किया गया है। सीमेंट के ब्लॉक्स लगाने के साथ ही पुराने व जर्जर वाहनों को खड़ा कर दिया है। इतना ही नहीं, प्लानिंग के तहत पुलिस ने उन वाहनों को भी पुल के पास खड़ा करवा दिया, जो जाम में फंसे हुए हैं। बताया गया है कि खैरेकां के पास पुलिस ने रास्ता बंद कर रखा है। इस तरह डबवाली से सिरसा की ओर आने वाले वाहन हाइवे पर खड़े हैं। इनमें तेल के टैंकर व माल से भरे हुए ट्रक शामिल हैं। बीती रात पुलिस की ओर से वाहन चालकों से कहा गया कि कुछ देर के लिए रास्ता खोला जा रहा है। इसलिए आप अपने-अपने वाहनों को निकालकर ले जाओ। यह सुनकर वाहन चालकों ने अपने वाहनों को वहां से रवाना कर दिया और जैसे ही खैरेकां पुल के पास पहुंचे, उन्हें रोक दिया। यानि, रास्ता खोला ही नहीं था, सिर्फ वाहनों को पुल के पास खड़ा करवाना था ताकि किसानों के वाहन पुलतक न पहुंच पाए।

किसान आंदोलन के कारण श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और अनूपगढ़ जिलों में इंटरनेट बंद

जयपुर (हिंस)। किसान आंदोलन के कारण राजस्थान के तीन जिलों श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और अनूपगढ़ में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। हरियाणा-पंजाब बॉर्डर से लगते जिलों में मंगलवार को भारी पुलिस बल तैनात है। वहीं, किसान नेताओं पर नजर रखी जा रही है। किसानों को दिल्ली जाने से रोकने के लिए नेशनल हाईवे सहित छोटे रास्तों पर भी निगरानी रखी जा रही है। श्रीगंगानगर में किसान आर्मी के जिला सचिव गुरलाल सिंह ने कहा है कि हमारा प्रयास होगा कि हम छोटे रास्तों से हरियाणा के डबवाली पहुंचे। वहां गुरुद्वारे में मीटिंग के बाद आगे बढ़ने का कार्यक्रम तय होगा। श्रीगंगानगर के किसान नेताओं का कहना है कि डबवाली (हरियाणा) में हरियाणा और पंजाब के किसान भी जुटेंगे। वहां सभी प्रकार की व्यवस्थाएं की गई हैं। वहां से किसान दिल्ली पहुंचने की रणनीति बनाएंगे। पंजाब में किसानों के साथ वार्ता विफल होने के बाद राजस्थान में भी किसान आंदोलन को लेकर हलचल बढ़ गई है। रात 12 बजे तक के लिए श्रीगंगानगर, हनुमानगढ़ और अनूपगढ़ में इंटरनेट बंद कर दिया गया है। हनुमानगढ़ जिले के भिरानी, भादरा, नोहर, टिब्बी, तलवाड़ा, संगरिया जैसे पंजाब-हरियाणा से लगते इलाकों में पुलिस चौकसी कर रही है। टिब्बी में कल ट्रैक्टर रैली की इजाजत मांगी गई थी, लेकिन नहीं दी गई। जिले भर में धारा 144 लागू है। वहीं, दिल्ली जयपुर नेशनल हाईवे पर शाहजहांपुर-हरियाणा बॉर्डर पर पुलिस का भारी जाप्ता तैनात है। किसानों के आवागमन पर निगरानी रखी जा रही है। किसानों को रोकने के लिए इंतजाम किए गए हैं। अलवर के भिवाड़ी में मंगलवार को हालात सामान्य हैं।

यहां इंटरनेट बंदी नहीं की गई है। हरियाणा जाने वाले रास्ते खुले हैं। डीएसपी मुकेश चौधरी ने बताया कि हमारे पास किसानों के मूवमेंट की जानकारी नहीं है। लेकिन, हमने इंतजाम पूरे किए हुए हैं। रिजर्व में पुलिस फोर्स है। रास्ते फिलहाल बंद नहीं किए गए हैं। अब तक नेटबंदी के आदेश जारी नहीं किए गए हैं। दिल्ली-जयपुर नेशनल हाईवे संख्या 48 पर शाहजहांपुर हरियाणा बॉर्डर पर किसान आंदोलन को लेकर सुरक्षा के पुख्ता इंतजाम नहीं हैं। यहां वाहनों की चैकिंग भी नहीं की जा रही। ये वही राजस्थान का सिंहद्वार शाहजहांपुर बॉर्डर है। जहां वर्ष 2021 में सबसे लंबा आंदोलन चला था और नेशनल हाईवे संख्या 48 दोनों तरफ से जम रहा था। यहां 2 साल के पहले आंदोलन के निशान आज भी बरकरार है बने हुए हैं। यहां किसान आंदोलन में शहीद हुए किसानों की यादगार में समाधि बनाई गई थी। यहां आज भी हाईवे के डिवाइडर पर बीचों-बीच मटकी रखे हुए हैं और तिरंगा लहरा रहा है। हनुमानगढ़ जिले के पास अंतर्राज्यीय बॉर्डर इलाकों पर नाकाबंदी ब ?ाई गई है। संगरिया, फेफाना, भादरा, भिरानी, नोहर, टिब्बी सीमा से लगे पंजाब और हरियाणा के बॉर्डर पर नाकाबंदी की गई है और छह जगह वाहनों की आवाजाही बिल्कुल बंद कर दी है। जिले में धारा 144 रविवार को ही लागू कर दी गई थी। वहीं, मंगलवार से जिले में इंटरनेट बंद कर दिया गया है।

केंद्र से वार्ता विफल, शंभू, खनौरी, डबवाली बार्डर पर हजारों किसान दिल्ली कूच को तैयार

चंडीगढ़ (हिंस)। पंजाब के 27 किसान संगठनों ने आज (मंगलवार) दिल्ली कूच का ऐलान किया है। हजारों किसान अंबाला के निकट शंभू बार्डर तथा कैथल के निकट खनौरी बार्डर पर मौजूद हैं। हरियाणा पुलिस का प्रयास है कि इनको दिल्ली जाने से रोका जाए। इस बीच केंद्र सरकार के तीन मंत्रियों के साथ किसान संगठनों व पंजाब सरकार की बैठक सोमवार रात 12 बजे चंडीगढ़ में समाप्त हुई। इस बैठक में कोई परिणाम नहीं निकल सका। इसके बाद रात करीब दो बजे किसान नेताओं ने बार्डर पर जुटे साथियों को लामबंद होने का ऐलान कर दिया। चंडीगढ़ में छह घंटे तक चली बैठक में शामिल हुए किसान नेता अल सुबह हरियाणा बार्डर पर पहुंच गए। किसानों ने केंद्रीय मंत्री पीयूष गोयल व अर्जुन मुंडा के साथ बातचीत की। रात करीब 12 बजे किसान नेता सरवण सिंह पंधेर बैठक बीच में छोड़कर बाहर आ गए। उन्होंने सुबह पंजाब-हरियाणा के किसानों को शंभू, खनौरी और डबवाली बार्डर पर एकत्र होने के निर्देश दिए। उन्होंने कहा कि हर मुद्दे पर चर्चा हुई। सरकार किसानों की मांगों पर गंभीर नहीं है। किसान टकराव नहीं चाहते लेकिन सरकार के मन में खोट है। किसान नेता जगजीत डल्लेवाल ने कहा कि केंद्र सरकार सरकार पुरानी बातों पर ही कायम है। दिल्ली जाना अब किसानों की मजबूरी बन गया है। बैठक के बाद केंद्रीय मंत्री अर्जुन मुंडा ने कहा कि सरकार बातचीत के माध्यम से सभी मसलों का हल करना चाहती है। किसान संगठनों के साथ बैठक में ज्यादातर विषयों पर सहमति तक बात पहुंची। कई बिंदु ऐसे हैं जिनके स्थाई समाधान के लिए कमेटी बनाकर काम किया जाना जरूरी है। किसान कुछ मामलों के त्वरित हल चाहते हैं।

मिस्टर एक्स ने झारखंड को *ए टू जेड* तक लूट लिया : प्रतुल शाहदेव

रांची (हिंस)। भाजपा ने बडगाई के विवादास्पद 8.46 एकड़ जमीन पर भव्य बैंक्वेट हॉल बनाने की खबरों के बीच में हेमंत सोरेन पर तंज कसा। भाजपा प्रदेश प्रवक्ता प्रतुल शाह देव ने मंगलवार को कहा कि आर्किटेक्ट विनोद सिंह और पूर्व मुख्यमंत्री हेमंत सोरेन के बीच व्हाट्सएप चैट की जो खबरें आ रही हैं, उसमें बताया जा रहा है कि बडगाई की विवादास्पद 8.46 एकड़ जमीन पर भव्य एवं आलीशान बैंक्वेट हॉल बनाने की तैयारी थी। प्रतुल ने कहा कि मीडिया की खबरों के अनुसार चैट में आर्किटेक्ट विनोद ने पूर्व मुख्यमंत्री के लिए हॉल का जो नक्शा बनाया है उसमें उनको *मिस्टर एक्स* कहकर संबोधन किया है। प्रतुल ने कहा कि इसी *मिस्टर एक्स* ने झारखंड का *ए टू जेड* यानी सब कुछ लूट लिया। चार वर्षों के कार्यकाल में इस सरकार के ऊपर 70, 000 करोड़ रुपये के भ्रष्टाचार, लूट, खसोट का आरोप लगा।

किसान आंदोलन के विरोध में बहादुरगढ़ के उद्योगपतियों ने दिया धरना

झज्जर (हिंस)। दोबारा शुरू हो रहे किसान आंदोलन के विरोध में बहादुरगढ़ के उद्यमियों ने मंगलवार को श्रमिकों के साथ मिलकर धरना शुरू कर दिया। उद्यमी बहादुरगढ़ के सेक्टर-9 मोड़ के पास सड़क पर बैठ गए। उद्यमियों का कहना है कि बहादुरगढ़ की सड़कें बंद होने से उन्हें करोड़ों रुपये का नुकसान होता है। उद्योगों पर बैंक और कर्मचारियों की लायबलिटी है। जिसे उद्योगपतियों को पूरा करना होता है। कानफेडरेशन ऑफ बहादुरगढ़ इंडस्ट्रीज (कोबी) के प्रधान व उद्यमी प्रवीन गर्ग की अगुवाई में काफी उद्यमी श्रमिकों के साथ सड़क पर बैठ गए। प्रवीन गर्ग ने किसानों से बहादुरगढ़ में किसान आंदोलन नहीं करने की भी अपील की है।

इतना ही नहीं संगठन की ओर से मेट्रो रेलवे लाइन के पिलरों पर किसानों से अपील के फ्लैक्स भी लगाए गए हैं। जिसमें साफ तौर पर किसानों से बहादुरगढ़ में आंदोलन न करने की अपील की गई है, ताकि उद्योगों को किसी तरीके का नुकसान न हो। गर्ग ने कहा कि झज्जर जिले में सालाना करीब 50 हजार करोड़ रुपए का कारोबार होता है। पिछली बार किसान आंदोलन के दौरान उद्योगों को 20 हजार करोड़ रुपये से ज्यादा का नुकसान उठाना पड़ा था। उद्यमी एक बार फिर से किसान आंदोलन पार्ट-2 होने से भयभीत हैं और इसीलिए धरना प्रदर्शन कर रहे हैं। अपनी रोजी रोटी बचाने के लिए श्रमिक भी उद्यमियों के साथ मिलकर पूरा साथ दे रहे हैं। पिछले आंदोलन के दौरान उद्योगों में काम न मिलने से हजारों मजदूर भुखमरी के कगार पर आ गए थे। काफी संख्या में मजदूरों को बहादुरगढ़ से अपने गृह राज्यो उत्तर प्रदेश व बिहार आदि को पलायन करना पड़ा था।

पंजाब के दो प्रवासी श्रमिकों की हत्या का जिम्मेदार आतंकवादी श्रीनगर में गिरफ्तार

पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के साथ मिलकर रची थी इस हमले की साजिश

श्रीनगर (हिंस)। श्रीनगर में पिछले सप्ताह पंजाब के दो प्रवासी श्रमिकों की हत्या के लिए जिम्मेदार एक आतंकवादी को पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। इस हमले में एक श्रमिक की मौत मौके पर हो गई थी, जबकि दूसरे ने इलाज के दौरान श्रीनगर के अस्पताल में दम तोड़ दिया था। एडीजीपी विजय कुमार और आईजीपी वीके बिदरी ने मंगलवार को एक प्रेस कांफ्रेंस के दौरान बताया कि 6 दिनों के भीतर इस हमले के लिए जिम्मेदार एक आतंकवादी को श्रीनगर पुलिस ने गिरफ्तार कर लिया है। उन्होंने कहा कि 7 फरवरी को लगभग 7 बजे अज्ञात आतंकवादियों ने शाला कदल, शहीद गंज श्रीनगर में अमृतसर के दो प्रवासी श्रमिकों पर गोलियां चला दीं। इस घटना में चमायारी निवासी अमृतपाल सिंह की मौके पर ही मौत हो गई। उसके साथी रोहित मासी को पहले एसएमएचएस अस्पताल और फिर एसकेआईएमएस सौरा श्रीनगर ले जाया गया। रोहित मासी ने अस्पताल में इलाज के दौरान 8 फरवरी को दम तोड़ दिया। उन्होंने बताया कि मामला इस संदर्भ में श्रीनगर के पुलिस स्टेशन शहीद गंज में मामला दर्ज करके पुलिस ने जांच शुरू की। जांच के दौरान आतंकवादी हमले को अंजाम देने वाले की पहचान हो गई। श्रीनगर पुलिस ने कुछ संदिग्धों पर ध्यान केंद्रित किया और बाद में पुख्ता सबूतों के आधार पर मुख्य आरोपी फाल्डागर श्रीनगर निवासी आदिल मंजूर लंगू को गिरफ्तार कर लिया। उन्होंने बताया कि जांच के दौरान सामने आया कि उसने पाकिस्तान में बैठे अपने आकाओं के साथ मिलकर इस हमले की साजिश रची थी। पुलिस के अनुसार आदिल मंजूर लंगू को पाकिस्तानी हैंडलर ने सोशल मीडिया के जरिए उसे कट्टरपंथी बनाया और हथियार उपलब्ध कराने के बाद हमले को अंजाम देने के लिए प्रेरित किया। इसी के बाद उसने श्रीनगर में शाला कदल की गलियों में पंजाब के दोनों प्रवासी श्रमिकों पर गोलियां चला दीं, जिसके परिणामस्वरूप दोनों की मौत हो गई। आतंकी संगठन टीआर ने इस हमले की जिम्मेदारी ली है। उन्होंने बताया कि मामले की जांच के लिए डीआईजी सीकेआर ने एसपी साउथ की अध्यक्षता में एक एसआईटी का गठन किया है और आगे की जांच तेजी से की जा रही है। एक सवाल के जवाब में एडीजीपी विजय कुमार ने कहा कि अकेले श्रीनगर जिले में काफी संख्या में आतंकवादियों को मार गिराया गया है लेकिन आज केवल एक आतंकवादी जीवित बचा है।

सैकड़ों लोगों ने ग्रहण की भाजपा की सदस्यता

अयोध्या (हिंस)। विभिन्न पार्टियों तथा समाजसेवी संगठनों, अल्पसंख्यक समुदाय के दर्जनों सहित सैकड़ों लोगों ने भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। पार्टी कार्यालय सहादतगंज में महानगर के मंडलों के लोगों को महानगर प्रभारी विजय प्रताप सिंह तथा महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने तथा जिले की विधानसभा के लोगों को जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी तथा जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने पार्टी का ध्वज तथा पट्टिका पहना कर उन्हें भाजपा की सदस्यता दिलाई। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता ने माल्यार्पण कर अभिनंदन किया गया। अयोध्या महानगर में इं अनिल मिश्र, बैंक मैनेजर देवेन्द्र तनेजा, व्यापारी सुमित माखेजा, हरीश लखमानी, अमित गोयल, पंकज रवेत्रापाल, इमरान खान, समाज सेवी प्रवीण दूबे, रोजी खान, बेला देवी, लक्ष्मी, अल्पसंख्यक समुदाय के इमरान खां, रमजान, सबरेज मिर्जा, लारैब जमीर, मिसम अब्बास, मिर्जाशुजा हसन, जुगवान अली, फैधी अब्बास, मो. रफी, सैयद अरदश अली, सफाअत खान, अतहर अली, चांद अली, फैसल खान, जावेद खान, जावेद खान, नफीस राझी, नसीम अख्तर, नदीम, साबिर हुसैन, अजली वारिस, मो. मुरशिद, सद्दाम खान, सुरैया, मो. इरशाद सहित दर्जनों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ली। अयोध्या जिले में सपा के पूर्व जिला उपाध्यक्ष व सचिव लाल

चंद्र चौरसिया, प्रधान कुलदीप निषाद, हरिप्रसाद निषाद, समाजसेवी सुरेश निषाद, संतोष कुमार गुप्ता, राजू शर्मा सहित दर्जनों लोगों ने पार्टी की सदस्यता ग्रहण की। विधायक वेद प्रकाश गुप्ता सबका साथ सबका विकास करते हुए सबका विश्वास हासिल करने के पथ पर अर्ग्रसर हो रही है। सरकार की जनकल्याणकारी योजनाओं से जनता में उत्साह का माहौल है। महानगर प्रभारी विजय प्रताप सिंह ने कहा कि विभिन्न क्षेत्रों के लोगों ने आज पार्टी की सदस्यता ग्रहण की है। सभी के सहयोग पार्टी की विचार धारा और मजबूत होगी। महानगर अध्यक्ष कमलेश श्रीवास्तव ने कहा कि देश की यह विकास यात्रा प्रधानमंत्री की दूरदर्शिता का परिणाम है। मोदी और योगी के कार्यों से प्रभावित होकर भाजपा की सदस्यता ग्रहण की है। सभी का पार्टी में स्वागत है। जिला प्रभारी मिथिलेश त्रिपाठी ने कहा सरकार के सुशासन, गरीब कल्याण, दृढ़, इच्छाशक्ति, भ्रष्टाचार पर जीरो टोलरेंस की नीति तथा सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास तथा सबका प्रयास निहित है। जिलाध्यक्ष संजीव सिंह ने कहा कि मोदी सरकार में देश ने अभूतपूर्व विकास देखा है। योजनाओं की श्रंखलाओं से अंतिम व्यक्ति को लाभ पहुंचाया गया है। भाजपा में शामिल होने के बाद लाल चंन्द्र चौरसिया ने कहा मोदी तथा योगी की नीतियों से प्रभावित होकर अपने सर्मथकों के साथ सदस्यता ग्रहण की है।

शादी में जा रहे परिवार की वैन को ट्रक ने मारी टक्कर, तीन की मौत

इंदौर (हिंस)। इंदौर से उज्जैन के हुकुमतलाई में शादी समारोह में शामिल होने जा रहा एक परिवार सोमवार देर रात हादसे का शिकार हो गया। इसमें तीन लोगों की मौत हो गई। हादसा सोमवार देर रात उज्जैन नाके पर हुआ। टक्कर इतनी जोरदार थी कि 100 मीटर तक ट्रक वैन को घिसटते ले गया। पुलिस मामला दर्ज कर पड़ताल में जुट गई है। जानकारी के इंदौर के मांगलिया क्षेत्र का परिवार एक शादी समारोह में शामिल होने के लिए हुकुमतलाई जा रहे थे। इस दौरान मक्सी शाजापुर क्षेत्र में टर्न लेने के दौरान उनकी वैन को एक ट्रक ने टक्कर मार दी। इस हादसे में 55 वर्षीय लालू गिरी की मौत हो गई। वह वैन चला रहा था, जबकि नागू गिरी और एक महिला की भी इस हादसे में मौत हो गई। परिवार के चार सदस्य घायल भी हुए हैं, जिन्हें एमवाय अस्पताल में भर्ती किया गया है।

पांच महीने में 42 लाख शादियां, बैंड-बाजा-बारात से 5.50 लाख करोड़ का बिजनेस, कैट का अनुमान

नई दिल्ली ।
देशभर में मौजूदा शादी सीजन के दौरान करीब 42 लाख विवाह होंगे। इनसे करीब 5.50 लाख करोड़ रुपये के कारोबार की उम्मीद है। 15 जनवरी से 15 जुलाई तक चलने वाले शादियों के सीजन में सिर्फ दिल्ली में ही चार लाख विवाह होंगे, जिनमें करीब 1.50 लाख करोड़ रुपये की खरीद-बिक्री का अनुमान है। पिछले साल 14 दिसंबर को खत्म हुए सीजन में करीब 35 लाख शादियां हुई थीं। इनसे देशभर में 4.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार हुआ था।

करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये का कारोबार

कॉन्फेडरेशन ऑफ ऑल इंडिया ट्रेडर्स (कैट) की शोध शाखा कैट रिसर्च एंड ट्रेड डेवलपमेंट सोसायटी के मुताबिक, पिछले सीजन की तुलना में इस बार करीब सात लाख अधिक शादियां होंगी। कारोबार भी करीब 1.25 लाख करोड़ रुपये ज्यादा होने की उम्मीद है। यह आकलन देशभर के व्यापारियों और सेवा प्रदाताओं से बातचीत कर किया गया है।

पिछले साल से 1.25 लाख करोड़ रुपये ज्यादा का होगा कारोबार

सिर्फ राष्ट्रीय राजधानी दिल्ली में होंगे चार लाख विवाह;1.50 लाख करोड़ की होगी खरीद-बिक्री तैयारी पूरी, पर्याप्त स्टॉक; इनकी ज्यादा मांग कैट के राष्ट्रीय महामंत्री प्रवीन खंडेलवाल ने बताया कि देशभर के व्यापारियों की पूरी तैयारी है। ग्राहकों की पसंद के हिसाब से मांग को पूरा करने के लिए पर्याप्त स्टॉक है। आभूषण, साड़ी, लहंगा-चुनरी, फर्नीचर, कपड़े, जूते, सूखे मेवे, मिठाई, फल, पूजा वस्त्र, किराना, इलेक्ट्रिकल सामान, इलेक्ट्रॉनिक्स और विभिन्न उपहार वाले उत्पादों की मांग सबसे अधिक है।

फार्महाउस से लेकर बैंक्वेट हॉल बुक

बैंक्वेट हॉल, होटल, ओपन लॉन, सामुदायिक केंद्र, सार्वजनिक पार्क, फार्म हाउस और विवाह स्थलों की पूरे देश में बुकिंग हो गई है। टेंट, सजावट, क्रॉकरी, कैटरिंग सेवा, कैब सेवा, फोटोग्राफर-वीडियोग्राफर, बैंड, डीजे, बग्घी, लाइट, ढोल, ताशे समेत अन्य सुविधाओं की बुकिंग भी तेजी से हो रही है।

न्यूज ब्रीफ

20 लाख करोड़ रुपये का मार्केट कैप हासिल करने वाली पहली भारतीय कंपनी बनी रिलायंस, शेयर 52 हफ्तों के हाई पर

नई दिल्ली । मुकेश अंबानी की अगुवाई वाली रिलायंस इंडस्ट्रीज (आरआईएल) के शेयर 20 लाख करोड़

रुपये के बाजार पूंजीकरण का लक्ष्य पार करने वाली पहली सूचीबद्ध भारतीय कंपनी बन गई। कंपनी का स्टॉक बीएसई पर 1.89 प्रतिशत तक बढ़कर 52-सप्ताह के उच्च स्तर 2957.80 रुपये पर पहुंच गया। पिछले दो सप्ताह में ही शेयर का बाजार मूल्य एक लाख करोड़ रुपये बढ़ गया है। 29 जनवरी को यह 19 लाख करोड़ रुपये के स्तर को छू गया था। इस कैलेंडर वर्ष में अब तक, भारत के सबसे मूल्यवान स्टॉक की कीमत लगभग 14 प्रतिशत बढ़ गई है। रिलायंस के मार्केट कैप में हुई हालिया बढ़ोत्तरी से इसके मुखिया मुकेश अंबानी की कुल संपत्ति केवल 2024 में ही 12.5 अरब डॉलर बढ़कर 109 अरब डॉलर हो गई है। ब्लूमबर्ग बिलेनियर्स इंडेक्स के अनुसार वे सबसे अमीर भारतीय हैं और दुनिया के अमीरों की लिस्ट में 11वें नंबर पर पहुंच गए हैं। मुंबई स्थित रिलायंस समूह तेल-से-दूरसंचार क्षेत्र में कारोबार करता है और बाजार में इसकी अपनी एक अलग पैठ है। आरआईएल ने अगस्त 2005 में 1 लाख करोड़ रुपये का बाजार पूंजीकरण हासिल किया था और नवंबर 2019 में यह 10 लाख करोड़ रुपये तक पहुंच गया। अब 20 लाख करोड़ रुपये के बाजार पूंजीकरण के साथ, आरआईएल भारत में सबसे मूल्यवान कंपनी कंपनी बन गई है, जो टीसीएस (15 लाख करोड़ रुपये), एचडीएफसी बैंक (10.5 लाख करोड़ रुपये), आईसीआईसीआई बैंक (7 लाख करोड़ रुपये), और इंफोसिस (7 लाख करोड़ रुपये) जैसी अन्य कंपनियों से बहुत आगे है। दिसंबर तिमाही के लिए आरआईएल के वित्तीय परिणाम बाजार की उम्मीदों के अनुरूप रहे।

अरबपति एलन मस्क की बादशाहत पर खतरा, बर्नार्ड अरनॉल्ट दुनिया के सबसे अमीरों की सूची में कुछ कदम दूर

सैन फ्रांसिस्को । टेस्ला के मालिक और मशहूर अरबपति एलन मस्क की बादशाहत पर खतरा मंडरा

रहा है। नंबर एक की पोजीशन से खिसकने के बाद अब उनके दूसरे स्थान को भी उन्हीं के देश के कारोबारी से कड़ी टक्कर मिल रही है। गौरतलब है कि लक्जरी ब्रांड लुई वुइटन के मालिक बर्नार्ड अरनॉल्ट दुनिया के सबसे अमीर व्यक्तियों की सूची में टॉप पर हैं जबकि एलन मस्क दूसरे नंबर पर काबिज है। ई-कॉमर्स कंपनी अमेजन के मालिक जेफ बेजोस की नेटवर्थ एलन मस्क के करीब पहुंच गई है और वह दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बनने से कुछ ही कदम दूर है। फोर्ब्स के अनुसार जेफ बेजोस की नेटवर्थ फिलहाल 195.9 बिलियन डॉलर है जबकि एलन मस्क की टोटल नेटवर्थ 201.6 बिलियन डॉलर है। इस हिसाब से जेफ़ बेजोस दुनिया के दूसरे सबसे अमीर व्यक्ति बनने से कुछ ही कदम दूर है। दुनिया के सबसे व्यक्तियों की सूची में बर्नार्ड अरनॉल्ट पहले नंबर है। फ्रांस के अरनॉल्ट की टोटल नेटवर्थ फिलहाल 219.9 बिलियन डॉलर है, जो भारत के मशहूर अरबपति गौतम अदाणी और मुकेश अंबानी दोनों की टोटल संपत्ति से भी ज्यादा है। बता दें कि हाल के दिनों में एलन मस्क की नेटवर्थ में कमी आई है। दरअसल, टेस्ला के चौथी तिमाही के उम्मीद के अनुरूप नहीं रहे जसिस्की वजह से कंपनी के शेयर लुढ़क गए थे और मस्क की नेटवर्थ में 18 बिलियन डॉलर से ज्यादा का घाटा हो गया था।

एमसीएक्स में तकनीकी खामी जारी, अब एक बजे कारोबार शुरू होने की खबर

नई दिल्ली । तकनीकी परेशानी से जूझ रहे मल्टी कमोडिटी एक्सचेंज ऑफ इंडिया (एमसीएक्स) में अब एक बजे से कारोबार शुरू होने की खबर आ रही है। तक गड़बड़ी के कारण 13 फरवरी की सुबह 9 बजे एमसीएक्स पर कारोबार शुरू नहीं हो पाया था। उसके बाद पहले सुबह 11 बजे कारोबार शुरू होने की बात कही गई थी, पर 11 बजे भी कारोबार शुरू नहीं हो पाया। अब कहा जा रहा है कि दोपहर एक बजे से एमसीएक्स पर कारोबार शुरू होगा। इससे पहले, ज़ेरोधा और अपस्टॉक्स ने अपने ट्विटर हैंडल में बताया कि तकनीकी खराबी के कारण एमसीएक्स के खुलने में सुबह देरी हुई। इसके बाद समय को संशोधित कर पहले सुबह 10 बजे से और फिर बढ़ाकर 11 बजे कर दिया गया। एमसीएक्स ने पहले एक परिपत्र जारी किया था जिसमें कहा गया था कि 13 फरवरी, 2024 को कमोडिटी डेरिवेटिव सेगमेंट के लिए 9 बजे की बजाय 10 बजे का समय तय किया गया है। एमसीएक्स ने एक्सचेंजों को एक नोटिस में कहा, एक्सचेंज अपने कमोडिटी डेरिवेटिव ट्रेडिंग प्लेटफॉर्म में कुछ तकनीकी परेशानी का सामना कर रहा है और एक्सचेंज के साथ-साथ टेक्नोलॉजी वेंडर टीसीएस की टीमें इस मुद्दे को हल करने के लिए काम कर रही हैं।

राजधानी पटना और आसपास के इलाकों में बढ़ी समृद्धि, दूर-दराज के इलाके अब भी फिसड्डी

नई दिल्ली ।
बिहार के उपमुख्यमंत्री और वित्त मंत्री सम्राट चौधरी की ओर से राज्य विधानसभा में पेश की गई आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023-24 के अनुसार, सूबे का सकल घरेलू उत्पाद (जीएसडीपी) 15.5 प्रतिशत बढ़कर 7.5 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। रिपोर्ट के अनुसार वास्तविक जीएसडीपी 2022-2023 में 10.6 प्रतिशत बढ़कर 4.4 लाख करोड़ रुपये होने का अनुमान है। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट इशारा करती है कि राजधानी पटना और आसपास के इलाकों में तो खूब विकास हुआ है पर दूर-दराज के इलाके अब भी समृद्धि से दूर हैं और संघर्ष कर रहे हैं। पटना और बेगूसराय जैसे जिले में प्रति व्यक्ति आय के मामले में अव्वल हैं पर शिवहर, अररिया और किशनगंज जैसे जिले अब भी फिसड्डी हैं।

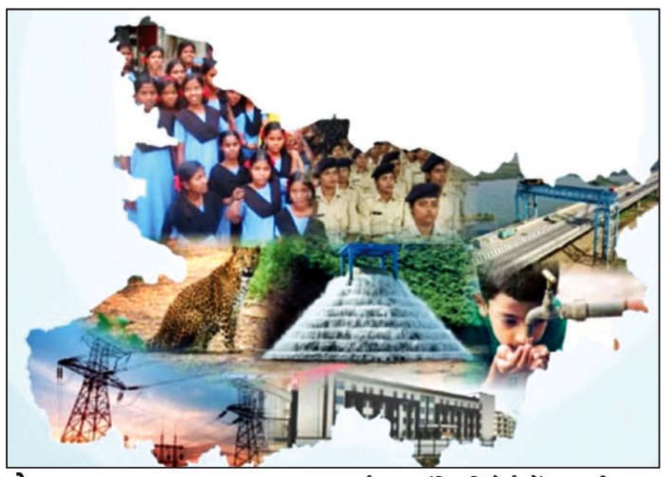

हवाई सफर करने वालों की संख्या में सात गुना इजाफा

आर्थिक सर्वेक्षण के आंकड़े कई क्षेत्रों में बिहार की प्रगति की ओर इशारा कर रहे हैं। राज्य में हवाई परिवहन का आकार 2011-12 के 30 करोड़ रुपये से सात गुना बढ़कर 2022-23 में 228 करोड़ रुपये हो गया है। रिपोर्ट के अनुसार, हवाई परिवहन क्षेत्र में पिछले वर्ष की तुलना में 2022-23 के दौरान 59 प्रतिशत की वार्षिक वृद्धि दर्ज की गई। सर्वेक्षण के अनुसार सभी तीन क्षेत्रों- प्राथमिक (कृषि), माध्यमिक (औद्योगिक) और तृतीयक (सेवाओं) के मामले में उच्चतम वृद्धि दर्ज किया गया।

शहरीकरण का ग्राफ भी तेजी से बढ़ रहा

कभी देश के पिछड़े राज्यों की गिनती में शुमार रहे बिहार में शहरीकरण का ग्राफ मुख्यमंत्री नीतीश कुमार के कार्यकाल में तेजी से बढ़ा है। बिहार विधानसभा में सरकार की ओर से पेश आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट 2023-24 इस बात की पुष्टि करती है। रिपोर्ट के अनुसार बिहार में शहरीकरण की दर में 17.1 प्रतिशत की तेज दर्ज की गई है। रिपोर्ट में कहा गया है कि पटना जिला सबसे अधिक शहरी आबादी वाला जिला है, जहां 44.3 प्रतिशत लोग शहरी क्षेत्र में बसते हैं। आर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार, 2018-19 से 2022-23 के बीच नगर विकास परियोजनाओं की वार्षिक चक्रवृद्धि दर 27 प्रतिशत रही जबकि इस दौरान आवास योजनाओं की वार्षिक चक्रवृद्धि दर 11 प्रतिशत रही। आंकड़ों के अनुसार इस दौरान समग्र वार्षिक चक्रवृद्धि दर 17.1 प्रतिशत दर्ज की गई। हालांकि रिपोर्ट में यह भी कहा गया है कि नगर विकास व आवास विभाग के लिए बजट राशि खर्च करना अब भी बड़ी चुनौती बनी हुई है। वित्तीय वर्ष 2022-23 के बजट में इसके लिए कुल 4465.27 करोड़ रुपये का आवंटन किया गया, जिसमें से केवल 2339.47 करोड़ रुपये ही खर्च किए जा सके हैं।

सामाजिक योजनाओं के क्रियान्वयन से लिंगानुपात सुधरा

आर्थिक सर्वेक्षण के अनुसार देश की कुल जनसंख्या में बिहार की हिस्सेदारी 9.4 प्रतिशत है। 2011 की जनगणना के आधार पर देश की कुल जनसंख्या में बिहार की हिस्सेदारी 8.6 प्रतिशत थी, जो 2023 में बढ़कर 9.4 प्रतिशत हो गई है। 2011 से 2023 के दौरान बिहार में लिंगानुपात (स्त्री-पुरुष अनुपात) में भी सुधार हुआ है। बिहार में अनुमानित तौर पर अब प्रति एक हजार पुरुष पर 953 महिलाएं हैं। रिपोर्ट के अनुसार राज्य सरकार की सामाजिक योजनाओं के क्रियान्वयन से लिंगानुपात को सुधारने में मदद मिली है।

पटना-बेगूसराय सबसे समृद्ध, किशनगंज-लखीसराय पिछड़े

अर्थिक सर्वेक्षण रिपोर्ट के अनुसार बिहार के पटना, बेगूसराय, मुजफ्फरपुर, शेखपुरा, भोजपुर और सारण सबसे विकसित जिला हैं। वहीं अररिया, शिवहर, बांका, किशनगंज और लखीसराय पिछड़े जिले हैं। बिहार का सबसे अमीर जिला पटना और सबसे गरीब शिवहर जिला है। अमीरी के मामले में दूसरे नंबर पर बेगूसराय और तीसरे स्थान पर मुंगेर जिला है। गरीबी के मामले में दूसरे नंबर पर अररिया और तीसरे पर सीतामढ़ी है।

प्रति व्यक्ति आय के मामले में शिवहर सबसे फिसड्डी जिला

अर्थिक सर्वेक्षण में प्रति व्यक्ति आप के हिसाब से 38 जिले की रैंकिंग बताई गई है। राज्य में औसत प्रति व्यक्ति आय 53,637 रुपये है, पटना में यह 1,14,541 रुपये है। बेगूसराय में प्रति व्यक्ति आय 46,991 और मुंगेर में 44176 रुपये है। रिपोर्ट के अनुसार शिवहर, अररिया और सीतामढ़ी में अमीरी-गरीबी के बीच का अंतर काफी अधिक है। शिवहर में जिले में प्रति व्यक्ति आय सबसे कम 18,980 रुपये है। अररिया में यह 19,795 रुपये और सीतामढ़ी में 21,448 रुपये है। पटना में प्रति व्यक्ति आय बिहार के सबसे गरीब जिले शिवहर की तुलना में लगभग छह गुना से अधिक है।

प्रधानमंत्री मोदी ने की 'पीएम सूर्य घर' योजना की घोषणा, हर महीने 300 यूनिट मुफ्त बिजली मिलेगी

नई दिल्ली ।
प्रधानमंत्री नरेन्द्र मोदी ने देश के लोगों को हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करने के लिए 'पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना' की घोषणा की। उन्होंने 'एक्स' पर सिलसिलेवार पोस्ट में कहा, ''सतत विकास और लोगों की भलाई के लिए, हम पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना शुरू कर रहे हैं।

उन्होंने कहा, ''75,000 करोड़ रुपये से अधिक के निवेश वाली इस परियोजना का लक्ष्य हर महीने 300 यूनिट तक मुफ्त बिजली प्रदान करके 1 करोड़ घरों को रोशन करना है।'' प्रधानमंत्री ने कहा कि लोगों के बैंक खातों में सीधे दी जाने वाली पर्याप्त सब्सिडी से लेकर भारी रियायती बैंक ऋण तक, केंद्र सरकार यह सुनिश्चित करेगी कि लोगों पर लागत का कोई बोझ न पड़े।

उन्होंने कहा, ''सभी हितधारकों को एक राष्ट्रीय ऑनलाइन पोर्टल के साथ समेकित किया जाएगा जो और भी सहूलियतों को बढ़ाएगा।'' मोदी ने कहा कि जमीनी स्तर पर इस योजना को लोकप्रिय बनाने के लिए शहरी स्थानीय निकायों और पंचायतों को अपने अधिकार क्षेत्र में रूफटॉप सौर प्रणालियों (छतों पर सौर ऊर्जा) को बढ़ावा देने के लिए प्रोत्साहित किया जाएगा।

उन्होंने कहा, ''साथ ही, इस योजना से लोगों के लिए अधिक आय, कम बिजली बिल और रोजगार सृजन होगा।'' प्रधानमंत्री ने सौर ऊर्जा और सतत प्रगति को बढ़ावा देने के लिए सभी आवासीय उपभोक्ताओं, विशेषकर युवाओं से आग्रह किया कि वे 'पीएमसूर्यघर डॉट जीओवी डॉट इन' पर आवेदन करके पीएम सूर्य घरः मुफ्त बिजली योजना को मजबूत करें।

इंफोसिस के शुरुआती साथियों को लेकर नारायण मूर्ति को इस बात का है मलाल, खुद किया खुलासा

नई दिल्ली ।
इंफोसिस के सह संस्थापक अपने बयानों को लेकर चर्चा में रहते हैं। फिर चाहे उनका हफ्ते में 70 घंटे काम करने वाला बयान हो या फिर अपनी पत्नी सुधा मूर्ति को इंफोसिस के साथ नहीं जुड़ने देने का बयान। एक बार फिर नारायण मूर्ति का इंफोसिस के कर्मचारियों को लेकर दिया बयान चर्चा में है। नारायण मूर्ति ने कहा कि मुझे अतीत में इंफोसिस के कर्मचारियों को उनकी मेहनत और योगदान के अनुरूप पर्याप्त रूप से पुरस्कृत नहीं करने का मलाल है। उनका योगदान मेरे जितना ही या उससे भी ज्यादा का रहा है। मूर्ति ने ये बातें अपनी पुस्तक के विमोचन के बाद पत्रकारों के सवालों के जवाब में कहीं। मूर्ति ने कहा, मुझे इस बात का अफसोस है कि हम कर्मचारियों को उतना नहीं दे सके जितना हम देना चाहते थे। उस समय, कंपनी की प्राथमिकता बाजार में टिकना और दीर्घकालिक वृद्धि हासिल करना था। उन्होंने माना कि कंपनी ने शुरुआती दौर में पूंजी संरक्षण और विस्तार पर अधिक ध्यान दिया, जिसका अर्थ था कि कर्मचारियों को मिलने वाला पैसा उतना नहीं था जितना वह हो सकता था। नारायण मूर्ति ने साथ ही कहा कि उन्हें इसके बारे में बहुत सावधानी से सोचना चाहिए था। उन्होंने कहा कि उन असाधारण लोगों

को भी लाभ मिला होता। 981 में पुणे में इंफोसिस की स्थापना इंफोसिस की स्थापना जुलाई 1981 में पुणे में हुई थी जो कि अब बेंगलुरु स्थित कंपनी बन गई है। इसकी सह-स्थापना मूर्ति सहित सात इंजीनियरों ने की थी। अन्य सह-संस्थापक नंदन नीलेकणि, क्रिस गोपालकृष्णन, एसडी शिबूलाल, के दिनेश, एनएस राघवन और अशोक अरोड़ा शामिल हैं। पिछले महीने ही मूर्ति ने अफसोस व्यक्त किया था कि उन्होंने अपनी पत्नी सुधा मूर्ति को इंफोसिस में शामिल होने नहीं दिया। सुधा मूर्ति ने ही इंफोसिस की स्थापना के लिए अपने पति को 10,000 रुपये की प्रारंभिक पूंजी प्रदान की थी। नारायण मूर्ति ने यह भी बताया कि उनके समय में इंफोसिस में किसी भी फैसले पर पहुंचने से पहले सभी की राय ली जाती थी।

ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों को नौकरी देने का फैसला; मुख्यधारा से जोड़ने और समावेशी माहौल पर बड़ी पहल

रांची ।
टाटा स्टील ने अलग-अलग लोकेशंस पर भर्तियों के लिए आवेदन आमंत्रित किए हैं। खास बात यह कि इन पदों पर भर्ती के लिए ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों से आवेदन मंगाए गए हैं। टाटा स्टील प्रबंधन ने रूढ़ीवादी विचारों को पीछे छोड़ते हुए नियुक्ति के क्षेत्र में नया अध्याय लिखने की शुरुआत की है। टाटा स्टील का कहना है कि इससे समावेशी माहौल बनाने में मदद मिलेगी। प्रबंधन के मुताबिक टाटा स्टील समाज में ट्रांसजेंडर लोगों को मुख्यधारा में लाने के महत्व को पहचानती है। इसलिए अलग-अलग इकाइयों में कई पदों पर भर्ती के लिए लिए ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों से आवेदन आमंत्रित किए गए हैं। 15 फरवरी तक कर सकते हैं आवेदन, लिखित परीक्षा और इंटरव्यू भी होगा हर साल लगभग 35 मिलियन टन कच्चे इस्पात का उत्पादन करने के मामले में टाटा अग्रणी वैश्विक कंपनी है। टाटा ने ट्रांसजेंडर उम्मीदवारों को

नौकरी देने के फैसले पर कहा, आवेदन की अंतिम तारीख 15 फरवरी है। शॉर्टलिस्ट होने के बाद उम्मीदवारों को चयन प्रक्रिया से गुजरना होगा। भर्ती से पहले पदों की जरूरत के अनुसार लिखित परीक्षा या इंटरव्यू देना पड़ेगा। शैक्षणिक योग्यता के बारे में टाटा स्टील ने क्या बताया योग्यता के बारे में टाटा स्टील ने बताया, अंग्रेजी में मैट्रिकुलेशन या औद्योगिक प्रशिक्षण संस्थान (आईटीआई) से कोर्स करने वाले पात्र उम्मीदवार संबंधित पदों पर आवेदन कर सकते हैं। इसके अलावा किसी भी विषय में स्नातक या अखिल भारतीय तकनीकी शिक्षा परिषद (एआईसीटीई) या विश्वविद्यालय अनुदान आयोग (यूजीसी) से मान्यता प्राप्त संस्था में इंजीनियरिंग में डिप्लोमा या किसी भी विषय में बीई/बीटेक में डिग्री हासिल करने वाले उम्मीदवार भी टाटा स्टील में भर्ती के लिए आवेदन कर सकते हैं।

राहुल ने बंगाल में मनरेगा श्रमिकों की परेशानियों पर पीएम को पत्र लिखा, धन जारी करने का किया आग्रह

नई दिल्ली ।
कांग्रेस नेता राहुल गांधी ने पश्चिम बंगाल में मनरेगा श्रमिकों की विनाशकारी दुर्दशा को लेकर प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी को पत्र लिखा और उनकी सरकार से आग्रह किया कि वह उनके लंबित वेतन को मंजूरी देने के लिए राज्य को केंद्रीय कोष जारी करने की व्यवस्था करे। पीएम मोदी को लिखे पत्र में राहुल ने कहा कि हाल ही में भारत जोड़ो न्याय यात्रा के तहत पश्चिम बंगाल के दौरे के दौरान पश्चिम बंग खेत मजदूर समिति के महात्मा गांधी राष्ट्रीय ग्रामीण रोजगार गारंटी योजना (मनरेगा) के कार्यकर्ताओं के एक प्रतिनिधिमंडल ने उन्हें उन समस्याओं से अवगत कराया था।

पश्चिम बंगाल में मनरेगा श्रमिकों की विनाशकारी दुर्दशा और न्याय के लिए उनकी अथक लड़ाई का जिक्र करते हुए उन्होंने कहा, मार्च, 2022 से पश्चिम बंगाल को केंद्रीय धनराशि रोकने के कारण हमारे लाखों भाइयों और बहनों को मनरेगा के तहत काम और मजदूरी से वंचित कर दिया गया है।

पूर्व कांग्रेस प्रमुख ने मोदी को 10 फरवरी को लिखे अपने पत्र में कहा, मुझे बताया गया है कि धन की कमी के कारण 2021 में कई श्रमिकों को काम पूरा करने के लिए भुगतान नहीं किया गया है। गांधी ने कहा कि इसके अलावा, काम पाने वाले परिवारों की संख्या 2021-22 में 75 लाख से घटकर 2023-24 में 8,000 से कम हो गई है। उन्होंने लिखा, बड़े पैमाने पर हुई यह कटौती सबसे कमजोर वर्ग के लोगों महिलाओं व एससी और एसटी परिवारों के लिए क्रूर रही है। मनरेगा के काम की कमी और लंबित मजदूरी ने कई लोगों को कठिन विकल्प के रूप में प्रवास का रास्ता चुनने के लिए मजबूर किया है। राहुल ने कहा कि 18 साल पहले संप्रग सरकार ने ग्रामीण समुदायों के लिए काम के अधिकार की गारंटी देकर सामाजिक और आर्थिक न्याय के नए रास्ते को चुना था। गांधी ने कहा कि कई लोगों के लिए, मनरेगा संकट के समय में एकमात्र सुरक्षा कवच है, और एक सुनिश्चित आजीविका स्रोत है। उन्होंने पत्र में लिखा, इस संदर्भ में केंद्र सरकार से लंबित मजदूरी के भुगतान के लिए धन जारी करने की सुविधा प्रदान करने और काम की मांग पूरी करना सुनिश्चित करने का अनुरोध करता हूं। मेरा मानना है कि सामाजिक, राजनीतिक और आर्थिक न्याय को बनाए रखने के लिए अपने राजनीतिक मतभेदों से ऊपर उठना हमारा कर्तव्य है।

एप्पल द्वारा किए जा रहे दो प्रोटोटाइप आईफोन डेवलप, सैमसंग को मिलेगी टक्कर

नई दिल्ली । टेक दिग्गज कंपनी एप्पल द्वारा कम से कम दो आईफोन प्रोटोटाइप डेवलप किए जा रहे हैं जो होरिजेंटली फोल्ड होंगे। ये अपकमिंग हैंडसेट्स गैलेक्सी झेड फलीप 5 के डायरेक्ट कंपीटिटर होंगे। हालांकि, ये अभी तक साफ नहीं है कि क्या ये फोल्डेबल फोन अगले कुछ सालों में मास प्रोडक्शन में जाएंगे या नहीं। एक रिपोर्ट में इंटरनल सोर्सेज के हवाले से बताया है कि ऐपल कम से कम दो क्लैमशेल-स्टाइल वाले फोल्डेबल आईफोन मॉडल्स के प्रोटोटाइप बना रहा है। सैमसंग के गैलेक्सी झेड फलीप डिवाइस में भी इसी तरह का डिस्प्ले मिलता है जो होरिजेंटली फोल्ड होता है। ऐसा लग रहा है कि फोल्डेबल डिवाइसेज अभी अर्ली डेवलपमेंट स्टेज में हैं और रिपोर्ट के मुताबिक ये कंपनी के 2024 या 2025 के मास प्रोडक्शन प्लान में नहीं हैं। ऐपल एक फोल्डेबल आईफोन बनाने पर विचार कर रहा है जिसमें डिवाइस के बाहर डिस्प्ले होगा। जो डिवाइस को बंद करने पर दिखाई देगा लेकिन इंजीनियरों को कथित तौर पर डिजाइन के साथ संघर्ष करना पड़ा क्योंकि यह आसानी से टूट सकता है। इसके अलावा कंपनी के इंजीनियर एक ऐसा फोल्डेबल डेवलप करना चाहते हैं जो 'मौजूदा एप्पल मॉडल जितना पतला' हो, लेकिन रिपोर्ट के मुताबिक, बैटरी की साइज और डिस्प्ले कंपोनेंट्स डिवाइस की मोटाई को बढ़ा रहे हैं। रिपोर्ट्स के मुताबिक एप्पल ने दो फोल्डेबल आईफोन मॉडल से संबंधित कंपोनेट्स के लिए एशिया में कम से कम एक सप्लायर से संपर्क किया है। मिली जानकारी के मुताबिक एक फोल्डेबल आईफोन मॉडल भी पाइपलाइन में है। उम्मीद की जा रही है कि इसमें करेंट जनरेशन आईपेड मिनी वाली साइज ही देखने को मिलेगी। मौजूदा मॉडल 8-इंच डिस्प्ले के साथ आता हे। फिलहाल एप्पल की ओर से फोल्डेबल आईफोन या आईपेड को लेकर कोई आधिकारिक घोषणा नहीं की है।

क्या साल 2024 रहेगा पीवी सिंधू के नाम: चोट से उबरने के बाद एशिया टीम चैंपियनशिप में करेंगी वापसी

मलयेशिया।
थॉमस कप चैंपियन भारत अपने खिलाड़ियों के प्रदर्शन के बूते बैडमिंटन एशिया टीम चैंपियनशिप (बीएटीसी) का खिताब जीतने की कोशिश करेगा, जिसमें दो बार की ओलंपिक पदक विजेता पीवी सिंधू की चोट से वापसी होगी। भारतीय पुरुष टीम ने 2022 में थॉमस कप जीता और पिछले साल के एशियाई खेलों में पहला रजत पदक हासिल किया था। टीम की कोशिश इस महाद्वीपीय प्रतियोगिता के फाइनल तक पहुंचने की होगी जिसमें उसने 2016 और 2018 में कांस्य पदक जीता था। सिंधू के लिए यह टूर्नामेंट ज्यादा अहमियत रखता है क्योंकि वह पिछले साल अक्तूबर से खेल से बाहर हैं जिससे वह अपनी मैच फिटनेस देखना चाहेंगी और जरूरी आत्मविश्वास हासिल करना चाहेंगी। पहले नॉकआउट में पहुंचने का लक्ष्य भारतीय पुरुष टीम को ग्रुप ए के लीग मैच में मजबूत चीन और हांगकांग का सामना करना होगा जिससे यह उसके लिए इतना आसान नहीं होगा। एचएस प्रणय की अगुआई में भारत लक्ष्य सेन तथा सात्विकसाईराज रैंकीरेड्डी और चिराग शेट्टी की युगल जोड़ी के साथ शीर्ष दो में जगह बनाकर नॉकआउट चरण में जगह बनाने की कोशिश करेगा। सिंधू के नेतृत्व वाली महिला टीम को ग्रुप 'डब्ल्यू' में सिर्फ चीन से भिड़ना है जो ग्रुप की दूसरी टीम है जिससे भारत ने नॉकआउट में अपना स्थान सुनिश्चित कर लिया है। महिला टीम के लिए सफर मुश्किल भरा होगा जिसमें सिंधू और दो युगल जोड़ियां त्रिशा जॉली और गायत्री गोपीचंद तथा अश्विनी पोनप्पा और तनीषा क्रास्टो शामिल हैं। 28 साल की सिंधू को फ्रेंच ओपन में घुटने में चोट लग गई थी। फिटनेस हासिल करने के बाद वह बेंगलुरु में 'मेंटोर' प्रकाश पादुकोण के मार्गदर्शन में ट्रेनिंग में जुटी थीं। ओलंपिक के लिए मिलेंगे जरूरी क्वालिफिकेशन अंक यह महाद्वीपीय टूर्नामेंट खिलाड़ियों के लिए भी महत्वपूर्ण होगा क्योंकि इससे 'रेस टूर द 2024 पेरिस ओलंपिक' के लिए महत्वपूर्ण क्वालिफिकेशन अंक मिलेंगे। ध्यान युवा और दूसरे दर्जे के भारतीय खिलाड़ियों पर भी लगा होगा जिसमें अस्मिता चालिहा, अनमोल खरब और तन्वी शर्मा शामिल हैं। भारत अपने अभियान की शुरुआत करेगा जिसमें पुरुष टीम का सामना हांगकांग से होगा जबकि सिंधू एंड कंपनी की भिड़ंत चीन से होगी।

न्यूज ब्रीफ

एशियाड और राष्ट्रमंडल खेल की पदक विजेता पहलवान दिव्या डोप में फंसीं, लग सकता है चार साल का प्रतिबंध

नई दिल्ली। एशियाई और राष्ट्रमंडल खेलों में पदक जीतने वाली देश की नामी पहलवान दिव्या काकरान डोप में फंस गई हैं।

राष्ट्रीय डोपिंग रोधी एजेंसी (नाडा) की ओर से लिए गए उनके सैंपल में प्रतिबंधित स्टेरायड मिथाइल टेस्टोस्टोरॉन और उसके मेटाबोलाइट्स पाए गए हैं। यूपी की अर्जुन अवॉर्डी इस पहलवान को नाडा ने अस्थाई रूप से प्रतिबंधित कर दिया है। अगर वह नाडा के सुनवाई पैनल के समक्ष अपनी बेगुनाही साबित नहीं कर पाईं तो उन पर अधिकतम चार साल का प्रतिबंध लग सकता है। आउट ऑफ कंपटीशन सैंपलिंग हुई नाडा ने बीते वर्ष 15 दिसंबर को दिव्या का आउट ऑफ कंपटीशन सैंपल मुजफ्फरनगर (यूपी) स्थित उनके आवास से लिया था, जिसकी टेस्टिंग वाडा से मान्यता प्राप्त राष्ट्रीय डोप टेस्ट लैबोरेटरी (एनडीटीएल) में की गई थी। इसी लैब की टेस्टिंग में एनाबॉलिक एंड्रोजेनिक स्टेरायड पाया गया है। नाडा ने 10 जनवरी से से दिव्या पर अस्थाई प्रतिबंध लगाया है, जिसके चलते वह राष्ट्रीय चैंपियनशिप में भी नहीं खेल सकीं। सूत्र बताते हैं कि दिव्या ने बी सैंपल भी टेस्ट करा लिया है। दो बार की हैं एशियाई चैंपियन दिव्या ने 2018 के जकार्ता एशियाई खेलों में 68 भार वर्ग में कांस्य जीता था। इसके अलावा उन्होंने 2018 और 2022 के राष्ट्रमंडल खेलों में भी कांस्य पदक जीता। वह दो बार एशियाई चैंपियनशिप में स्वर्ण पदक जीत चुकी हैं और 2017 में उन्होंने राष्ट्रमंडल चैंपियनशिप का भी स्वर्ण जीता। उन्हें 2020 में अर्जुन पुरस्कार से सम्मानित किया गया।

बल्लेबाज सौरभ तिवारी ने पेशेवर क्रिकेट से संन्यास की घोषणा की

नई दिल्ली। झारखंड के बल्लेबाज सौरभ तिवारी ने पेशेवर क्रिकेट से संन्यास की घोषणा कर दी है। सौरभ ने कहा कि वह राजस्थान के साथ 16 फरवरी से जमशेदपुर में होने वाले रणजी ट्रॉफी मुकाबले के बाद पेशेवर क्रिकेट नहीं खेलेंगे। तिवारी ने अपने 17 साल के करियर में झारखंड की ओर से घरेलू क्रिकेट खेला है। इसके अलावा इस क्रिकेटर ने तीन एकदिवसीय अंतरराष्ट्रीय मैच भी खेले हैं। भारतीय टीम में पहुंचने पर उन्हें बाएं हाथ का धोनी भी कहा जाने लगा था। सौरभ ने आईपीएल में भी 4 फ्रेंचाइजी टीमों की ओर से खेला है। इस खिलाड़ी ने संन्यास की घोषणा को लेकर कहा कि इस यात्रा को अलविदा कहना थोड़ा कठिन है। मेरा मानना है कि यह संन्यास के लिए सही समय है क्योंकि अगर आप राष्ट्रीय टीम और आईपीएल में नहीं खेल रहे हो तो फिर टीम में किसी युवा खिलाड़ी के लिए जगह खाली करना सही रहेगा। हमारी टेस्ट टीम में भी कई युवा खिलाड़ियों को मौका मिल रहा है और इसलिए मैंने यह फैसला लिया है। सौरभ ने भारतीय टीम की तरफ से साल 2010 में तीन एकदिवसीय मैच खेले थे जिसमें उन्होंने 49 रन बनाए। उन्होंने अब तक 115 प्रथम श्रेणी मैचों में 47.51 की औसत से 8030 रन बनाए हैं। इस दौरान उन्होंने 22 शतक और 34 अर्धशतक लगाये हैं। आईपीएल में उन्होंने 93 मैच में 28.73 की औसत से 1494 रन बनाए।

टेस्ट क्रिकेट में जगह बनाने अय्यर को रक्षात्मक खेल बेहतर बनाना होगा : मांजरेकर

मुंबई। पूर्व क्रिकेटर संजय मांजरेकर ने कहा है कि अगर बल्लेबाज श्रेयस अय्यर को टेस्ट क्रिकेट में बेहतर

होना है तो उन्हें अपने खेल के रक्षात्मक पहलू में सुधार करना होगा। अय्यर जहां छोटे प्रारुप में तो सफल रहे हैं पर टेस्ट प्रारुप में वह अब तक प्रभावित नहीं कर पाये हैं। अय्यर इंग्लैंड के खिलाफ भी रन नहीं बना पाये हैं। अपने पिछले 7 टेस्ट मैचों में अय्यर ने 12 पारियों में 17.00 की औसत से केवल 187 रन ही बनाए हैं। इममें उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर केवल 35 रन रहा है। मांजरेकर ने कहा, अय्यर को यह तय करना होगा कि वह किन प्रारूपों में अच्छा प्रदर्शन कर पायेंगे। यदि टेस्ट को वह प्राथमिकता देते हैं तो फिर उन्हें अपने रक्षात्मक खेल को ठीक करना होगा। उन्हें एक ऐसा खेल विकसित करना होगा जिसमें रक्षात्मक रुख के साथ ही आक्रामकता भी शामिल रहेगी। आक्रामक रुख एक प्रकार से रक्षात्मक खेल का ही विस्तार कहा जा सकता है जिसमें बल्लेबाजी तेजी से खेलकर हावी होने के प्रयास करता है। उन्होंने कहा कि केएल राहुल एक विशेषज्ञ बल्लेबाज के रूप में तीसरे टेस्ट में वापसी करेंगे। साथ ही कहा कि विकेटकीपर के तौर पर अबतक केएस भरत ने अच्छा प्रदर्शन नहीं किया है और सात मैचों में 20.09 की औसत से केवल 221 रन ही बनाए हैं।

कुलवंत खेजरोलिया ने 4 गेंद पर 4 विकेट लिए

रणजी में ऐसा करने वाले तीसरे गेंदबाज जलज सक्सेना ने झटके 9 विकेट

नई दिल्ली।
रणजी ट्रॉफी में छठे राउंड के नतीजे आए। मध्यप्रदेश के लेफ्ट आर्म तेज गेंदबाज कुलवंत खेजरोलिया 4 गेंद में 4 विकेट लेने का कारनामा किया। वह रणजी में ऐसा करने वाले तीसरे ही बॉलर बने। उनके प्रदर्शन के दम पर मध्यप्रदेश ने बड़ौदा को पारी के अंतर से हराया।

दूसरी ओर, केरल के स्पिनर जलज सक्सेना ने पारी में महज 68 रन देकर 9 विकेट झटक लिए। वह ऐसा करने वाले छठे बॉलर बने। उनके दम पर टीम ने बंगाल को 109 रन से हराया।

खेजरोलिया के प्रदर्शन से जीता मध्य प्रदेश

कुलवंत खेजरोलिया ने दूसरी पारी में 4 बॉल पर 4 विकेट लेकर बड़ौदा की पारी समेट दी। उन्होंने पारी में 34 रन देकर कुल 5 विकेट लिए। बड़ौदा 270 रन ही बना सका, टीम ने पहली पारी में 132 रन बनाए थे। मध्य प्रदेश ने पहली पारी में 454 रन का स्कोर खड़ा किया था, इसलिए टीम को पारी और 52 रन से जीत मिली।

4 बॉल में 4 विकेट लेने वाले तीसरे गेंदबाज

खेजरोलिया से पहले 2 ही गेंदबाज रणजी में 4 बॉल पर 4 विकेट ले सके थे। जम्मू-कश्मीर के मोहम्मद मुदस्सिर और दिल्ली के शंकर सैनी रणजी ट्रॉफी में 4 बॉल पर 4 विकेट लेने का कारनामा कर चुके हैं। सैनी ने 1995 और मुदस्सिर ने 2015 में ऐसा किया था।

जलज सक्सेना 9 विकेट लेने वाले केरल के पहले बॉलर

37 साल के ऑलराउंडर जलज सक्सेना ने बंगाल के खिलाफ पहली पारी में 9 विकेट झटके। उन्होंने महज 68 रन दिए। वह रणजी ट्रॉफी की एक पारी में 9 विकेट लेने वाले छठे बॉलर बने, वहीं केरल की ओर से ऐसा करने वाले वह पहले ही बॉलर बने। रणजी में बेस्ट बॉलिंग का रिकॉर्ड मुंबई के अंकित चव्हाण ने 2012 में बनाया था। उन्होंने पंजाब के खिलाफ महज 23 रन देकर 9 विकेट झटके थे।

बंगाल की टीम पहली पारी में 180 रन ही बना सकी थी। दूसरी ओर केरल ने पहली पारी में 363 रन बनाए। उन्होंने दूसरी पारी 265/6 के स्कोर पर डिक्लेयर की। जलज ने दूसरी पारी में भी 4 विकेट लिए। बंगाल की टीम दूसरी पारी में 339 रन ही बना सकी, जिस कारण उन्हें 109 रन से मुकाबला गंवाना पड़ा।

मुंबई और त्रिपुरा ने ड्रॉ मुकाबले में बनाई बढ़त

मुंबई और छत्तीसगढ़ के बीच मैच ड्रॉ रहा। मुंबई ने पहली पारी में बढ़त बनाई, इसलिए उन्हें एक्स्ट्रा पॉइंट मिला। चंडीगढ़ और त्रिपुरा के बीच मैच ड्रॉ रहा। यहां त्रिपुरा ने पहली पारी में बढ़त बनाई।

हैदराबाद-मेघालय में होगा प्लेट ग्रुप का फाइनल

एलिट ग्रुप में 7वें राउंड के मुकाबले 16 फरवरी से शुरू होंगे। जबकि प्लेट ग्रुप में सेमीफाइनल खेले जा चुके हैं। हैदराबाद ने नगालैंड को पारी और 68 रन से हराकर फाइनल में जगह बनाई। जबकि मेघालय ने मिजोरम को 6 विकेट से हराया। मुकाबला 17 फरवरी से खेला जाएगा। एलिट स्टेज में 4 ग्रुप हैं। हर ग्रुप की 2-2 टॉप टीमों के बीच 23 फरवरी से क्वार्टर फाइनल मुकाबले खेले जाएंगे। रणजी ट्रॉफी का फाइनल 10 से 14 मार्च तक होगा। रणजी में लीग स्टेज के मुकाबले 4 दिन और नॉकआउट स्टेज के मुकाबले 5 दिन तक चलते हैं। हरियाणा और सर्विसेज ने पारी से जीता मुकाबला।

रणजी ट्रॉफी में राउंड-6 के बाकी नतीजे इस प्रकार रहे।

- हरियाणा ने झारखंड को पारी और 205 रन से हराया।
- सर्विसेज ने मणिपुर को पारी और 196 रन से हराया।
- विदर्भ ने महाराष्ट्र को 10 विकेट से हराया।
- असम ने बिहार को 9 विकेट से हराया।
- सौराष्ट्र ने राजस्थान को 218 रन से हराया।
- उत्तराखंड ने ओडिशा को 162 रन से हराया।
- दिल्ली ने हिमाचल प्रदेश को 76 रन से हराया।
- रेलवे ने गोवा को 63 रन से हराया।
- जम्मू कश्मीर ने पुडुचेरी को 19 रन से हराया।

अंडर-19 से उदय , सौम्य और मुशीर जैसे खिलाड़ी सामने आये : कानिटकर

बेनोनी।
भारतीय अंडर-19 क्रिकेट टीम के मुख्य कोच ऋषिकेश कानिटकर का मानना है कि वर्तमान की ये टीम काफी अच्छे खिलाड़ियों से भरी हुई है और आने वाले समय में इस टीम के कुछ खिलाड़ी सीनियर टीम में खेलते दिखेंगे। कोच के अनुसार टीम भले ही विश्वकप जीतने में सफल नहीं रही पर कप्तान उदय सहारन, मुशीर खान, सौम्य पांडे और सचिन धास जैसे प्रतिभाशाली खिलाड़ी इससे सामने आये हैं। कानिटकर ने मैच के बाद कहा, 'निश्चित रूप से भारतीय टीम का भविष्य उज्जवल नजर आ रहा है। गेंदबाजी और बल्लेबाजी दोनों में ही उसके खिलाड़ियों का प्रदर्शन शानदार अच्छा रहा है। टीम ने दबाव के हालातों में भी परिपक्वता दिखायी जो भारतीय क्रिकेट के लिए सकारात्मक संकेत है।

आने वाले समय में सीनियर टीम में खेलते दिखेंगे कुछ खिलाड़ी

अंडर-19 टीम से ही विराट कोहली, युवराज सिंह सहित कई अन्य खिलाड़ी निकलकर भारतीय टीम में पहुंचे हैं। कोच ने कहा, 'हर बार कुछ खिलाड़ी ऐसे होते हैं जो या तो आईपीएल या फिर भारतीय टीम में अच्छा प्रदर्शन करते हैं। मुझे पूरा भरोसा है कि इसमें भी कुछ खिलाड़ी ऐसे होंगे जो भारतीय टीम से खेलेंगे हालांकि इसके लिए उन्हें कड़ी प्रतिस्पर्धा से गुजरना होगा।

अंडर-19 टीम के खिलाड़ियों अर्शिन कुलकर्णी और अविनाश राव को पहले ही आईपीएल अनुबंध मिल गया है। उन्होंने कहा कि अंडर-19 विश्व कप में खेलने से खिलाड़ियों को सीनियर स्तर पर खेलने का पहले ही अनुभव हो जाता है। ऐसे में जब वह सीनियर टीम में जाते हैं तो उनके लिए दबाव का सामना करना आसान रहता है।

ध्रुव इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट में कर सकते हैं पदार्पण

नई दिल्ली।
युवा विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को इंग्लैंड के खिलाफ 15 फरवरी से राजकोट में खेले जाने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच में डेब्यू कर सकते हैं। पहली बार टेस्ट दल में शामिल जुरेल को जगह मिलना इसलिए तय माना जा रहा है क्योंकि पहले दो टेस्ट मैचों के लिए टीम में शामिल विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत इंग्लैंड के खिलाफ जारी सीरीज के शुरुआती दो टेस्ट मैचों में अच्छा प्रदर्शन नहीं कर पाये थे। भरत विकेटकीपिंग और बल्लेबाजी में प्रभावित नहीं कर पाये थे। ऐसे में उनकी जगह जुरेल को अवसर दिया जा सकता है।

एक रिपोर्ट के अनुसार भरत को एक और अवसर मिलने की संभावना बेहद कम है। वह इससे पहले दक्षिण अफ्रीका दौरे पर भी प्रभावित नहीं कर पाये थे। इसके बाद इंग्लैंड के खिलाफ पहले दोनो ही टेस्ट मैचों में उनक प्रदर्शन कमजोर रहा। उन्होंने पिछली 12 टेस्ट पारियों में 221 रन बनाए। इस दौरान उनका बल्लेबाजी औसत 20.09 रहा।

भरत की बल्लेबाजी के साथ ही विकेटकीपिंग भी अच्छी नहीं रही। वह अवसरों का लाभ नहीं उठा पाये। वहीं जुरेल एक प्रतिभाशाली खिलाड़ी हैं और उनका रवैया भी अच्छा है। उन्होंने उत्तर प्रदेश, इंडिया ए और आईपीएल में राजस्थान रॉयल्स की ओर से खेलते हुए अच्छा प्रदर्शन किया है। ऐसे में यदि राजकोट में जुरेल को टेस्ट डेब्यू करते हुए देखा जा सकता है। जुरेल ने 15 फर्स्ट क्लास मैचों में 46.47 की औसत से 790 रन बनाये हैं। उनके नाम एक शतक और 5 अर्धशतक भी शामिल हैं। उनका सर्वश्रेष्ठ स्कोर 249 रन रहा है। इस खिलाड़ी ने इंग्लैंड लॉयंस के खिलाफ अर्धशतकीय पारी खेली थी।

दूसरी ओर भरत ने शुरुआती दो टेस्ट मैचों में मिले अवसरों को खो दिया। उन्होंने चार पारियों में 23 की औसत से केवल 92 रन बनाए , इस दौरान उनकी विकेटकीपिंग भी अच्छी नहीं रही।

टी20 में सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले क्रिकेटरों में दो भारतीय

मुम्बई।
भारतीय क्रिकेट टीम के दो खिलाड़ियों के नाम टी20 अंतरराष्ट्रीय में सबसे ज्यादा शतक हैं। इसमें कप्तान रोहित शर्मा और आक्रामक बल्लेबाज सूर्यकुमार यादव है। रोहित के नाम पांच जबकि सूर्या के नाम चार शतक हैं। ऐसे में जून में होने वाले टी20 विश्वकप में भारतीय टीम खिताब की एक प्रबल दावेदार के तौर पर उतरेगी। भारतीय टीम के कप्तान रोहित शर्मा इसमें जीत हासिल कर अपने नाम एक आईसीसी खिताब करना चाहेंगे। रोहित के अलावा ऑस्ट्रेलिया के ऑलराउंडर ग्लेन मैक्सवेल, के नाम भी टी20 में पांच शतक हैं। ये तीनो ही ऐसे बल्लेबाज हैं जो कभी भी मैच का रुख मोड़ सकते हैं। मैक्सवेल ने हाल में विंडीज के खिलाफ सीरीज के दूसरे टी20 में शतक लगाकर रोहित के पांच शतकों की बराबरी की है। सबसे कम पारियों में पांच शतक का रिकार्ड मैक्सवेल के नाम है। . मैक्सवेल ने 102 टी20 अंरराष्ट्रीय की 94 पारियों में 5 शतक लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 145 रन रहा है। मैक्सवेल ने अबतक टी20 अंतरराष्ट्रीय मैचों में 2405 रन बनाये हैं और उनके नाम 10 अर्धशतक भी हैं।मैक्सवेल का स्ट्राइक रेट 155.26 का रहा है। वहीं रोहित ने 151 मैचों की 143 पारियों में 5 शतक लगाये हैं। उनका सबसे अधिक स्कोर नाबाद 121 रन रहा है। उन्होंने इस दौरान 29 अर्धशतक लगाये हैं। आगामी टी20 विश्व कप में रोहित कई और शतक लगा सकते हैं। उनका स्ट्राइक रेट 139.97 का है जबकि औसत 31.79 का है। वहीं सूर्यकुमार ने 60 मैचों की 57 पारियों में 4 शतक लगाये हैं। वह टी20 सबसे ज्यादा शतक लगाने वाले बल्लेबाजों में तीसरे नंबर पर हैं। सूर्यकुमार ने 10 बार नाबाद रहते हुए 171.55 के स्ट्राइक रेट से रन बनाए हैं। उनकी बल्लेबाजी का औसत 45.55 का रहा है। वहीं हैरान करना वाला नाम चेक गणराज्य के सबावून दाविजी का है। इस खिलाड़ी ने टी20 अंतरराष्ट्रीय में अबतक 3 शतक लगाये हैं। उन्होंने 31 पारियों में यह रिकार्ड बनाया है।

राहुल इंग्लैंड के खिलाफ तीसरे टेस्ट से बाहर हुए, पडिक्कल को बुलाया

राजकोट।
बल्लेबाज केएल राहुल इंग्लैंड के खिलाफ 15 फरवरी से यहां होने वाले तीसरे क्रिकेट टेस्ट मैच से बाहर हो गये हैं। राहुल को फिट नहीं होने के कारण टीम में शामिल नहीं किया गया है। वह अपनी चोट से अब तक उबर नहीं पाये हैं। राहुल को बचे हुए तीन टेस्ट मैचों के लिए भारतीय टीम में शामिल किया गया था। साथ ही कहा गया था कि फिट होने पर ही उन्हें टीम में रखा जाएगा। वहीं ऑलराउंडर रविन्द्र जडेजा हैमस्ट्रिंग की चोट से उबर गये हैं और उनके तीसरे टेस्ट में खेलने की संभावना है। राहुल अभी बेंगलुरु की राष्ट्रीय क्रिकेट अकादमी (एनसीए) में रिहैबिलिटेशन के दौर से गुजर रहे हैं। टीम प्रबंधन को उम्मीद है कि राहुल चौथे टेस्ट में खेल पायेंगे।

राहुल को हैदराबाद में हुए पहले टेस्ट के दौरान दाहिनी जांघ में खिंचाव हुआ था। इसके बाद से ही वह टीम से बाहर हैं। राहुल की जगह पर खेलने के लिए कर्नाटक के बल्लेबाज देवदत्त पडिक्कल को बुलाया गया है। ये दोनो ही इंडियन प्रीमियर लीग (आईपीएल) में लखनऊ सुपर जाइंट्स (एलएसजी) की ओर से खेलते हैं।

पडिक्कल ने रणजी ट्रॉफी में शानदार प्रदर्शन किया था। उन्होंने भारत ए की ओर से खेलते हुए इंग्लैंड लायंस के खिलाफ काफी रन बनाये थे। वहीं ये भी कहा जा रहा है कि विकेटकीपर बल्लेबाज ध्रुव जुरेल को तीसरे टेस्ट मैच में विकेटकीपर बल्लेबाज केएस भरत के विकल्प के तौर पर रखा जाएगा। पहले दोनो ही टेस्ट मैचों में भारतीय टीम का प्रदर्शन उम्मीद के अनुरुप नहीं रहा है। ऐसे में माना जा रहा है कि नये विकल्पों की तलाश की जा रही है।

इंग्लैंड के खिलाफ आखिरी 3 टेस्ट के लिए **भारतीय टीम :** रोहित शर्मा (कप्तान), जसप्रीत बुमराह (उपकप्तान), यशस्वी जयसवाल, शुभमन गिल, केएल राहुल*, रजत पाटीदार, सरफराज खान, ध्रुव जुरेल, केएस भरत, आर अश्विन, रवींद्र जड़ेजा, अक्षर पटेल, वाशिंगटन सुंदर, कुलदीप यादव, मो. सिराज, मुकेश कुमार, आकाश दीप।

धोनी ने सात नंबर जर्सी का राज बताया

रांची। भारतीय क्रिकेट टीम के पूर्व कप्तान महेंद्र सिंह धोनी ने खेल के दौरान सात नंबर की जर्सी पहनने के कारण बताये है। धोनी ने एक कार्यकम में कहा कि मेरा जन्म 7 जुलाई को हुआ, जो 7वां महीना भी है। वहीं जन्म का साल 1981 था, इसलिए 8 घटा 1 बराबर 7 आया। इसलिए जब उन्होंने मुझसे पूछा कि आपको कौन सा नंबर चाहिए तो मैंने 7 नंबर चुना। धोनी ने अपने अंतरराष्टीय करियर की शुरुआत 7 नंबर की जर्सी पहनकर की थी और इसका समापन भी इसी नंबर के साथ किया। गौरतलब है कि बीसीसीआई ने धोनी के संन्यास लेने के बाद उनके सम्मान में गत वर्ष 7 जर्सी को रिटायर कर दिया था। इस प्रकार क्रिकेट बोर्ड ने भारतीय क्रिकेट में धोनी के महत्वपूर्ण योगदान को सम्मान दिया है। इससे पहले सचिन तेंदुलकर की 10 नंबर जर्सी भी रिटायर कर दी गयी थी। इसका मतलब यह है कि अब कोई भी खिलाड़ी अब पुरुष क्रिकेट में नंबर 7 या नंबर 10 की जर्सी नहीं पहन सकेगा। अंतरराष्ट्रीय क्रिकेट से संन्यास लेने वाले धोनी अभी आईपीएल में सक्रिय है। आईपीएल 2023 जीतने के बाद धोनी ने अपने घुटने की भी सर्जरी करवाई थी पर अब वह फिट होने के बाद आईपीएल 2024 में वापसी के लिए तैयारी हैं। रांची में नेट्स में बल्लेबाजी करते हुए उन्होंने संन्यास की अटकलों को खारिज कर दिया। अब जब धोनी अपने सत्र के लिए मैदान पर उतरेंगे तो सभी की नजरें उन पर होंगी।

मिल गया बुरी यादों से छुटकारा पाने का तरीका

हॉलिवुड की सायेंस फिक्शन फिल्म 'इटरनल सनशाइं ऑफ द स्पॉटलेस माइंड' में दिखाया गया है कि किस तरह दो लोगों के दिमाग से उनकी बुरी और तकलीफदेह यादों को क्लिनिकली मिटा दिया गया जिसके बाद दोनों ने नए सिरे से अपने रिश्ते की शुरुआत की। फिलहाल यह स्थिति भले ही फिक्शन लग रही हो लेकिन जल्द ही यह हकीकत में बदल सकती है। वैज्ञानिकों ने प्रूफ ऑफ प्रिसिंपल के जरिए यह साबित किया है कि मस्तिष्क से बुरी और तकलीफ देने वाली यादों को मिटाया जा सकता है।

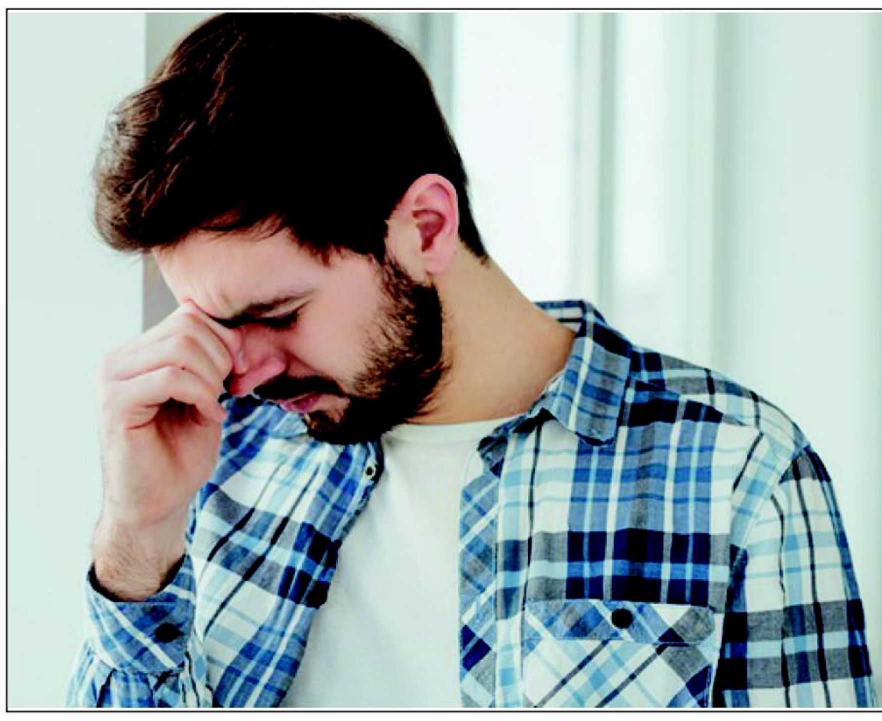

चूहों पर की गई रिसर्च से यह बात साबित हुई है कि इलेक्ट्रिक शॉक के जरिए उत्पन्न की गई एक आवाज से पैदा हुई डरावनी याद को मिटाया जा सकता है। शोधकर्ताओं का कहना है कि इंसानों पर इस रिसर्च को करने में कई तरह की नैतिक समस्याएं हैं जिस वजह से फिलहाल इंसानों पर यह रिसर्च करने का रास्ता बंद है।

लेकिन वैज्ञानिकों की खोज में यह बात साबित हुई है कि निकट भविष्य में यह संभव हो पाएगा। इससे ड्रग अडिक्शन या किसी तरह के ट्रॉमा से तनाव में रहने वाले लोगों के इलाज में मदद मिल सकेगी।

अमेरिका के बॉस्टन में अमेरिकन असोसिएशन फॉर द अडवांसमेंट ऑफ सायेंस की सालाना बैठक में बोलते हुए प्रफेसर शीना जोसलीन ने कहा, 'हमें विशिष्ट ब्रेन सेल की खोज में सफलता मिली है जहां एक खास मेमरी बंद रहती है। इसलिए अब हम टार्गेट कर सकते हैं कि ब्रेन में कोई मेमरी कहां चली गई। उसके बाद इन सेल्स की ऐक्टिविटी को कम किया जा सकता है। और यह ठीक वैसा ही है जैसा हमने किसी मेमरी को डिलीट कर दिया हो।' यह करने के बाद इलेक्ट्रिक शॉक से उत्पन्न आवाज का उन चूहों पर कोई असर नहीं पड़ा और वे बेफ्रिक थे।

वहीं दूसरी तरफ सेल्स की ऐक्टिविटी बढ़ा देने के बाद वह शॉक की मेमरी दोबारा बहाल हो गई जिससे चूहे असहज महसूस करने लगे। हालांकि उन्हें किसी तरह का नुकसान नहीं हुआ। प्रफेसर जोसलीन कहती हैं, 'हम मेमरी को ऑन-ऑफ कर सकते हैं। इससे हमें सचमुच प्रिंसिपल का प्रूफ मिलता है। अगर यादाश्त से संबंधित कोई समस्या है तो हमें पूरे शरीर या पूरे मस्तिष्क को टार्गेट करने की जरूरत नहीं है।' कनाडा के टॉरंटो यूनिवर्सिटी की जोसलीन कहती हैं कि यह संभव है कि भविष्य में वैज्ञानिक ऐसे हीट सीकिंग मिसाइल या हीट सीकिंग ड्रग बना सकेंगे जो सिर्फ उन सेल्स पर काम करेंगे जो इस मेमरी के लिए जरूरी है।

मिशिगन यूनिवर्सिटी के सेंटर फॉर मेमरी एंड ब्रेन के डायरेक्टर हॉवर्ड इशेनबॉम जो इस सालाना बैठक में शामिल थे का मानना है कि इस तरह की मेमरी में बेहद सीमित ब्रेन सेल्स शामिल होते हैं। ऐसे में किसी एक सेल को नष्ट कर देने से दूसरे सेल्स पर भी इसका बुरा प्रभाव पड़ सकता है। हालांकि, अगर वह मेमरी या बुरी याद बेहद कठोर है और आपकी जिंदगी को तबाह कर रही है तो यह समझौता बुरा नहीं है।

सेहत

शहद और लहसुन खाएं, इन रोगों को दूर भगाएं

लहसुन और शहद का इस्तेमाल हर घर में किया जाता है और इनके फायदों से भी हम सभी वाकिफ हैं। वहीं शहद ऐंटि-बायॉटिक, ऐंटि-बैक्टीरियल गुणों और लहसुन में एलिसिन व फाइबर की मौजूदगी के कारण हमें कई तरह के पोषक तत्व देता है। लेकिन क्या आप जानते हैं कि अगर इन दोनों को एक साथ मिला दिया जाए तो यह और भी फायदेमंद हो जाता है।

शहद में डूबे हुए लहसुन के सेवन से आप कई बीमारियों से भी बच जाते हैं। यह एक तरह का सुपर फूड है जो ऐंटिबायॉटिक की तरह काम करता है और शरीर को डिटॉक्स करके हर तरह के इंफेक्शन को भी खत्म करता है। साथ ही इम्यून सिस्टम को भी मजबूत करता है। अगर आप लगातार 7 दिन शहद में डूबा हुआ लहसुन का सेवन करेंगे, तो कुछ ही दिनों में असर दिखने लगेगा।

दिल के लिए फायदेमंद

लहसुन और शहद के पेस्ट का सेवन करना दिल के लिए फायदेमंद है। इसका सेवन करने से दिल की धमनियों में जमा फैट बाहर निकल जाता है। इसके कारण ब्लड सर्कुलेशन ठीक ढंग से होने लगता है। जो दिल के लिए फायदेमंद है। इन दोनों चीजों को मिलाकर खाने से कॉलस्ट्रॉल कम होता है और शरीर का ब्लड सर्कुलेशन ठीक रहता है।

गले में खराश

इस पेस्ट में ऐंटि-इन्फ्लेमेंटरी गुण पाए जाते हैं। इसका सेवन करने से आपके गले में खराश और सूजन से आपको आराम मिल जाएगा। अगर आप इसका सेवन करते हैं तो इम्यूनिटी सिस्टम मजबूत होगा और बीमारियों से बचने में मदद मिलेगी। यह एक प्राकृतिक डिटॉक्स है। इसको खाने से शरीर की अंदर से सफाई हो जाती है। इसके कारण आप सेहतमंद रहते हैं।

दांतों की समस्या दूर करे

इनमें मौजूद फास्फोरस से दांत मजबूत रहते हैं। यह दांतों से जुड़ी कई समस्याओं को दूर करने का काम करता है।

डायरिया

अगर आपको बार-बार डायरिया की समस्या हो रही है तो इस पेस्ट का सेवन काफी फायदेमंद साबित हो सकता है। इसका सेवन करने से आपका पाचन तंत्र ठीक ढंग से काम करता है। इसके कारण आपको पेट संबंधी किसी भी तरह का संक्रमण नहीं होता है।

मोटापा घटाए

शहद और लहसुन को मिलाकर खाने से शरीर का वजन कम होता है। साथ ही मोटापे परेशानी से छुटकारा मिलता है।

सर्दी-जुकाम से राहत

शहद में डूबे हुए लहसुन का सेवन करने से शरीर में गर्मी आती है। इसके कारण आपको सर्दी-जुकाम जैसी समस्या से निजात मिल जाता है। इसको खाने से सर्दी-जुखाम के साथ साइनस की तकलीफ भी काफी कम हो जाती है।

पार्टनर को किस करना हो सकता है खतरनाक...

यूं तो किस करना प्यार के इज़हार का एक तरीका है लेकिन अगर इमोशन्स को अलग रखकर सेहत के लिहाज से देखें तो इसके कई खतरे भी हैं। किस करने के दौरान किस करने वाले लोगों के बीच कैविटी सहित कई बीमारियों का आदान-प्रदान भी होता है। यूनिवर्सिटी ऑफ एरिज़ोना के डॉक्टर केली रेनॉल्ड्स का कहना है कि किस करने के कई खतरे हो सकते हैं। सामान्य भाषा में कहें तो किस करने से इन चार तरह की स्वास्थ्य समस्याओं का खतरा बढ़ जाता है।

1. दिमाग का बुखार या फिर ग्रन्थीय ज्वर

ग्रन्थीय ज्वर को किसिंग डिज़ीज के नाम से भी जाना जाता है। संक्रमण की स्थिति में इसके होने की आशंका बहुत अधिक बढ़ जाती है। इसका प्रभाव लंबे समय तक बना रहता है और संक्रमित शख्स को हमेशा थकान और कमजोरी महसूस होती रहती है। वहीं मस्तिष्क ज्वर की स्थिति में इस संक्रमण का असर दिमाग के चारों ओर मौजूद खोल पर पड़ता है। रीढ़ की हड्डी भी इससे प्रभावित होती है। यह असर 10 दिन तक बना रह सकता है। यह भी हो सकता है कि यह जीवनभर की समस्या बन जाए। कुछ मामलों में तो यह मौत का कारण भी बन सकता है।

2. एसटीआई

किस करने के दौरान स्लाइवा का भी आदान-प्रदान हो जाता है। हमारे स्लाइवा के माध्यम से कई बार गानरीअ (पेशाब करने के दौरान दर्द होना), दाद-खाज और दूसरी संक्रामक बीमारियों के बैक्टीरिया ट्रांसफर हो जाते हैं।

3. कैविटी

किस करने के दौरान कई बार कैविटी ट्रांसफर हो जाती है। लोगों को लगता है कि सांस की बदबू नहीं आ रही तो मुंह साफ है लेकिन ऐसा नहीं है। किसी को भी ओरल इंफेक्शन हो सकता है और किस करने के दौरान यह ट्रांसफर हो सकता है।

4. संक्रमण

स्वीडन में हुए एक सर्वे के मुताबिक, करीब 12 फीसदी मामलों में लोगों को फूड ऐलर्जी होती है और किस करने के दौरान ये ट्रांसफर हो जाता है। इससे स्किन प्रॉब्लम, सांस लेने में तकलीफ और उल्टियां हो सकती हैं।

हेल्दी रिलेशन के लिए इस समय करें प्यार का इज़हार

अगर आप चाहते हैं कि आपका रिलेशनशिप हेल्दी रहे, तो जरूरी है आपको यह पता होना कि आपको प्यार का इज़हार कब करना है। कई बार लोग बिना सोचे समझे बिना मौका देखे अपने प्यार का इज़हार कर देते हैं, जो उनके लिए कई बार उल्टा पड़ जाता है और चीजें बनने की जगह बिगड़ जाती हैं। अगर आप भी इस मामले को लेकर कन्फ्यूजन में हैं, तो यह सर्वे आपके सवालों का जवाब है।

प्यार का इज़हार करने के लिए अगर आप एक से दो सप्ताह का समय लेते हैं तो आपके रिलेशनशिप के हेल्दी होने के चांसेज़ बढ़ जाते हैं। वहीं अगर आप ज्यादा समय ले रहे हैं, तो इसका मतलब आप अपने पार्टनर को समझना चाहते हैं और उसके साथ लॉन्ग टर्म चलना चाहते हैं। जानिए इस बारे में क्या कहते हैं बाकी के सर्वे और आंकड़ें।

इजहार करें, पर सब्र के साथ

हाल ही में वेबसाइट शादी डॉट कॉम ने ब्रिटेन में 2000 लोगों पर एक सर्वे किया। इस सर्वे में 60% लोगों ने माना कि अपने पार्टनर को आई लव यू कहने के लिए उनको कम से कम 6 महीने का समय चाहिए। 31% लोगों का कहना था कि वे रिलेशनशिप के तत्काल बाद डेट करना पसंद करेंगे। वहीं 34% का कहना था कि वे एक दूसरे का हाथ पकड़ने में ही 1-2 सप्ताह का समय लेंगे। 27% लोगों का कहना है कि वे अपने पार्टनर के साथ बेड पर जाने के लिए दो सप्ताह का इन्तजार करेंगे तो 23% का मानना था कि इसमें महीना भर का समय लग सकता है।

6 महीने का समय

प्यार का इज़हार करने के लिए छह महीने का समय बेहद जरूरी है। इतने समय में आप एक दूसरे की आदतें, व्यवहार और दूसरी कई चीजें समझ जाते हैं। इसके बाद आपके लिए आसान हो जाता है कोई निर्णय लेना। यह रिलेशनशिप बाकी रिलेशनशिप से ज्यादा मजबूत भी होता है क्योंकि इसमें पूरी तरह सोच समझकर आगे बढ़ा जाता है। सर्वे में यह बात भी निकलकर सामने आई है कि जो लोग अपने पार्टनर को आई लव यू कहने में छह महीने का समय लेते हैं, उनका रिलेशनिशप हेल्दी रहने के साथ ही जिंदगीभर का साथ बन जाता है। 60 % लोगों ने माना भी है कि अपने पार्टनर को अपना बेस्ट फ्रेंड कहने में उनको भी कम से कम 6 महीने का समय चाहिए। उनका मानना है कि इतना समय एक-दूसरे को समझने के लिए बेहद जरूरी है। इसमें आपका पार्टनर आपसे बिना किसी कन्फ्यूजन के खुलकर कह पाता है कि हां मैं प्यार करता हूं।

मिलते ही इज़हार

31 फीसदी लोग इस समय ऐसे हैं, जो मिलने के 1 से 2 घंटे बाद ही इज़हार करना पसंद करते हैं। यही नहीं, वे चाहते हैं कि अगले दिन से ही डेट शुरू कर दी जाए। लेकिन रिलेशनशिप एक्सपर्ट की मानें, तो ऐसी रिलेशनशिप लंबे समय तक नहीं चल पाते। ये जितनी तेजी इस रिलेशनशिप को निभाने में दिखाते हैं, उतनी ही तेजी से वह खत्म भी होते है। सर्वे के मुताबिक, प्यार का इज़हार जितनी देर से होगा, रिलेशनशिप में उतनी मजबूती आएगी।

एक से दो सप्ताह का समय

प्यार का इज़हार करने के लिए अगर आप एक से दो सप्ताह का समय लेते हैं, तो आपकी रिलेशनशिप हेल्दी होने के चांस ज्यादा बढ़ जाते हैं। रिलेशनशिप एक्सपर्ट की मानें, तो आप ज्यादा समय ले रहे हैं, तो इसका मतलब आप अपने पार्टनर को समझना चाहते हैं और उसके साथ लंबे समय तक रहना चाहते हैं। अगर आप एक से दो सप्ताह में ही प्यार का इज़हार करने जा रहे हैं, जो भले ही है बहुत जल्दी, लेकिन हंसते हुए करते हैं, तो आप सफल हो सकते हैं। सर्वे के मुताबिक, हंसी में इज़हार में सफल होने की संभावना करीब 37 प्रतिशत तक होती है। वहीं, 34% लोगों जो एक-दूसरे का हाथ पकड़ने में ही 1-2 सप्ताह का समय लेते हैं, उनका रिश्ता भी हेल्दी रहता है।

और सस्ते हो जाएंगे स्टेंट, कंपनियां उठा रहीं ये बड़ा कदम

कुछ दिनों पहले नैशनल फार्मासूटिकल प्राइसिंग अथॉरिटी ने एक नोटिफिकेशन जारी कर इस बात की जानकारी दी थी कि सरकार ने स्टेंट की कीमत तय कर दी है।

सरकार द्वारा तय की गई कीमतें पहले की कीमतों की तुलना में 85 फीसदी तक कम की गई हैं लेकिन अब इस दिशा में मरीजों को और राहत मिल सकती है।

स्टेंट बनाने वाली कंपनियां सीधे तौर पर अस्पताल को ही स्टेंट बेचने की योजना बना रही हैं। ताकि वितरकों की मनमानी पर काबू पाया जा सके। स्टेंट का काम किसी मरीज की धमनी को चालू रखने के लिए किया जाता है।

जिस धमनी में रुकावट होती है, उसे स्टेंट डालकर खोला जाता है जिससे खून का बहाव बिना रुकावट चलता रहता है। इसकी सबसे ज्यादा जरूरत बाईपास सर्जरी और किडनी से

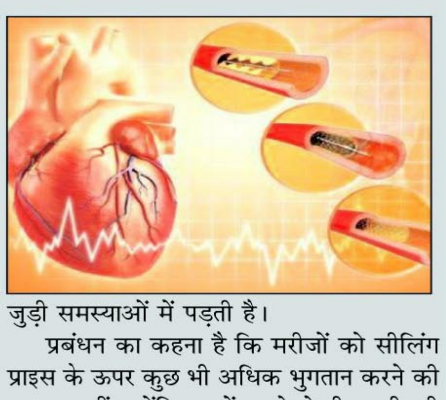

जुड़ी समस्याओं में पड़ती है।

प्रबंधन का कहना है कि मरीजों को सीलिंग प्राइस के ऊपर कुछ भी अधिक भुगतान करने की जरूरत नहीं क्योंकि इसमें पहले से ही 8 फीसदी मार्जिन जुड़ा हुआ है। हालांकि यह मार्जिन कुछ परिस्थितियों के अनुरूप नहीं है। इसके अलावा अकस्मात स्थिति में स्टेंट की सप्लाई को लेकर भी कुछ परेशानियां हैं।

पनीर का यह ज़ायका आप भूल नहीं पाएंगे

रेसिपी

अगर आप अपने मेहमानों को अपनी पाक कला के जादू से हैरान कर देना चाहते हैं तो यह मारवाड़ी पनीर रेसिपी ट्राई कर सकते हैं। आपने पनीर के बहुत से स्वाद चखे होंगे लेकिन यकीन कीजिए यह स्वाद आपको हमेशा के लिए याद रह जाएगा।

बनाने में लगने वाला कुल समय – 75 मिनट
तैयारी में लगने वाला समय – 5 मिनट
कैलरी – 291
चार लोगों के लिए

जरूरी सामग्री

- एक लीटर फुल क्रीम दूध
- 2 ग्राम कटा हुआ किशमिश
- 2 ग्राम कटा हुआ पिस्ता
- एक चुटकी केसर
- 3 ग्राम लाल शिमला मिर्च
- 125 ग्राम कटा हुआ प्याज
- 5 ग्राम सफेद प्याज
- 10 ग्राम अदरक का पेस्ट
- 25 मिली रिफाइंड तेल
- 10 ग्राम जीरा पाउडर
- 8 ग्राम फ्रेश क्रीम
- 5 ग्राम सफेद मक्खन
- 10 ग्राम कटी हुई हरी धनिया पत्ती
- 2 ग्राम कटा हुआ बादाम
- 2 ग्राम कटा हुआ अखरोट
- 2 ग्राम कटा हुआ काजू
- 4 मिली नींबू का रस
- 3 ग्राम हरा शिमला मिर्च
- 150 ग्राम टमाटर
- 10 ग्राम अदरक का पेस्ट
- 25 मिली टमाटर प्यूरी
- 10 ग्राम धनिया पाउडर
- 6 ग्राम गरम मसाला
- 2 चुटकी नमक
- 10 ग्राम देगी मिर्च
- 3 ग्राम काला जीरा

बनाने की विधि

- सबसे पहले दूध को खूब उबाल लें और फिर नींबू का रस डालकर उसे फाड़ लें।
- जब दूध फट जाए तो उसमें सारे ड्राई फ्रूट्स और केसर डालकर पानी निकलने के लिए मलमल के कपड़े में बांध दें। इसे एक घंटे तक यूं ही रहने दें और फिर पनीर बना लें।
- जब पनीर बन जाए तो इसे छोटे-छोटे टुकड़ों में काट लें।
- अब एक सॉस पैन में तेल गर्म करें और सभी मसालों को इसमें डाल दें। जब बीज चटकना शुरू कर दें तो काला जीरा डाल दें और कटी हुई प्याज भी डाल दें।
- जब यह भूरा हो जाए तो अदरक, लहसुन का पेस्ट इसमें डाल दें। इसमें कटे हुए टमाटर और सफेद प्याज भी डाल दें।
- इसके बाद सारे सूखे मसाले इसमें डाल दें। ऊपर से पनीर और शिमला मिर्च काटकर डाल दें।
- फ्रेश क्रीम और कटी हुई हरी धनिया डालकर सर्व करें।

मुद्रक एवं प्रकाशक राकेश शर्मा द्वारा अजय त्यागी के लिए ईको प्रिंटिंग प्रेस, पोस्ट एवं पीएस : गड़चुक, कटाबाड़ी मस्जिद के पास, कामरूप (मेट्रो), गुवाहाटी-35 से मुद्रित एवं **गुड लक पब्लिकेशंस, हाउस नं. 30, डी. नेउग पथ, डोना प्लैनेट के नजदीक, एबीसी, जीएस रोड गुवाहाटी-5 से प्रकाशित।**
संपादक : राकेश शर्मा, मोबाइल : 94350-14771, 97070-14771 ● **कार्यकारी संपादक : डॉ. आसमां बेगम ● फोन : 0361-2960054 (संपादकीय)** e-mail : viksitbharatsamacharghy@gmail.com, **(सभी विवाद सिर्फ गुवाहाटी न्याय क्षेत्र के अधीन)**